3 राजधानी
सड़क पर उतरीं 320 नई ई बसें

6 अभिमत
बीआरएस पर अस्तित्व का संकट

11 विदेश
ब्रिटेन में चाकू से हमले में तीन बच्चों की मौत

12 स्पोर्ट्स
मनु ने सरबजोत के साथ कांस्य जीत रचा इतिहास

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 262
नई दिल्ली, बुधवार, 31 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मुझे गर्व है कि मैं जाट हूं और मेरी जाति ओबीसी में आती है

राष्ट्रीय-10

वायनाड में भूस्खलनों से भारी तबाही, 123 लोगों ने गंवाई जान

● मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, बहुत से शव मलबे में दबे, राहत और बचाव कार्य में जुटी सेना

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल के उत्तरी क्षेत्र में वायनाड जिले की मुंडक्कई बस्ती में मंगलवार तड़के हुए दो भीषण भूस्खलनों में 123 लोगों की जान चली गयी और सैकड़ों घर धराशाई हो गए। 128 लोग घायल हुए हैं। बचावकर्मियों ने कहा कि मरने वालों की संख्या मंगलवार शाम छह बजे पता चली संख्या से अधिक हो सकती है। रविवार सुबह से राज्य में मूसलाधार बारिश हो रही है और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मंगलवार शाम मीडिया को जानकारी देते हुए इसकी आधिकारिक पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मरने वालों की संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि कई शव जमीन के नीचे दबे हुए हैं और लगातार बारिश और खराब रोशनी के बावजूद शवों को निकालने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मुंडक्कई में क्रमश: 2 बजे और 4 बजे दो भूस्खलन हुए। सारी जनता सो रही थी और उन्हें आने वाली विपत्ति का पता चलने की कोई संभावना नहीं थी। यह राज्य द्वारा अनुभव की गई सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। विजयन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें फोन किया था और हर संभव मदद की पेशकश की थी। विजयन ने

केरल के वायनाड में भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है।

अफसोस जताया, लेकिन यह पर्याप्त नहीं होगा क्योंकि राज्य अकेले बचाव और पुनर्वास कार्य नहीं कर सकता। भूस्खलन के कुछ घंटों के भीतर, केंद्र सरकार ने बाढ़ के पानी, मिट्टी और चट्टानों में फंसे लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल को तैनात किया। ऊंची पर्वतमालाओं पर स्थित मुंडक्कई के निवासियों के अलावा, क्षेत्र के सैकड़ों हाई-एंड रिसॉर्ट्स में रहने वाले कई छुट्टियां मनाने वाले भी भूस्खलन में फंस गए हैं। भारतीय वायु सेना ने बचाव अभियान के लिए अपने सुलूर बेस से दो हेलिकॉप्टर तैनात किए हैं। डिफेंस पीआरओ के अनुसार, 122 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) मद्रास के सेकेंड-इन-कमांड के नेतृत्व में 43 कर्मियों की एक टीम को तैनात किया गया है। एक चिकित्सा अधिकारी, दो जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) और 40 सैनिकों वाली टीम प्रभावित क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए सुसज्जित है। जिला प्रशासन ने कहा कि इसके अलावा, सेना का इंजीनियरिंग समूह (शेष पेज 9)

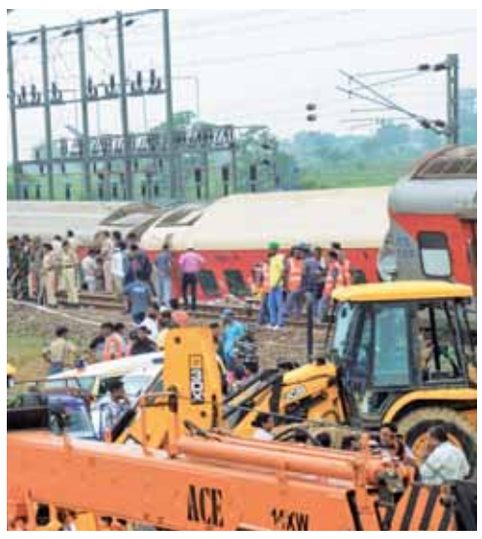

झारखंड के सरायकेला-खरसावां में ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है।

झारखंड में हावड़ा-मुंबई मेल बेपटरी हुई, दो लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। जमशेदपुर

झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के हावड़ा-मुंबई मेल के कम से कम 18 डिब्बे पटरी से उतर जाने से दो लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) के चक्रधरपुर डिवीजन के अंतर्गत, जमशेदपुर से लगभग 80 किमी दूर बाराबाम्बू के पास सुबह 3.45 बजे हुई। एसईआर के एक अन्य अधिकारी ने कहा, रेलवे ने ट्रेन दुर्घटना की जांच की घोषणा की है। पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने कहा, हावड़ा-मुंबई मेल के 18 डिब्बे बाराबाम्बू के पास पटरी से उतर गए, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। उन्होंने कहा, हावड़ा-मुंबई ट्रेन ने खड़ी मालगाड़ी को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इनमें से 16 यात्री डिब्बे, एक पावर कार और एक पेंट्री कार थी।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने और घायल लोगों की मदद करने का निर्देश दिया। रेलवे ने प्रत्येक मृतक के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये, गंभीर चोटों वाले लोगों के लिए 5 लाख रुपये, मामूली चोटों वाले लोगों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। रेलवे सीपीआरओ के मुताबिक, बचाव और राहत कार्य पूरा कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को दोपहर 12.15 बजे चक्रधरपुर से एक विशेष ट्रेन द्वारा उनके गंतव्य के लिए भेजा गया। दुर्घटना के कारण एसईआर ने कुछ एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनों को रद्द कर दिया। ये हैं 22861 हावड़ा-टिटलागढ़-कांतबांजी एक्सप्रेस, 08015/18019 खड़गपुर-झारग्राम-धनबाद एक्सप्रेस, 12021/12022 हावड़ा-बारबिल-हावड़ा जन शताब्दी एक्सप्रेस, 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस और 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस। कांग्रेस ने झारखंड में ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जून के बाद से 'असफल मंत्री' ने 'तीन दुर्घटनाओं की निगरानी की' जिसमें कुल मिलाकर 17 लोगों की जान चली गई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत में 'कोई जवाबदेही नहीं' है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सिलसिलेवार ट्रेन दुर्घटनाओं को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और आश्चर्य जताया कि क्या केंद्र की उदासीनता का कोई अंत नहीं होगा।

राउज स्टडी सर्किल हादसे के आठ कारण

● मुख्य सचिव ने मंत्री आतिशी को अंतरिम जांच रिपोर्ट सौंपी

संजय राय। नई दिल्ली

राउज स्टडी सर्किल में शनिवार देर शाम को हुए हादसे ने देश को झकझोर दिया है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने और दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के चौबीस घंटे के भीतर मैजिस्ट्रेट को जांच रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया था। दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने सोमवार देर रात राजस्व मंत्री आतिशी को हादसे से संबंधित अंतरिम रिपोर्ट सौंप दी गई है। इस रिर्पोट में उन्होंने दिल्ली के ड्रेनेज सिस्टम और नालों की डिसिल्टिंग को लेकर सिलसिलेवार तरीके से जिक्र किया है। साथ ही हादसे की 8 मुख्य वजहें भी बताई है। उन्होंने राउज स्टडी सर्किल की लापरवाही को भी उजागर किया है।

रिपोर्ट में इस बात का भी हवाला दिया है कि इस जांच के दौरान यह पता चला कि यह रोड दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत आती

फोटो: रंजन डिमरी

नई दिल्ली में ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में तीन आईएएस अभ्यर्थियों की मौत के बाद प्रदर्शन करते छात्र।

है। ऐसे में एमसीडी से भी इस मामले पर रिपोर्ट तलब की गई है। मुख्य सचिव ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सेंट्रल जिला मजिस्ट्रेट की ओर से इस घटना को लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

अंतरिम जांच रिपोर्ट में बेसमेंट में पानी घुसने और हादसे की 8 वजहों का जिक्र करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि यह सड़क व्यवसायिक सड़क के रूप में नोटिफाइड है। अधिकांश संपत्तियों को कमर्शियल प्रतिष्ठानों में परिवर्तित कर दिया गया है। भवनों के बाहर फुटपाट पर ग्रेनाइट, मार्बल और कोटा स्टोन लगाकर रैंप का निर्माण किया है। जिसकी वजह से नाले की सफाई नहीं हो सकती। शंकर रोड से पूसा रोड तक सड़क की रूपरेखा तश्तरीनुमा है, जिसका सबसे निचला हिस्सा राउज आईएएस स्?टडी सर्किल के सामने है। भारी बारिश के दौरान करीब 200 फुट लंबे हिस्से में पानी जमा हो जाता है। जब भी वाहन यहां से गुजरते हैं तो बड़ी मात्रा में पानी बिल्डिंग की ओर जाता है। इससे परेशानी बढ़ जाती है। राउज की बिल्डिंग का प्लिंथ लेवल भी आस-पास की संपत्तियों की तुलना में नीचे है। भारी बारिश की स्थिति में सड़क की मौजूदा स्थिति के कारण पूरा पानी इस क्षेत्र में जमा हो जाता है, जो पानी बरसाती नाले में जाना चाहिए था, वह पार्किंग क्षेत्र की ओर बढ़ जाता है। इस कोचिंग संस्थान ने ड्रेनेज सिस्टम को पूरी तरह से बाधित कर दिया है। ऐसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कोई अतिरिक्त सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं। मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट में राउज कोचिंग की लापरवाही भी सामने आई है।

इसी तरह की अन्य संपत्तियों ने बिल्डिंग के बाहर एक दीवार का निर्माण किया है जो यह सुनिश्चित करता है कि क्षेत्र में भारी जलभराव की स्थिति में पानी पार्किंग क्षेत्र और बेसमेंट में प्रवेश न कर सके जबकि राउज ने ऐसा नहीं किया। सुरक्षा कर्मचारियों की ओर से कोई सतर्कता नहीं बरती गई, जिसके परिणामस्वरूप पानी बिना रुके पार्किंग क्षेत्र को पार कर बेसमेंट में प्रवेश कर गया जिसके चलते सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन होनहार छात्रों की जान चल गई। (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में मंगलवार को लोकसभा में विचार व्यक्त करतीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

'बेहतर नीतियों से भारत तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था'

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा ने मंगलवार को केंद्र सरकार के 2024-25 के 48.21 लाख करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी। निचले सदन ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बजट को भी ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। केंद्रीय बजट और जम्मू-कश्मीर का बजट लोकसभा में ध्वनि मत से पारित हो गया। संबंधित विनियोग विधेयक भी सदन द्वारा पारित किये गये। बहस का जवाब देते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे को 2024-25 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के 4.9 प्रतिशत तक और 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का प्रस्ताव है। बजट पर मैराथन बहस और चर्चा के अपने जवाब में, सीतारमण ने विपक्षी नेताओं के भ्रामक दावों को गलत बताया कि यदि बजट भाषण में किसी राज्य का नाम नहीं लिया जाता है, तो उसे कोई बजटीय आवंटन नहीं मिलता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी राज्य को धन देने से इनकार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले बजटों में यूपीए सरकार ने भी अपने बजट भाषण में सभी राज्यों के नामों का उल्लेख नहीं किया था।

सीतारमण ने कहा कि सरकार के अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय के कारण कोविड महामारी के बाद भारत ने उंची वृद्धि हासिल की और आज हमारा देश दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। उन्होंने लोकसभा में बजट 2024-25 पर चर्चा का जवाब देते हुए यह भी कहा कि बजट में किसी राज्य का नाम नहीं होने का मतलब यह नहीं है, उसे कोई आवंटन नहीं हुआ है। सीतारमण ने कहा, चालू वित्त वर्ष के लिए कुल 48.21 लाख करोड़ रुपए के बजट में सामाजिक और भौगोलिक समावेश पर जोर है। यानी हर वर्ग और क्षेत्र का ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा, सरकार के अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय के कारण महामारी के बाद हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है। आज हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं। सीतारमण ने कहा, हमारी आर्थिक वृद्धि न केवल बेहतर है बल्कि हम राजकोषीय घाटे को कम करने के रास्ते पर भी हैं। उल्लेखनीय है कि 2023-24 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर (शेष पेज 9)

यूपी सरकार ने पारित किया सख्त 'लव जेहाद' कानून

● अवैध धर्मांतरण पर उम्रकैद के प्रावधान वाला संशोधित बिल विधानसभा में पारित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश विधानसभा ने मंगलवार को यूपी गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 पारित कर दिया, जिसमें अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है, जिससे धोखाधड़ी या जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों में कानून सख्त हो जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को सदन में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। हालाँकि, इस कदम की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की है।

पहले किसी महिला को धोखा देकर उससे शादी करने और उसका धर्म परिवर्तन कराने के दोषी पाए जाने वालों के लिए अधिकतम सजा 10 साल और 50,000 रुपये जुर्माने का प्रावधान था। नए प्रावधानों के मुताबिक, अगर किसी नाबालिग, विकलांग या मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति, महिला या एससी-एसटी व्यक्ति का धर्म परिवर्तन

लखनऊ में मंगलवार को विधान भवन स्थित विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की उपस्थिति में बोलते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कराया गया तो दोषी को आजीवन कारावास और 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा होगी. इसी तरह सामूहिक धर्म परिवर्तन पर भी आजीवन कक्कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना होगा।

यदि कोई धर्म परिवर्तन कराने के इरादे से, किसी व्यक्ति को उनके जीवन या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता है, हमला करता है या बल का प्रयोग करता है, शादी का वादा करता है, किसी नाबालिग, महिला या व्यक्ति को लालच देता है या उसकी तस्करी करता है, तो उन्हें 20 तक की सजा दी जाएगी। वर्षों की कैद. सज़ा एक साल से कम नहीं होगी और इसे आजीवन कारावास (मृत्यु तक) तक बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा पीड़िता के इलाज और पुनर्वास के लिए भी जुर्माना लगाया जाएगा। विधेयक में यह भी प्रस्ताव है कि धर्मांतरण के मामलों में कोई भी एफआईआर दर्ज करा सकता है। वर्तमान में अधिनियम की धारा 4 कहती है कि केवल वह व्यक्ति जिसका धर्म परिवर्तन हुआ है, उसके माता-पिता, भाई, बहन, या कोई अन्य व्यक्ति जो रक्त, विवाह या गोद लेने से उससे संबंधित है, प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकता है।

इसके अलावा, विधेयक का उद्देश्य गैरकानूनी धर्मांतरण उद्देश्यों के लिए विदेशी या अवैध संगठनों से धन प्राप्त करने का एक नया अपराध जोड़ना है। अपराधियों को 5 साल से 14 साल के बीच जेल की सजा का सामना करना पड़ेगा। यह प्रस्तावित किया गया है कि ऐसे मामलों की सुनवाई सत्र न्यायालय से नीचे की किसी भी अदालत द्वारा नहीं की जाएगी और इसके साथ ही सरकारी वकील को मौका दिए बिना जमानत याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा. साथ ही संशोधित अधिनियम के तहत सभी अपराधों को गैर-जमानती बना दिया गया है। यूपी सरकार ने इस बिल को सोमवार को विधानसभा में पेश किया था और मंगलवार को यह पास हो गया। अब इसे विधान परिषद में भेजा जाएगा। सदनों से मंजूरी के बाद इसे राज्यपाल और फिर राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। राज्य सरकार ने इससे पहले विधानसभा में धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक, 2021 पारित किया था (शेष पेज 9)

वैश्विक निवेशक भारत की तरफ देख रहे, अवसर को न गवाएं : मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत को विकास और स्थिरता का प्रतीक बताते हुए कहा, जब पूरा विश्व उच्च मुद्रास्फीति और कम विकास दर का सामना कर रहा है ऐसे में देश अगले पांच वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत 8 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा है और वह दिन दूर नहीं जब देश वर्तमान पांचवें स्थान से वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पीएम मोदी ने यह दावा किया, वैश्विक निवेशक भारत को निवेश गंतव्य (इनवेस्टमेंट डेस्टिनेशन) के रूप में देख रहे हैं, उन्होंने घरेलू उद्योग से 'विकसित भारत' की यात्रा का हिस्सा बनने के सुनहरे अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा 'विकसित भारत की ओर यात्रा' विषय पर बजट-के बाद आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, देश के विकास की कहानी की मुख्य प्रेरक शक्ति धन सृजनकर्ता होते हैं, ऐसे समय में भारत की नीतियां, प्रतिबद्धता, दृढ़ संकल्प, निर्णय और निवेश वैश्विक प्रगति का आधार बन रहा है। मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया भारत और आपकी (उद्योग) ओर देख रहा है। सरकार की नीतियां और प्रतिबद्धता और निवेश वैश्विक विकास की नींव बन रहे हैं। दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। विश्व के नेता भारत के प्रति सकारात्मकता से भरे हुए हैं। यह भारतीय उद्योग के लिए सुनहरा अवसर है और हमें इस अवसर को नहीं खोना चाहिए। वैश्विक निवेशकों के बीच भारत में बढ़ती रुचि की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को हाल ही में नीति आयोग की बैठक में राज्य के मुख्यमंत्रियों से निवेशक-अनुकूल चार्टर (संहिता) बनाने, निवेश नीतियों में स्पष्टता लाने और निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए किए आह्वान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उच्च विकास और कम मुद्रास्फीति के साथ भारत ऐसे विश्व में विकास और स्थिरता का प्रतीक है, जो उच्च मुद्रास्फीति और कम विकास तथा अन्य भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत 8 प्रतिशत की दर से विकास

नई दिल्ली में सीआईआई पोस्ट बजट सम्मेलन में विचार व्यक्त करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कर रहा है और वह दिन दूर नहीं जब देश वर्तमान पांचवें स्थान से वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की यह उपलब्धि उनके मौजूदा तीसरे कार्यकाल में हासिल की जाएगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नहीं है और वह सभी निर्णय 'राष्ट्र प्रथम दृष्टिकोण' को ध्यान में रखते हुए लेगी। उन्होंने कहा, राष्ट्र प्रथम की प्रतिबद्धता 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य, संतृप्ति दृष्टिकोण, शून्य प्रभाव-शून्य दोष पर जोर और आत्मनिर्भर भारत या विकसित भारत के संकल्प में परिलक्षित होती है।

मोदी ने कहा कि घरेलू उद्योग को सरकार के साथ मिलक 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने और इसे उभरते क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिए प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। उन्होंने बजट में घोषित विभिन्न उपायों को भी याद किया, खासकर एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जो करोड़ों रोजगार पैदा करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार उद्योग 4.0 मानकों को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास और रोजगार पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित कर रही है। भारत में 1.40 लाख स्टार्टअप हैं जो लाखों युवाओं को रोजगार दे रहे हैं और 8 करोड़ से अधिक लोगों ने मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया योजनाओं की मदद से नया व्यवसाय शुरू किया है। इस वर्ष के बजट में 2 लाख करोड़ रुपये के बहुप्रशंसित प्रधानमंत्री पैकेज का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे 4 करोड़ से अधिक युवाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, पीएम पैकेज समग्र और व्यापक है। (शेष पेज 9)

36 करोड़ से 200 पिलर होंगे मजबूत, नोएडा प्राधिकरण का बन रहा नया आफिस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्राधिकरण की सेक्टर-96 में बन रही नई इमारत के कमजोर मिले पिलर की मजबूती का काम सितंबर महीने से शुरू होगा। इस इमारत की रेट्रोफिटिंग के काम के लिए प्राधिकरण ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्राधिकरण करीब 36 करोड़ रुपये इस काम पर खर्च करेगा। नया दफ्तर अगले सात-आठ महीने में बनकर तैयार होने की उम्मीद है। नोएडा प्राधिकरण ने नई इमारत में रेट्रो फिटिंग के काम को करने वाली एजेंसियों के साथ बैठक की। बैठक में एजेंसियों ने काम से संबंधित सवाल प्राधिकरण के

● सितंबर से काम होगा शुरू, सात से आठ माह में बनकर होगा तैयार

अधिकारियों से पूछे। गौरतलब है कि नोएडा प्राधिकरण के नए दफ्तर की इमारत के 200 पिलर आईआईटी की जांच में कमजोर मिले थे। सैंपल रिपोर्ट के आधार पर पूरी इमारत के इन कॉलम को चिह्नित कर मजबूती बढ़ाने का एस्टिमेट नोएडा प्राधिकरण ने तैयार कराया है। एस्टीमेट का परीक्षण आईआईटी से कराने के बाद प्राधिकरण ने काम के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इमारत की मजबूती के लिए 36 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा।

अधिकारियों ने बताया कि इसकी भरपाई ब्लैक लिस्ट हो चुकी एजेंसी की सिक्योरिटी मनी से की जाएगी। इस परियोजना के लिए सिविल का 231 करोड़ 91 लाख बजट तय किया गया था। सभी तरह के काम लगाकर परियोजना की कुल लागत 303 करोड़ 92 लाख है। काम के हिसाब से पहले वाली कंपनी को सिविल के काम के लिए 116 करोड़ 5 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है। अब नए एग्रीमेंट के तहत नई एजेंसी इसका निर्माण कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्ट्रीट लाइटों को मीटर से कनेक्ट करने की तैयारी

नोएडा। प्राधिकरण क्षेत्र के गांवों में लगी एलईडी स्ट्रीट लाइटों को मीटर से कनेक्ट कर उसके हिसाब से बिल का भुगतान किए जाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए सर्वे का काम शुरू कर दिया गया है। प्राधिकरण और नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) की संयुक्त टीम गांव में जाकर सर्वे कर रही है। यह देखा जा रहा है कि कहां- कहां पर मीटर लगाने की जरूरत है। प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले लगभग 100 गांवों में स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम पूरा हो चुका है। अभी लोड के हिसाब से बिल का भुगतान किया जा रहा है। मीटर लगने पर उसी स्ट्रीट लाइट का भुगतान किया जाएगा, जो जलती होंगी। ऐसे में प्राधिकरण को आर्थिक लाभ होगा। दरअसल बिजली के भारी भरकम बिल से छुटकारा पानें और ऊर्जा की बचत के लिए प्राधिकरण द्वारा शहरी व क्षेत्र के गांवों में मिलाकर लगभग 75 हजार स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इसका ठेका सूर्या कंपनी के पास है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा अंतरराज्जीय वाहन चोर

गाजियाबाद । डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल के द्वारा बदमाशों की कमर तोड़ने के लिये चलाई जा रही मुहिम को एक और सफलता उस समय मिली कि जब लिंक रोड थानाध्यक्ष प्रीति सिंह की टीम ने महाराजपुर टी प्वॉइंट पर चेकिंग करते हुए मिली मुखबिर से सूचना के बाद कई राज्यों में ऑन डिमांड लग्जरी कार चुराने वाले वाहनचोरों के अंतर्राज्जीय गिरोह के एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। पकड़े गये बदमाश के पास से विभिन्न स्थानों से चुराई गई दो ब्रेजा कार व अन्य सामान बरामद हुआ। यह जानकारी देते हुए एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने बताया कि पुलिस ने जिस बदमाश को गिरफ्तार करके जेल भेजा है उसका नाम प्रदीप सिंह निवासी तुर्कियावास रेवाड़ी हरियाणा है। इसके ऊपर कई राज्यों में आधा दर्जन से अधिक चोरी के मामले दर्ज हैं।

जाट मिलन समारोह के कार्यालय का उद्घाटन

गाजियाबाद । जाट समाज द्वारा आगामी अक्टूबर माह में होने वाले 11 वें पारिवारिक मिलन समारोह के लिए हवन पूजन के साथ कार्यालय का उदघाटन किया गया। कार्यक्रम की पूर्ण देख रेख के लिए कुछ पदाधिकारियों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। जाट समाज कार्यालय पर हवन उदघाटन कार्यक्रम के दौरान पूर्व महापौर आशु वर्मा, नरेश सिरोही, अमरजीत सिंह बिड्डी, राजबीर सिंह, कवींद्र चौधरी, राजकुमार चौधरी, भुल्लन चौधरी, प्रदीप चौधरी, जगवीर सिंह, सतेन्द्र तेवतिया, धर्मेन्द्र चौधरी, विनीत चौधरी, डॉक्टर सरोज सिरोही, डॉक्टर कल्याण सिंह, सुनील मलिक, मनोज चौधरी, सुनील चौधरी, भूपेंद्र बॉबी चौधरी, रोकी चौधरी, आनंद चौधरी, रविन्द्र चौधरी, अरविन्द तेवतिया, अशोक चौधरी, विक्रांत चौधरी, सुभद्रा चाहर, महिपाल सिंह पंवार, देवेंद्र सिंह, रामकुमार सिंह, जय प्रकाश, संजीव चौधरी, अजब सिंह तेवतिया, सुरेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

किशोरी की फोटो खींचकर ब्लैकमेल करने का आरोप

नोएडा। थाना ईकोटेक-तीन में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके घर पर एक युवक आया। घर में उनकी बेटी अकेली थी। उसने उसके साथ छेड़छाड़ की और उसकी कुछ अश्लील फोटो खींच ली। उस फोटो के आधार पर अब वह उसे ब्लैकमेल कर रहा है। थाना ईकोटेक-तीन के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि डेरिन गांव में रहने वाले एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बेटी से प्रियांशु नामक युवक की बातचीत हो रही थी। एक दिन जब उसके घर पर कोई नहीं था तो प्रियांशु उसके घर आया, तथा उसने उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकत की। इसी बीच उसने कुछ अश्लील फोटो भी खींच ली। उस फोटो के आधार पर आरोपी उसकी बेटी को आए दिन धमकी देता है(

दो दिन दूधेश्वरनाथ मंदिर की तरफ नहीं जा सकेंगे दोपहिया और तिपहिया वाहन

● कई मार्गो को किया गया डायवर्ट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद-मेरठ मार्ग पर शिव भक्त कांवड़ ले जाते हुए।

31 जुलाई की आधी रात से लेकर 2 अगस्त की आधी रात तक दुपहिया व तिपहिया वाहनों से लेकर हल्के वाहन भी दूधेश्वरनाथ मंदिर की और नहीं जा पायेंगे। यह कहना है एडीसीपी ट्रैफिक पियूष कुमार सिंह का।

एडीसीपी ने बताया कि दूधेश्रनाथ मठ मंदिर में लाखों कांवड़ियों द्वारा लगभग तीन दिनों तक जलाभिषेक किया जाएगा। इस धार्मिकस्थल के लिंक मार्गो को रूट अन्य मार्गो पर डावर्ट कर दिया है। इस बीच चौधरी मोड़, रेलवे रोड, दिल्ली जूस कॉर्नर, गऊशाला फाटक, हापुड़ तिराहा, जस्सीपुरा मोड़, हापुड़ तिराहा, कैला भट्टा व मेरठ तिराहे की और से आने वाला ट्रैफिक पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। चौधरी मोड से लेकर पटेलनगर फ्लाईओवर के मध्य सभी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। लाल कुंआ से सीमापुरी के मध्य ऑटो संचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। पार्किंग व्यवस्था नवयुग मार्किट, सेठ मुकंदलाल कॉलेज, रामलीला मैदान व एचएसकेएम इंटर कॉलेज विजयनगर में की गई है। वहीं नोएडा कांवड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए जिला प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। डीएम ने 31 जुलाई और 1 अगस्त को जनपद के सभी उच्च शिक्षा संस्थान और विश्वविद्यालय को बंद करने का आदेश दिया है।

इसके अलावा 2 अगस्त को श्रावण मास की शिवरात्रि के चलते स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। दरअसल नोएडा के विभिन्न रास्तों को कावड़ियों के लिए डायवर्ट और बंद किया गया है। इस दौरान वर्चुअल क्लास चलेंगी। लगातार कांवड़ियों की संख्या भी बढ़ रही है।

कोचिंग सेंटर के बेसमेंट को किया सील

● अनएकेडमी को वॉर्निंग दी, फायर ब्रिगेड की संयुक्त टीम कर रही जांच

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हाल ही में दिल्ली में हुई बारिश के बाद कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया था। इससे तीन छात्रों की मौत हो गई थी। इसके बाद नोएडा प्रशासन हरकत में आ गया है।

प्रशासन प्राधिकरण और अग्निशमन की संयुक्त टीम ने नोएडा के कोचिंग सेंटर पर छापा मारा। यहां कई कोचिंग सेंटर की क्लास बेसमेंट में चल रही थी। यहां अभी तक 2 कोचिंग सेंटर के बेसमेंट को सील किया गया। वहीं एक कोचिंग सेंटर को वॉर्निंग दी गई है। इसके अलावा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है।

संयुक्त टीम में प्राधिकरण के वर्क सर्कल 4, एडीएम और चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप चौबे मौजूद है। जिन कोचिंग सेंटर के बेसमेंट को सील किया गया उनमें फीटजी, आकाश कोचिंग है। वहीं अनअकैडमी को वॉर्निंग दी गई है। डीआईओएस धर्मवीर सिंह ने बताया कि दिल्ली में दो दिन पहले हुए हादसे के बाद जॉइन टीम बनाकर नोएडा की कोचिंग सेंटर का कार्रवाई की जा रही है। यहां पर अभी तक दो कोचिंग सेंटर के बेसमेंट को सील किया गया है।

पहले कोचिंग सेंटर आकाश इंस्टीट्यूट है। जिसमें उन्होंने बताया कि बेसमेंट का प्रयोग कॉन्फ्रेंस हॉल के रूप में करते थे। लेकिन मौके पर छात्र पढ़ते हुए पाए गए। दूसरा सेंटर फिटजी है। जिसमें बेसमेंट का प्रावधान पार्किंग के रूप में है। जबकि यहां पर भी क्लासेस चलाई जा रहे थी ऐसे में दोनों को सील कर दिया गया है।

नोएडा के औद्योगिक सेक्टरों के पार्क होंगे दुरुस्त

नोएडा। औद्योगिक सेक्टरों में बने पार्कों की दशा जल्द सुधारी जाएगी और कर्मचारियों के खानपान के लिए क्योस्क भी बनाए जाएंगे। बरसात के बाद टूटी हुई सड़कों की भी मरम्मत की जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों को यह आश्वासन दिया है। एसीईओ ने सभी विभागों को उद्यमियों की शिकायतों को प्राथमिकता पर हल करने के निर्देश दिए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में उद्यमी और संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उद्यमियों ने औद्योगिक सेक्टरों के पार्कों की खराब स्थिति की शिकायत की। एसीईओ ने हॉर्टिकल्चर के प्रभारी ओएसडी एनके सिंह को सभी औद्योगिक सेक्टरों के पार्कों को मेंटेन कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उद्यमियों से इन पार्कों की देखभाल करने की जिम्मेदारी उठाने की भी अपील की, जिसे उद्यमियों ने स्वीकार किया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा-1 (पी-2), ग्रेटर नौएडा
Toll Free No. 18001808296, वेबसाइट : www.yamunaexpresswayauthority.com
YEIDA FUTURE IS HERE

पत्रांक-वाई.ई.ए./भूलेख/832/2024 दिनांक: 29.07.2024

सार्वजनिक सूचना

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं हेतु परियोजना विभाग की आवश्यकतानुसार **ग्राम धनौरी 7 प्रतिशत आबादी भू-खण्ड के अंतर्गत** आने वाले खसरे जिसके सापेक्ष 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर का वितरण किया जाना प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	सेक्टर	खसरा संख्या
धनौरी	7 प्रतिशत आबादी भू-खण्ड के अंतर्गत	359

1. भूमि के अतिरिक्त प्रतिकर वितरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर सी.आर. सेल/तहसीलदार, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफ़ोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

सिक्योरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेंशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (अधिनियम) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

अनु. क्र.	कर्जदाता (ओं) का नाम (ए)	गिरवी संपत्ति(यों) का विवरण (बी)	एन.पी.ए की तारीख (सी)	बकाया राशि (रू.) (डी)
1.	कर्ज खाता क्र. HHLDCP00419996 1. अमित कुमार 2. नीतू देवी	फ्लैट नंबर एफएफ-1, पहली मंजिल, (बाईं तरफ पश्चिमी भाग) प्लॉट नंबर डी-59, खसरा नंबर 210/2, गांव सादुल्लाबाद, एसएलएफ वेद विहार, लोनी, गाज़ियाबाद-201102, उत्तर प्रदेश	08.06.2024	रु. 7,14,350.77/- (रुपए सात लाख चौदह हजार तीन सौ पचास और सतहत्तर पैसे मात्र) 15.07.2024 के अनुसार
2.	कर्ज खाता क्र. HHLDCP00410919 1. ज्योति 2. सोनू मल्होत्रा	फ्लैट नंबर एफ-2, पहली मंजिल, (सामने बाईं तरफ दक्षिणी-पश्चिमी भाग) ब्लॉक-ए, प्लॉट नंबर 79, शालीमार गार्डन मेन, लोनी गाज़ियाबाद-201005, उत्तर प्रदेश	09.07.2024	रु. 16,32,387.70/- (रुपए सोलह लाख बत्तीस हजार तीन सौ सत्तासी और सत्तर पैसे मात्र) 15.07.2024 के अनुसार
3.	कर्ज खाता क्र. HHLVAS00534944 1. भीम सियां 2. कृतिका	फ्लैट नंबर जीएफ-2, तल मंजिल, एमआईजी, पीछे बाईं तरफ, छत के अधिकारों के बिना, प्लॉट नंबर बी-6/10, डीएलएफ अंकुर विहार, गांव सादुल्लाबाद, परगना लोनी, गाज़ियाबाद-201102, उत्तर प्रदेश	04.07.2024	रु. 16,98,966.96/- (रुपए सोलह लाख अट्ठानवे हजार नौ सौ छियासठ और छियानवे पैसे मात्र) 15.07.2024 के अनुसार
4.	कर्ज खाता क्र. HHLNOD00226426 1. योगेश कुमार 2. पूनम अग्रवाल	यूनिट नंबर 306, तीसरी मंजिल, ब्लॉक टी11बी (नया टावर टी8बी) सुशांत सेरेन रेजीडेंसी, सेक्टर-ईटीए-2, ग्रेटर नोएडा, नोएडा 201304, उत्तर प्रदेश	08.06.2024	रु. 13,91,930.38/- (रुपए तेरह लाख इक्यानवे हजार नौ सौ तीस और अड़तीस पैसे मात्र) 15.07.2024 के अनुसार
5.	कर्ज खाता क्र. HHLLAJ00443731 1. अमिताभ सिंह 2. सोनी सिंह	फ्लैट नंबर 1401, 14 मंजिल, टावर-18, निराला एस्टेट, प्लॉट नंबर जीएच-04, टेकजोन-4, गौतम बुद्ध नगर-201303, उत्तर प्रदेश	04.07.2024	रु. 40,34,788.73/- (रुपए चालीस लाख चौंतीस हजार सात सौ अट्ठासी और तिहत्तर पैसे मात्र) 15.07.2024 के अनुसार
6.	कर्ज खाता क्र. HHLNOD00503236 1. आसिफ सैफी 2. शमासिदा बेगम 3. निशार अहमद (गारंटर)	फ्लैट नंबर एफ-1, पहली मंजिल, बाईं तरफ, प्लॉट नंबर जी-31, ब्लॉक जी, गांव रज़ापुर महेंद्रा एन्क्लेव, खसरा नंबर 1047 एमआई, गाज़ियाबाद-201002, उत्तर प्रदेश	04.07.2024	रु. 14,07,615.44/- (रुपए चौदह लाख सात हजार छह सौ पंद्रह और चौवालीस पैसे मात्र) 11.07.2024 के अनुसार
7.	कर्ज खाता क्र. HHLVAS00483788 1. हर्ष वर्धन मिश्रा 2. दीप्ति पाराशर 3. राजवर्धन मिश्रा (गारंटर)	फ्लैट नंबर 26, तल मंजिल, छत के अधिकारों के बिना, नीलकंठ टॉवर, कौशाम्बी, गाज़ियाबाद-201012, उत्तर प्रदेश	04.07.2024	रु. 8,19,934.74/- (रुपए आठ लाख उन्नीस हजार नौ सौ चौंतीस और चौहत्तर पैसे मात्र) 15.07.2024 के अनुसार

कि ऊपर लिखे नाम वाला उधार लेने वाला(ले) ने ऋण खाते के वित्तीय अनुशासन को बनाए रख पाने में असफल रहे हैं तथा कंपनी द्वारा अपनी आम बिजनेस चर्या में रखे जाने वाले खातों के अनुसार प्रत्येक उधार पाने वाले (लों) के नाम के आगे स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट धनराशि बकाया बनी हुई है।

उधार लेने वाले(लों) की ओर से ऋण धनराशि का पुनर्भुगतान में लगातार चूक होने के कारण उधार लेने वाले(लों) के ऋण खाते को कंपनी द्वारा सीमांकित मापदंडो के भीतर निष्पादनेतर परिसंपत्तियों (स्तंभ सी में तारीख के अनुसार) के रूप में वगीकृत किया गया है। परिणामस्वरूप प्रत्येक उधार लेने वाले को अधिनियमन की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचनाएं भी जारी की गई है।

उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए कंपनी एतदद्वारा ऊपर लिखे नाम वाले उधार लेने वाले(लों) का आहवान करती है कि, वे इस सूचना के प्रकाशित होने के दिन से 60 दिन के भीतर अद्यतन ब्याज, लागतें, तथा शुल्कों सहित ऊपर स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट संपूर्ण बकाया देयताओं का भुगतान करके कंपनी के प्रति बनने वाले अपने / उनके पूर्ण दायित्वों का निर्वहन करें, ऐसा न करने पर कंपनी ऊपर के स्तंभ बी में उल्लिखित बंधक रखी गई संपत्ति को अधिग्रहीत करने के लिए कंपनी पात्र होगी।

कृपया ध्यान दें कि सरफेसी कानून की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के अनुसार, ''कर्जदार सार्वजनिक नीलामी द्वारा, कोटेशन आमंत्रित करते हुए, सार्वजनिक निविदा या निजी समझौते द्वारा सुरक्षित आस्तियों की बिक्री के लिए सूचना के प्रकाशन के दिनांक तक केवल सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा किए गए सभी खर्चों, लागतों और प्रभारों के साथ संपूर्ण बकाया देय राशि अदा कर सकता है, इसके अलावा यह भी ध्यान दें कि उपरोक्त विधिक रूप से निर्धारित समयावधि के अंदर सुरक्षित आस्ति का मोचन करने में कर्जदार विफल रहने पर कर्जदार संपत्ति का मोचन करने के लिए पात्र नहीं हो सकता''

सरफेसी अधिनियमन की उपधारा 13(2) के प्रावधान के संदर्भ में, आप इस प्रकार बिक्री, पट्टे के माध्यम से अन्यथा नोटिस में उल्लिखित अपनी सुरक्षित संपत्तियों में से कोई भी (अपने व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम के अलावा) सुरक्षित लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित हैं।

कृते सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
स्थान : गाज़ियाबाद/नोएडा/गौतम बुद्ध नगर प्राधिकृत अधिकारी

PUBLIC NOTICE

Be it known all general public that my client (1) SH. D.R, MOURYA S/O SH. NARAYAN DASS MOURYA AND (2) SMT. HEM LATA MOURYA W/O SH. D.R. MOURYA BOTH R/O B-190, KENDRIYA VIHAR, SECTOR-56 GURGAON HARYANA (EQUAL SHARE OWNER) is the absolute owner of property bearing No:- Plot No-16, area measuring 83 sq yds, out of khasra no. 198 Situated In The Revenue Estate of Village Nawada Mazra Hastsal, Delhi by virtue of **GENERAL POWER OF ATTORNEY** dated 28.02.2011, hereby issues this newspapers publication for the above said property that If any person having any dispute or claim interest on the said property, he/she shall intimated the undersign within 7 days failing which no claims shall be entertained Amrendra Kumar Dubey (Advocate) #9599801188

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Mrs. Mamta Sharma W/o Late Sh. Sanjeev Kumar R/o 16-A, Pocket-B, DDA Flat, New Jafrabad, Shahdara, North East Delhi-110032. My client Mrs. Mamta Sharma and her both sons Lakshay Parashar & Akshay Sharma have severed all relations with Kanishka Parashar due to her misconduct and have disowned/debarred her daughter Kanishka Parashar from all her movable & immovable properties. She shall have no right, title in her all properties, either during his lifetime or after her death. Any person dealing with her shall be doing at his/her own risk.

PRAVEEN RASTOGI
(Advocate)

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client Sh. Vijay Kumar Kalra S/o Narayan Dass Kalra R/o B- 1352 Maruti Kunj, Bhondsi (168), Gurugram, Haryana-122102 hereby declares that he has debarred his Son namely Divyam Kalra aged 23 years from his entire moveable and immovable properties including the residential house and terminates his all relations with him with immediate effect being having no control over him and henceforth, My client severed his all relationship with his said son and shall not be liable for his any act, deed done either of civil or criminal nature in past, present and future. It is further stated that he is absconding from home since 15th July, 2024.

Amisha Vohra (Advocate) Ch.No. 859, Lawyers C.h, Dwarka Courts, Sector 10 Dwaraka Delhi.

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **मनीषा तिवारी और इति तिवारी** को **31.12.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLNOI00184463** की राशि **रू. 36,90,631.01 (रूपये छत्तीस लाख नब्बे हजार छह सौ इकतीस और एक पैसा मात्र)** और **22.12.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **27.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.36,90,631.01 (रूपये छत्तीस लाख नब्बे हजार छह सौ इकतीस और एक पैसा मात्र) 22.12.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

यूनिट नं.0008 के सभी भाग और खंड सुपर एरिया 1405 स्क्वे. फीट, तल मंजिल पर, ब्लॉक निकोलस 3 में सुपरटेक जार की परियोजना में, प्लॉट नं.-जीएच-02 पर स्थित, सेक्टर-ओमनीकोर्न-1, एक्सप्रेसवे के पास, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर -201308, उत्तर प्रदेश।

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक : 27.07.2024 सम्मान कैपिटल लिमिटेड
स्थान : ग्रेटर नोएडा (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that **Mr. Mahesh Chandra** S/o Mr. Pancham Singh is the owners of Residential Vacant Plot of Land area measuring 60 Sq.Yards i.e. 50.16 Sq. Meters, out of Khata no. 770 of Khasra no. 690min., Situated in the village Kulesara (BDS Tower Vimla Vihar), Pargana Dadri, Tehsil & Distt. GautamBudh Nagar, U.P. from **Sale deed dated 04.01.2024** Executed by Executed by **M/s BDS Enterprises** in favour of **Mr. Mahesh Chandra** S/o Mr. Pancham Singh, duly registered as vide Doc. no. 179, Book no. 1, Vol. no. 37936, Page no. 309-346, Registered on 04.01.2021, SR-Greater Noida. **is taking the financial assistance from Utkarsh Small Finance Bank Ltd., 1.** That Photocopy of **Will dated 01.10.2012** Executed by **Mr. Surendra Kumar** in favour of **Mr. Sandeep Jakhad** S/o Mr. Surendra Kumar. **2.** Photocopy of **Death Certificate** in the name of **Late Mr. Surendra Kumar 3.** Photocopy/CTC of **Probate Order of Will dated 01.10.2012** Issued by **Concerned Court** in the name of **Mr. Sandeep Jakhad** S/o Mr. Surendra Kumar has been lost, mispalce/or not available. If any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below within a week, about his objections, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc. **Lucem Legal LLP B-93B, Second Floor, Opp. SBI Bank, Sector 2 Noida, UP-201301, Contact # 0120-4269379**

PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Mohini Sharma D/o Late Rattan Lal R/o Flat No.-461, Ground Floor, Pocket-D, LIG Flat, Dilshad Garden, Delhi-110095 have lost my DDA Electricity and Water NOC & Original Demand cum Allotment Letter and Possession Letter issued by DDA against LIG Flat No.-461, Ground Floor, Pocket-D, Dilshad Garden, Delhi - 110095 Garden, Delhi against DDA File No. LO21(149) 1991/DG/NP. An NCR (LR No. 1974309/2024 Dated 27.07.2024) to this effect has been lodged in Police Station. Any person(s) claiming any right, interest having any objection or found possession of original documents may write/contact with above named person at above address/phone no. 8700774821 within 15 days from the publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director(LAB) or Director (H)-I, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

सिक्योरिटाईजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनेंशियल एसेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 (अधिनियम) की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

अनु. क्र.	कर्जदाता (ओं) का नाम (ए)	गिरवी संपत्ति(यों) का विवरण (बी)	एन.पी.ए की तारीख (सी)	बकाया राशि (रू.) (डी)
1.	कर्ज खाता क्र. HHLMAT00239297 1. नीलम गुप्ता 2. मंजेश कुमार गुप्ता	फ्लैट नंबर 2/144/एसएफ, दूसरी मंजिल, श्री राधा सिटी में स्थित है, श्री राधा विंटेज कॉलोनी और गोवर्धन चौराहा के पास, एनएच-2, मथुरा-281001, उत्तर प्रदेश	04.07.2024	रु. 15,66,251.17/- (रुपए पंद्रह लाख छियासठ हजार दो सौ इक्यावन और सत्रह पैसे मात्र) 19.07.2024 के अनुसार

कि ऊपर लिखे नाम वाला उधार लेने वाला(ले) ने ऋण खाते के वित्तीय अनुशासन को बनाए रख पाने में असफल रहे हैं तथा कंपनी द्वारा अपनी आम बिजनेस चर्या में रखे जाने वाले खातों के अनुसार प्रत्येक उधार पाने वाले (लों) के नाम के आगे स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट धनराशि बकाया बनी हुई है।

उधार लेने वाले(लों) की ओर से ऋण धनराशि का पुनर्भुगतान में लगातार चूक होने के कारण उधार लेने वाले(लों) के ऋण खाते को कंपनी द्वारा सीमांकित मापदंडो के भीतर निष्पादनेतर परिसंपत्तियों (स्तंभ सी में तारीख के अनुसार) के रूप में वगीकृत किया गया है। परिणामस्वरूप प्रत्येक उधार लेने वाले को अधिनियमन की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचनाएं भी जारी की गई है।

उपर्युक्त को दृष्टिगत रखते हुए कंपनी एतदद्वारा ऊपर लिखे नाम वाले उधार लेने वाले(लों) का आहवान करती है कि, वे इस सूचना के प्रकाशित होने के दिन से 60 दिन के भीतर अद्यतन ब्याज, लागतें, तथा शुल्कों सहित ऊपर स्तंभ डी में विनिर्दिष्ट संपूर्ण बकाया देयताओं का भुगतान करके कंपनी के प्रति बनने वाले अपने / उनके पूर्ण दायित्वों का निर्वहन करें, ऐसा न करने पर कंपनी ऊपर के स्तंभ बी में उल्लिखित बंधक रखी गई संपत्ति को अधिग्रहीत करने के लिए कंपनी पात्र होगी।

कृपया ध्यान दें कि सरफेसी कानून की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के अनुसार, ''कर्जदार सार्वजनिक नीलामी द्वारा, कोटेशन आमंत्रित करते हुए, सार्वजनिक निविदा या निजी समझौते द्वारा सुरक्षित आस्तियों की बिक्री के लिए सूचना के प्रकाशन के दिनांक तक केवल सिक्योर्ड क्रेडिटर द्वारा किए गए सभी खर्चों, लागतों और प्रभारों के साथ संपूर्ण बकाया देय राशि अदा कर सकता है, इसके अलावा यह भी ध्यान दें कि उपरोक्त विधिक रूप से निर्धारित समयावधि के अंदर सुरक्षित आस्ति का मोचन करने में कर्जदार विफल रहने पर कर्जदार संपत्ति का मोचन करने के लिए पात्र नहीं हो सकता''

सरफेसी अधिनियमन की उपधारा 13(2) के प्रावधान के संदर्भ में, आप इस प्रकार बिक्री, पट्टे के माध्यम से अन्यथा नोटिस में उल्लिखित अपनी सुरक्षित संपत्तियों में से कोई भी (अपने व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम के अलावा) सुरक्षित लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित हैं।

कृते सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
स्थान : मथुरा प्राधिकृत अधिकारी

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (अब सम्मान कैपिटल लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **मालती रावत (सह-उधारकर्ता, स्व.धर्मेंद्र रावत की पत्नी एवं कानूनी वारिस), सदायी देवी W/O श्याम सिंह रावत (स्व.धर्मेंद्र रावत की माँ एवं कानूनी वारिस) और मीनू (स्व.धर्मेंद्र रावत की बेटी एवं कानूनी वारिस)** को **20.10.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLNOD00440922** की राशि **रू.19,70,013.86/- (रुपए उन्नीस लाख सत्तर हजार तेरह और छियासी पैसे मात्र)** और **20.10.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरिटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **26.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्तद्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा **राशि रू.19,70,013.86/- (रुपए उन्नीस लाख सत्तर हजार तेरह और छियासी पैसे मात्र) 20.10.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड (अब सम्मान कैपिटल लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

तल मंजिल पर फ्लैट (रूफ राइट्स के बिना) जिसका कवर्ड एरिया 55 स्के.मी., प्लॉट नं.डी-723 पर निर्मित, ब्लॉक -डी में, इंद्रप्रस्थ आवासीय कॉलोनी में स्थित आवासीय कॉलोनी, तहसील और जिला गाज़ियाबाद -201102, उत्तर प्रदेश, प्लॉट नं.डी-723 पर उक्त जमीन के समानुपातिक, अविभाज्य अधिकारों के साथ ।

दिनांक :26.07.2024 सही/-
स्थान :गाज़ियाबाद प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनांस लिमिटेड से जाना जाता था)

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऐक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम 3 के साथ धारा 13(12) के साथ सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, 2002 के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **योगेश पंत और रेखा पंत** को **28.11.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार **कर्ज खाता नं. HHLNOI00150295** की राशि **रू.19,78,356.58 (रूपये उन्नीस लाख अठहत्तर हजार तीन सौ छप्पन और अट्ठावन पैसे मात्र)** और **04.11.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट 60 दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतद्द्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा 13 की उप-धारा 4 के साथ उक्त कानून के नियम 8 के तहत सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेंट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **26.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतद्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.19,78,356.58 (रूपये उन्नीस लाख अठहत्तर हजार तीन सौ छप्पन और अट्ठावन पैसे मात्र) 04.11.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओ का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं. 2006, जिसका सुपर एरिया 1090 स्क्वे. फीट, बीसवीं मंजिल, ब्लॉक – सी 1, इको-विलेज-3 से पहचाने जानेवाले परियोजना में, प्लॉट नं. जीएच-06 पर निर्मित, सेक्टर-16बी में स्थित, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश – 201303।

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
दिनांक : 26.07.2024 सम्मान कैपिटल लिमिटेड
स्थान : ग्रेटर नोएडा (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेडके नाम से जाना जाता था)

ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे के बाद एमसीडी का एक्शन

निगम ने कोचिंग सेंटरों के 9 बेसमेंट किए सील

कई कोचिंग सेंटर्स एमसीडी की बिल्डिंग बॉयलॉज की धज्जियां उड़ा रहे हैं, सब पर की जाएगी कार्रवाई : शैली

रविवार से शुरू हुई कार्रवाई में अब तक 28 केंद्रों पर लग चुका है ताला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राउज आईएएस स्टडी सर्किल में शनिवार देर शाम को हुए हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इसको लेकर शासन और प्रशासन को तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम ने बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। निगम ने करोल बाग जोन के ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटरों के 7 बेसमेंट और शाहदरा साउथ जोन के राजधानी एन्क्लेव व प्रीत विहार क्षेत्र में कोचिंग सेंटरो के 2 बेसमेंट सील कर दिए। महापौर शैली ओबेरॉय मंगलवार को खुद जमीन पर उतरीं और प्रीत विहार का दौरा कर नियमों को ताक पर रखकर बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोचिंग सेंटर से बेसमेंट में कक्षाएं चलाने की अनुमति के दस्तावेज मांगे तो वे दिखाने में विफल रहे। इसके बाद उनके निर्देश पर एमसीडी के अधिकारियों ने संस्कृति अकादमी को सील कर दिया।

दिल्ली नगर निगम ने रविवार से चल रही कार्रवाई के तहत अब तक अवैध रूप से संचालित हो रहे 28 कोचिंग सेंटर को सील किया जा चुका है। शैली ओबेरॉय ने कहा कि पूरी दिल्ली में कई कोचिंग सेंटरों ने एमसीडी की बिल्डिंग बॉयलॉज की धज्जियां उड़ा कर रख दी है। एमसीडी इन सब के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने जा रही है। शैली ओबेरॉय ने कहा कि राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में अवैध रूप से संचालित हो रही लाइब्रेरी में अचानक पानी भरने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गई थी। ऐसे बहुत सारे कोचिंग सेंटर हैं, जो अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। अब अवैध रूप से संचालित हो रहे सभी कोचिंग सेंटरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने जा रहे हैं। नियमों और बिल्डिंग बॉयलॉज का उल्लंघन कर संचालित हो रहे किसी भी कोचिंग सेंटर को बक्शा नहीं जाएगा। अगर किसी अधिकारी की इसमें मिलीभगत पाई जाएगी तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। ओबेरॉय ने कहा कि उन्होंने प्रीत विहार में संस्कृति अकादमी का निरीक्षण किया। यहां बेसमेंट में कोचिंग सेंटर चल रही थी। कोचिंग संस्थान ने एमसीडी के नियमों का उल्लंघन किया है। बेसमेंट में कोई कोचिंग सेंटर चलता है तो दो तरफ से प्रवेश और निकास होता है। लेकिन दिल्ली में बहुत सारे कोचिंग सेंटर ऐसे हैं, जो एक भी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। नियमों का पालन नहीं करने वाले कोचिंग सेंटरों के खिलाफ एमसीडी एक्शन मोड में आ चुकी है। एमसीडी उन सभी कोचिंग सेंटरों को सील करने जा रही है। जिस प्रकार से राजेंद्र नगर में बच्चों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हुई है, हमें उसका दुख और अफसोस है। आने वाले समय में कई अवैध कोचिंग सेंटरों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई होगी।

लक्ष्मी नगर में अवैध रूप से बने बेसमेंट को सील कराती मेयर शैली।

गौतम नगर की तंग गलियों में चल रहे कोचिंग सेंटर

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान से भी कुछ दूरी पर गौतम नगर में भी कई लाइब्रेरी और कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। अगर तंग गलियों में कोई हादसा हो जाए तो फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का पहुंचना मुश्किल है। यहां बड़ी संख्या में प्रतिभागी व रेजिडेंट डॉक्टर रहते हैं जो नीट यूजी, पीजी की तैयारी करते हैं। इन लोगों के लिए यहां बेसमेंट में लाइब्रेरी हैं जो ओल्ड राजेंद्र नगर में हुई घटना के बाद से बंद हैं। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य डॉ. मनीष जांगड़ा ने बताया कि गौतम नगर में बड़ी संख्या में मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्र रहते हैं जो नीट यूजी और पीजी की परीक्षा की तैयारी करते हैं। डॉ. जांगड़ा ने दावा किया कि यहां पर कई कोचिंग सेंटर और लाइब्रेरी बेसमेंट में चल रहे हैं। यहां रहकर उन्होंने खुद भी मेडिकल की तैयारी की है लेकिन कई साल बीत जाने के बाद भी यहां के हालात में कोई बदलाव हुआ है। अभी हालात जस के तस हैं। बेसमेंट में चल रहे कोचिंग सेंटर में आने-जाने के लिए एक ही रास्ता है।

ओल्ड राजेंद्र नगर में मौत की घटना से आक्रोशित छात्रों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। फोटो: रंजन डिमरी

आईएएस अभ्यर्थियों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ओल्ड राजेंद्र नगर में तीन छात्रों की मौत की घटना से आक्रोशित सिविल सेवा अभ्यर्थियों और स्थानीय लोगों ने ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राउज कोचिंग सेंटर के बाहर मंगलवार को तीसरे दिन भी अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। वह दिल्ली नगर निगम और राउज के आईएएस स्टडी सर्किल के प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी आयुष ने कहा, नियमों का पालन नहीं करके, हमारे जैसे कई छात्रों की जान जोखिम में डालने वाले कोचिंग सेंटरों के खिलाफ हम अपना विरोध जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ पुलिस अधिकारी छात्रों को घर जाने और परीक्षाओं की तैयारी करने की सलाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी मांगें पूरी नहीं होने पर हम कैंडल मार्च निकालने और भूख हड़ताल शुरू करने की योजना बना रहे हैं। एक अन्य छात्र सत्यम सिंह ने कहा, हमारी मांग है कि राऊके आईएएस स्टडी सर्किल की ओर से नैतिक आधार पर पीड़ित परिवार के सदस्यों को तत्काल मुआवजा दिया जाए और सुरक्षा में चूक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में अब तक कोचिंग संस्थान के मालिक और समन्वयक सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

बेसमेंट में नहीं था कोई बायोमेट्रिक लॉक सिस्टम

नई दिल्ली। राउज आईएएस स्टडी सर्किल के विद्यार्थियों ने मंगलवार को बताया कि कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में किसी तरह का कोई बायोमेट्रिक लॉक सिस्टम नहीं था। राउज आईएएस स्टडी सर्किल में हापुड़ के 22 वर्षीय छात्र ने बताया कि इमारत के बेसमेंट में कोई बायोमिट्रिक सिस्टम नहीं लगा था। बेसमेंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से परीक्षा अभ्यास करने और अध्ययन सामग्री रखने के लिए किया जाता था। छात्र ने बताया कि बेसमेंट में दो दरवाजे थे और शाम छह बजे के आसपास एक दरवाजा बंद कर दिया जाता था। राउज आईएएस स्टडी सर्किल के एक अन्य छात्र ने भी बताया कि कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में कोई बायोमेट्रिक या ऑटोमैटिक डोर लॉकिंग सिस्टम नहीं था। छात्र ने बताया कि इलाके में हर वर्ष जलभराव की समस्या होती है।

जांच समिति गठित करने के मामले में सुनवाई आज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों की मौत के मामले की जांच के लिए उच्च-स्तरीय समिति बनाने के अनुरोध वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने पर सहमत हो गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष मंगलवार को तत्काल सुनवाई के लिए इस याचिका का उल्लेख किया गया था। पीठ ने कहा कि यदि (आपत्तियां दूर करने के बाद) याचिका दोपहर तक सुनवाई के लिए आती है, तो मामले को बुधवार को सूचीबद्ध किया जाए। याचिकाकर्ता वकील ने कहा कि उन्होंने सोमवार को याचिका दायर की और अदालत से मंगलवार को इस पर सुनवाई करने का आग्रह किया था। हालांकि, अदालत ने कहा कि यदि कोई आपत्ति है, तो वह उसे दूर करें और याचिका को बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

एनएचआरसी ने दो सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। *राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने कोचिंग हादसे मामले में दिल्ली सरकार, पुलिस आयुक्त और नगर निगम आयुक्त को नोटिस भेजे हैं। एक बयान में कहा गया है कि एनएचआरसी ने उनसे दो सप्ताह के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, दिल्ली के मुख्य सचिव से पूरे शहर में निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन करके संचालित हो रहे ऐसे संस्थानों और कोचिंग सेंटर की सटीक संख्या का पता लगाने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण कराने के लिए भी कहा गया है। इसमें कहा गया है कि रिपोर्ट में ऐसे संस्थानों के हर विवरण का उल्लेख होना चाहिए, जिसमें उनके खिलाफ लंबित शिकायतें और संबंधित विभाग द्वारा की गई कार्रवाई भी शामिल है। एनएचआरसी ने कहा कि उसने मीडिया में आई उन खबरों पर इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया है।*

केजरीवाल को रिहा किया जाए: इंडिया गठबंधन

● जंतर मंतर पर विरोध-प्रदर्शन, भाजपा पर विपक्ष की आवाज दबाने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बिगड़ती सेहत के बीच उनकी रिहाई की मांग को लेकर मंगलवार को इंडिया गठबंधन के नेता जंतर-मंतर पर एकत्र हुए और विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

विपक्षी दलों के नेताओं ने यहां ओल्ड राजेंद्र नगर में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत के लिए भी केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने इंडिया गठबंधन की रैली में कहा कि भाजपा की राजनीति नफरत फैलाने और दिल्ली के लोगों का काम रोकने की है तथा केजरीवाल लोगों के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, भगवान का शुक्र है कि मेरे पति के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई। उनकी जान खतरे में है।

भाकपा (माले) के नेता दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि आप के तीन वरिष्ठ नेता को साजिश के तहत जेल में डाल दिया गया। रैली के दौरान आरोप लगाया, दिल्ली में अराजकता के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार है। भाजपा ने तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की जान ले ली। भट्टाचार्य ने दावा किया, उन्होंने साजिश के तहत आम आदमी पार्टी को खत्म करने, दिल्ली सरकार को कमजोर करने की कोशिश की। निर्वाचित मुख्यमंत्री जेल में हैं। भीमा कोरेगांव फर्जी मामले में फादर स्टेन स्वामी जेल में थे और हिरासत में रहते हुए उनकी मौत भी हो गई। ये नेताओं, कार्यकर्ताओं के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश है। आप की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय ने कहा कि हिरासत में केजरीवाल का रक्त शर्करा का स्तर कम हो रहा है। राय ने कहा, केजरीवाल को निचली अदालत और उच्चतम न्यायलय से जमानत मिल गई थी, लेकिन उन्हें जेल में रखने की साजिश रची गई। भाजपा विपक्षी नेताओं को जेल में क्यों डालना चाहती है।

यूपीएससी के तीन अभ्यर्थियों की मौत के लिए कौन जिम्मेदार है। आप नेता ने कहा, जब उपराज्यपाल से घटना के बारे में पूछा गया, तो वह चुप हो गए। केजरीवाल के इस्तीफे की मांग करने वाली भाजपा ने दिल्ली सरकार की शक्तियां छीन लीं। वे अधिकार चाहते हैं, लेकिन जब उनसे जवाबदेही मांगी जाती है, तो वे भाग जाते हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) की रैली में मौजूद हैं।

जंतर-मंतर पर इकट्ठा हुए इंडिया गठबंधन के नेता।

एसयूवी चालक की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। अदालत ने कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने की घटना में तीन विद्यार्थियों की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार एसयूवी कार चालक की जमानत याचिका पर मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। शनिवार को कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत हो गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद कुमार ने मनुज कथूरिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा।

कथूरिया शनिवार को अपनी स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से उस सड़क पर गुजरे, जहां बारिश का पानी भरा था। वाहन गुजरने बाद पानी के दबाव से तीन मंजिला इमारत के गेट टूट गए और बेसमेंट में पानी भर गया। कथूरिया के वकील ने उनकी जमानत का अनुरोध करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि क्या होने वाला है या वह इस घटना को अंजाम देने का इरादा नहीं रखते थे।

कोर्ट ने विभव कुमार के खिलाफ दायर आरोपपत्र का लिया संज्ञान

● मालीवाल मारपीट मामले में आरोपी है केजरीवाल के सहयोगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) की सांसद स्वाति मालीवाल से कथित तौर पर मारपीट किए जाने के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार के खिलाफ दायर 500 पन्नों के आरोपपत्र पर संज्ञान लिया।

मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल ने अंतिम रिपोर्ट पर संज्ञान लिया और मामले को 24 अगस्त को दस्तावेजों की पड़ताल के लिए सूचीबद्ध किया। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि आरोपपत्र की एक प्रति कुमार को भी दी जाए, जिन पर 13 मई को यहां सीएम के आधिकारिक आवास पर आप की सांसद मालीवाल से मारपीट करने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने 16 जुलाई को आरोपपत्र दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष ने अवगत कराया था कि 500 पन्नों के आरोपपत्र में करीब 50 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। इसमें अंतिम रिपोर्ट भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दायर की गई है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि एक माह में मानसून की बारिश के दौरान चार आईएएस अभ्यर्थियों की मौत समेत 15 हादसों के मामले में केंद्र और दिल्ली सरकार जांच के नाम पर कोरी राजनीति कर रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जेई को टर्मिनेट, एई को सस्पेंड और नोडल आफिसर का कारण बताओ नोटिस देकर आम आदमी पार्टी लोगों की आंखों में धूल झोंक रही है। जबकि हादसे के लिए क्षेत्रीय सांसद, क्षेत्रीय विधायक और क्षेत्रीय निगम पूरी तरह जिम्मेदार है। देवेंद्र यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए।

तीन छात्रों की मौत के विरोध में भाजपा का मौन धरना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ओल्ड राजेंद्र नगर में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन छात्रों की मौत के बाद से राजधानी दिल्ली में सियासत गरमाई हुई है। इस मुद्दे को लेकर प्रदेश भाजपा को सांसद, विधायक और पार्षद व प्रदेश के पदाधिकारियों ने मंगलवार को राजघाट स्थित गांधी समाधि स्थल पर मौन प्रदर्शन किया। भाजपा नेता मुंह पर सफेद पट्टी लगाकर धरने पर बैठे और बाद में तीन छात्रों की मौत पर 2 मिनट का मौन रखा। साथ ही एक वीडियो के माध्यम से आम आदमी पार्टी की मेयर डा. शैली ओबरॉय और मंत्री सौरभ भारद्वाज के बयान भी दिखाया गया जिसमें दोनों सीवर सफाई को लेकर दोनों अलग अलग बयान देते हुए दिख रहे है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सोमवार को आम आदमी पार्टी के नेताओं ने जिस प्रकार से बातें कही गई वह सब को समझने की जरूरत है। सचदेवा ने कहा कि 26 जुलाई तक आम आदमी पार्टी के सभी नेता यही कह रहे थे कि 90 फीसदी नालों की सफाई हो चुकी है लेकिन भाजपा पहले दिन से कह रही थी कि नालों की सफाई शुरू ही नहीं हुई। राजेंद्र नगर के हादसे के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं ने यूटर्न ले लिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के मंत्रियों का काम करने का मन नहीं करता और इसका उदाहरण हैं सौरभ भारद्वाज का मनमाने ढंग से फाइल को रोकना।

ड्रेनेज मैनेजमेंट के लिए, मास्टर ड्रेनेज प्लान के लिए और पूरी डिसिल्टिंग के लिए मंत्री सौरभ भारद्वाज को 21 अगस्त 2023 को मुख्य सचिव ने एक प्रस्ताव बनाकर इस ओर ध्यान केन्द्रीत कराने की कोशिश की इन विषयों पर काम करने की जरुरत है।

मौन प्रदर्शन में वीरेंद्र सचदेवा, बांसुरी स्वराज, प्रवीण व विधायक और पार्षद।

● प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद बांसुरी स्वराज, प्रवीण खंडेलवाल, विधायक और पार्षदों ने किया प्रदर्शन

संसद परिसर में 'आप' सांसदों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। संसद परिसर में मंगलवार को आम आदमी पार्टी के सांसदों ने राजधानी के ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग हादसे मामले में एलजी की बर्खास्तगी और देश भर में कोचिंग संस्थानों को रेगुलेट करने के लिए बिल लाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

राज्य सभा सदस्य संजय सिंह, डॉ. संदीप पाठक, एनडी गुप्ता समेत अन्य सांसदों ने नारेबाजी करते हुए कोचिंग में हुए दुखद हादसे के जिम्मेदार एलजी और भाजपा की केंद्र के खिलाफ नारेबाजी की। सिंह का कहना है कि दिल्ली सरकार के मंत्रियों के बार-बार निर्देश देने के बावजूद एलजी के अधीन अधिकारियों ने नालों की डीसिल्टिंग नहीं कराई।

राजधानी की सड़कों पर उतरी 320 नई ई-बसें

● उपराज्यपाल और परिवहन मंत्री झंडी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंगलवार को 320 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इसके साथ ही, राष्ट्रीय राजधानी में ऐसी बसों की कुल संख्या बढ़कर ।,970 हो गई है।

सक्सेना ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के परिवहन बेड़े में इन बसों के शामिल होने से प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की लड़ाई को मजबूती मिलेगी। उपराज्यपाल ने बांसेरा में एक कार्यक्रम में कहा, हमने 320 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई है। इससे दिल्ली के लोगों को राहत मिलेगी। आने वाले समय में इस तरह की और बसें परिचालित करने की योजना है। मुझे लगता है कि अगर दिल्ली में प्रदूषण को कम करना है तो सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने की जरूरत है और यह इसी दिशा में एक कदम है। उपराज्यपाल ने कहा, हमारा प्रयास होगा कि केंद्र और दिल्ली सरकार इसे आगे बढ़ाए। दोनों सरकारें इसपर साथ मिलकर काम कर रही हैं। कार्यक्रम में मौजूद दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी देश में अब ऐसा पहला और दुनिया में तीसरा शहर बन चुकी है, जहां इलेक्ट्रिक बसों की संख्या सबसे ज्यादा है।

गहलोत ने बाद में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में कुल 7,683 बसें हैं, जिनमें ।,970 इलेक्ट्रिक बसें और बाकी सीएनजी बसें शामिल हैं। उन्होंने कहा, डीटीसी के बेड़े में बसों की यह सबसे बड़ी संख्या है। यहां तक कि राष्ट्रमंडल खेलों के समय भी बेड़े में करीब 5,500 बसें थीं। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मंत्री ने कहा कि नई बसों का रखरखाव सुखदेव विहार, कालकाजी और नारायणा बस डिपो में किया जाएगा।

नई ई-बसों के उद्घाटन के मौके पर एलजी वीके सक्सेना व मंत्री कैलाश गहलोत।

सीलमपुर कपड़ा बाजार में लगी आग, हताहत नहीं

नई दिल्ली। सीलमपुर कपड़ा मार्केट की दुकान में अचानक आग लग गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशकक्त के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में ग्राउंड फ्लोर और फस्ट फ्लोर पर मौजूद दो दुकानें जलकर खाक हो गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया है।

दमकल अधिकारी देवेंद्र ने बताया कि मंगलवार दोपहर 1 बजकर 12 मिनट पर सीलमपुर कपड़ा मार्केट में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आठ फायर टेंडर को मौके पर भेजा गया। जिसने तकरीबन एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग बेसमेंट और फर्स्ट फ्लोर पर बनी दो दुकानों में लगी थी। आग पर काबू पा लिया गया है।

दूषित भोजन-पानी से बढ़ा रहा हेपेटाइटिस : एम्स

● डॉ. शालीमार ने कहा, अधिकतर रोगी बच्चे और 18 से 25 साल आयु वर्ग के लोग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ सप्ताह से तेजी से बढ़ रहे हेपेटाइटिस-ए के मामलों के बीच दिल्ली स्थित एम्स के चिकित्सकों ने लोगों को दूषित भोजन और पानी के सेवन से बचने के लिए कहा है।

एम्स के उदररोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. शालीमार ने बताया कि अस्पताल में हेपेटाइटिस ए के मामलों की संख्या में वृद्धि हो रही रही है, अधिकतर रोगी बच्चे और 18 से 25 आयु वर्ग के लोग हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद गर्ग ने बताया कि हेपेटाइटिस ए और ई मुख्य रूप से मल और दूषित पेयजल के माध्यम से फैलते हैं। यह स्व-सीमित संक्रमण हैं और इनके उपचार के लिए किसी वायरल रोधी दवा की आवश्यकता नहीं होती है। इनका लक्षणात्मक रूप से प्रबंधन किया जाता है।

विभाग की ओर से किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि हेपेटाइटिस ए और ई दोनों मिलकर तेजी से यकृत खराब होने के 30 प्रतिशत मामलों का कारण बनते हैं और ऐसी स्थिति में मृत्यु दर 50 प्रतिशत से अधिक होती है। विश्व हेपेटाइटिस दिवस इस साल 28 जुलाई को मनाया गया था, जिसका विषय यह कार्रवाई का समय है था। वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित मौत को कम करने तथा 2030 तक वायरल हेपेटाइटिस के वैश्विक उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार वैश्विक स्तर पर भारत समेत 10 देशों में वायरल हेपेटाइटिस बी और सी के 66 प्रतिशत मामले हैं। गर्ग ने कहा, भारत वायरल हेपेटाइटिस के सबसे अधिक मामलों वाले देशों में पहले स्थान पर है और विश्व के वायरल हेपेटाइटिस के लगभग 12 प्रतिशत मामले यहीं हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का लक्ष्य 2030 तक नए क्रोनिक हेपेटाइटिस संक्रमणों में 90 प्रतिशत की कमी और वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित मौतों में 65 प्रतिशत की कमी लाना है।

आप विधायक की कंपनी पर केस

फर्जी दस्तावेज तैयार कर ठगी करने का रियल एस्टेट कंपनी एमजीएफ ने लगाया आरोप

● अदालत के आदेश पर डीएलएफ फेज-2 थाना में एफआईआर दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक कुलवंत सिंह व उनकी कंपनी।

यहां डीएलएफ फेज-2 थाना में पंजाब के एसएएस नगर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक कुलवंत सिंह व उनकी रियल एस्टेट कंपनी पर एफआईआर दर्ज हुई है। आरोप है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करके उन्होंने ठगी की। यह एफआईआर नामी रियल एस्टेट कंपनी एमजीएफ की तरफ से कराई गई है।

एमजीएफ की ओर से डीएलएफ फेज-2 पुलिस थाना में शिकायत देकर कहा गया कि कुलवंत सिंह व उनकी रियल एस्टेट कंपनी जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. ने खुद की और उनकी (एमजीएफ की) जमीन पर प्रोजेक्ट बनाया। उनके बीच जो करार हुआ था, उनके तहत जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. द्वारा प्रोजेक्ट सेल करके एमजीएफ को करीब 180 करोड़ देने थे। एमजीएफ का आरोप है कि कुलवंत सिंह व उनकी कंपनी जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. ने उन्हें मात्र 24 करोड़ 10 लाख रुपये ही दिए। यह रुपये भी दिसम्बर 2020 तक दिए थे। बाकी के 156 करोड़ रुपये देने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। जनवरी 2021 से कोई पैसा जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. ने एमजीएफ को नहीं दिया है।

एमजीएफ ने यह भी कहा है कि जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. कंपनी के साथ 31 अक्टूबर 2018 को एक समझौते के तहत नया एग्रीमेंट साइन हुआ था। जिसमें पंजाब के मोहाली स्थित सेक्टर-94 में 117.098 एकड़ जमीन में से एमजीएफ की 58.77 एकड़ जमीन व जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. की 59.138 एकड़ जमीन थी। इस जमीन को डेवेलप करने के लिए जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. को जिम्मेदारी दी गई थी। इसके डेवेलप होने के बाद एमजीएफ के पास 82009 वर्ग गज रिहायशी व 7023 वर्ग गर्ज व्यवसायिक क्षेत्र आना था। इस डेवेलप एरिया को सेल करने के लिए जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. को ही अधिकार दिए गए थे। इस समझौते में दिसम्बर 2018 से दोनों कंपनियों ने अलग-अलग इन्स्टॉलमेंट तय की थी। जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. की ओर से एमजीएफ को 180 करोड़ 41 लाख 98 हजार रुपये देने का समझौता हुआ।

अदालत में दायर की गई याचिका में कहा गया है कि 2013 में एक एग्रीमेंट जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. के साथ हुआ था। उसमें कुल जमीन 60.89 एकड़ में से एग्रीमेंट में एमजीएफ की 51.98 एकड़ दर्ज की गई। इस तरह से दस्तावेजों में ही फर्जीवाड़ा किया गया। इस तरह से जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. ने एमजीएफ के साथ धोखा किया। करीब 9 एकड़ जमीन फर्जीवाड़े से हड़प ली गई। इससे एमजीएफ को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। अदालत की ओर से इस मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक कुलवंत सिंह व उनकी कंपनी जनता लैंड प्रमोटर्स प्रा. लि. पर एफआईआर के आदेश दिए गए हैं।

नगर निगम ने अब तक 49 बीडब्ल्यूजी पर लगाया 25-25 हजार का जुर्माना

गुरुग्राम। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त डा. नरेश कुमार ने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत निगम सीमा में स्थित सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों (बीडब्ल्यूजी) को कचरा प्रबंधन करना जरूरी है। बीडब्ल्यूजी को कचरा प्रबंधन संबंधी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए निगम द्वारा एजेंसियों को एंपैनल किया हुआ है। यह बात मंगलवार को संयुक्त आयुक्त ने निगम कार्यालय में सिटीजन सुपरवाईजरी कमेटी सदस्यों तथा एंपैनल एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में कही। उन्होंने कहा कि निगम के चारों जोन में अब तक 315 बीडब्ल्यूजी को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा, नियमों की पालना नहीं पाए जाने पर 49 बीडब्ल्यूजी पर 25-25 हजार का जुर्माना भी लगाया है। उन्होंने एजेंसी प्रतिनिधियों से कहा कि वे बल्क वेस्ट जनरेटरों के यहां कचरा प्रबंधन नियमों की पालना करवाने की दिशा में और अधिक गंभीरता व तेजी से कार्य करें। इसके साथ ही बल्क वेस्ट जनरेटरों को नगर निगम द्वारा संचालित ऑनलाईन पोर्टल पर पंजीकृत भी करवाएं।

राज्यपाल ने किया पौधे लगाने का आह्वान

● जेसी बोस विवि के 'हरियाली पर्व' में शामिल हुए बंडारू दत्तात्रेय ने लगाया नीम का पौधा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, परिसर में नीम का पौधा लगाते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए द्वारा मनाए जा रहे हरियाली पर्व में हिस्सा लिया और विश्वविद्यालय परिसर में नीम का पौधा लगाया।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय द्वारा जुलाई और अगस्त के महीने को 'हरियाली पर्व' के रूप में मनाया जा रहा है। इस उत्सव में हिस्सा लेने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिष्ठित एवं गणमान्य व्यक्तियों को पौधरोपण अभियान में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विश्वविद्यालय की इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर बोलते हुए दत्तात्रेय ने विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों से प्रकृति के पोषण और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने पर्यावरण के मुद्दों पर जन-जागरूकता के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहल की सराहना की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. मुनीष वशिष्ठ, डिप्टी डीन प्रो. सोनिया बंसल, संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी के विभागाध्यक्ष डॉ पवन सिंह के अलावा फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्य, जिला प्रशासन के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. तोमर ने राज्यपाल को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को पौधारोपण और उनकी देखभाल करने के लिए लगातार प्रेरित किया जाता है। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना है।

प्रो. तोमर ने कुलाधिपति को विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विकास और ढांचागत विकास का भी संक्षिप्त ब्यौरा दिया। इससे पहले, श्री दत्तात्रेय का विश्वविद्यालय पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। राज्यपाल को विश्वविद्यालय परिसर में जिला पुलिस प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

निगम ने गार्बेज वर्नेबल प्वाइंट को साफ कर किया पौधरोपण

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पौधरोपण करते नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह।

गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर, हरित व बेहतर शहर बनाने की दिशा में निगम द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न स्थानों पर बने गार्बेज वर्नेबल प्वाइंटों को साफ करके वहां पर पौधारोपण किया जा रहा है।

इसी कड़ी में सोमवार को नगर निगम द्वारा स्वच्छ, सुंदर व हरित गुरुग्राम की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए सिकंदरपुर मेट्रो पिलर नंबर 48 के पास स्थित गार्बेज वर्नेबल प्वाइंट को साफ करके पौधारोपण किया गया है। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर वरिष्ठ सफाई निरीक्षक जितेन्द्र कुमार व अन्य कर्मचारियों के साथ पौधा रोपण किया तथा नागरिकों से स्वच्छ व हरित गुरुग्राम बनाने में सहयोग देने का आह्वान किया। डा. सिंह ने कहा कि ठोस कचरा पर्यावरण आवश्यकता कार्यक्रम के तहत पिछले 2 माह से स्वच्छता टीमें क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में लगातार जुटी हुई हैं। इसके तहत सभी सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों से लीगेसी कचरा उठाकर बंधवाड़ी पहुंचाया गया।

हाईटेंशन तारों की चपेट में आकर युवक की मौत

● युवक की शादी को लेकर चल रही थी मकान की मरम्मत

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

मृतक सुमित का फाइल फोटो

बघौला क्षेत्र के गांव देवली में हाईटेंशन तारों से लगे करंट से एक युवक की मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब युवक लोहे के एंगल को जमीन में गाड़ने का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान वह लोहे का एंगल ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन तारों से छू गया। स्थानीय लोगों ने लकडी के डंडा से लोहे के एंगल को तारों से अलग किया, लेकिन तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं। जिसे तुरंत पलवल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

देवली गांव निवासी बालकिशन का 23 वर्षीय बेटा सुमित अपने मकान के निर्माण कार्य में राजमिस्त्री का सहयोग कर रहा था। इसी दौरान वह एक लोहे के पाइपनुमा एंगल को घर के बाहर लगाने का प्रयास कर ही रहा था कि वह एंगल ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन तारों से छू गया। जिससे वह एंगल में उतरे करंट की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने लकड़ी के डंडे से उस एंगल को तारों से अलग किया।

मृतक युवक अविवाहित था, जिसका रिश्ता करीब 3 महीने पहले यूपी के एक गांव से हुआ था। देव उठनी एकादशी के बाद शादी की तिथि तय होनी थी, इसे लेकर घर में जश्न का माहौल बना हुआ था। शादी की तैयारियों को लेकर मकान की मरम्मत का काम चल रहा था।

पोस्टमार्टम के लिए टाल-मटोल करता रहा डॉक्टर

हादसे के बाद देवली गांव में जहां मातम छाया रहा। वहीं गांव के लोगों और परिजनों को अस्पताल में मौजूद डॉक्टर से पोस्टमार्टम कराने के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा। मिन्नते करने के बाद भी डयूटी पर मौजूद डॉक्टर कोई न कोई बहाना बनाकर टालमटोल करता रहा। बाद में डॉक्टर ने यह कहते हुए पोस्टमार्टम करने से इंकार कर दिया कि अब समय ज्यादा हो गया है, पोस्टमार्टम मंगलवार सुबह किया जाएगा। यह सुनकर गांव के लोग भडक उठे। आक्रोशित गांव के लोगों ने अस्पताल से बाहर गेट पर पहुंचकर हथीन रोड पर जा बैठे। सड़क जाम की सूचना मिलते ही हथीन मोड़ पुलिस चौकी व बघौला पुलिस चौकी मौके पर पहुंची, पुलिस ने पोस्टमार्टम कराए जाने का भरोसा दिलाते हुए लोगों को समझा बुझाकर सड़क से हटाया। इसके बाद दूसरे डॉक्टर ने देर रात में पोस्टमार्टम किया।

महिला स्वच्छता कर्मियों को सफाई के लिए किया प्रेरित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महिला स्वच्छता कर्मियों को पर्सनल हाइजीन रखने के बारे में जानकारी देने के दौरान मौजूद टीम व स्वच्छता कर्मी।

केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना में नगर निगम द्वारा 1 जुलाई से 31 अगस्त तक सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान के तहत लगातार विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

मंगलवार को सेक्टर-4 स्थित सामुदायिक केन्द्र में नगर निगम व टीन्स ऑफ गॉड सामाजिक संस्था द्वारा संयुक्त रूप से महिला स्वच्छता कर्मियों को पर्सनल हाइजीन रखने के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम गुरुग्राम की सलाहकार डा. अनीता फलसवाल ने महिला स्वच्छता कर्मियों को अपने शरीर की पर्याप्त सफाई रखने के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि माहवारी के समय कपड़े का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, बल्कि सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करें। इससे शारीरिक स्वच्छता बनी रहेगी तथा कई प्रकार की बीमारियों से हमारा बचाव होगा।

संक्षिप्त समाचार

बड़े ही परोपकारी होते हैं वृक्ष: बीईओ महेंद्र सिंह

फरीदाबाद। सामाजिक संस्था जनहित सेवा संस्था फरीदाबाद के सौजन्य से पर्यावरण संरक्षण व एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजकीय प्राथमिक विद्यालय सैक्टर 03 के सरकारी स्कूल के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीईओ महेंद्र सिंह व विशिष्ट अतिथि सैक्टर 03 पुलिस चौकी प्रभारी स्वीटी एवं अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ जयप्रकाश वैष्णव ओर विद्यालय के मुख्याध्यापक प्रवीण कुमार के साथ संस्था के अध्यक्ष सन्तसिहं हुड्डा व मुख्य सचिव देविचरण वैष्णव, सचिव बबलू छाबड़ा, रोहित, भगतसिंह ने मिलकर विद्यालय के अध्यापकों के साथ जामुन,बेलपत्थर, गुड़हल, नीम, चम्पा, चांदनी, कढ़ी पत्ता के पौधे रोपण किए।इस अवसर विद्यालय के मुख्याध्यापक व स्टाफ ने मुख्य अतिथि बीईओ महेंद्र सिंह व सैक्टर 03 पुलिस चौकी प्रभारी विशिष्ट अतिथि स्वीटी का पौधा भेंटकर कर अभिनंदन व स्वागत किया ओर विधार्थियों के साथ पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर बीईओ महेंद्र सिंह ने कहा कि वृक्ष बड़े परोपकारी होते है। इन्हें लगाने के साथ इनकी देखभाल करना भी बहुत जरुरी है। इस अवसर पर सैक्टर 03 पुलिस चौकी प्रभारी स्वीटी ने कहा कि वृक्ष है तो कल है। इस अवसर पर संस्था की टीम व विद्यालय के सभी अध्यापकों ने पौधारोपण में सहयोग किया।

रोजगार मेले में 135 विद्यार्थियों का हुआ चयन

गुरुग्राम। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम के प्रांगण में हरियाणा की सभी आईटीआई के पास आउट छात्रों के लिए अप्रेन्टिसशिप एवं रोजगार मेले का आयोजन मंगलवार को किया गया। मेले का शुभारंभ रोबर्ट व करुण कंदोई ने किया। आईटीआई गुरुग्राम के प्रधानाचार्य जयदीप सिंह कादियान ने बताया कि आज आयोजित मेले में गुरुग्राम के विभिन्न औधोगिक प्रतिष्ठानों द्वारा भाग लिया व 160 छात्र/छात्राओं का पंजीकरण किया गया। मेले में विभिन्न संस्थानों ने नियम व अपनी जरूरतों के हिसाब से 135 छात्र/छात्राओं का चयन किया।

एनईआरजीएस को मैसर्स टेक्नो इलेक्ट्रिक को सौंपा

एसपीवी को सौंपते आरईसीपीडीसीएल के सीईओ टीएससी बोश।

गुरुग्राम। विद्युत मंत्रालय के अधीन सीपीएसयू और एनबीएफसी आरईसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) ने परियोजना-विशिष्ट एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल), एनईआरजीएस-आई पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड को मेसर्स टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को सौंप दिया है। इसका गठन असम के बोकाजन में नए 400 केवी स्विचिंग स्टेशन और असम के बोकाजन में मीसा-न्यू मारियानी 400 केवी डी/सी लाइन के दोनों सर्किटों के एलआईएलओ (लूप-इन और लूप-आउट) की स्थापना के लिए किया गया है। एसपीवी को आरईसीपीडीसीएल के सीईओ टीएससी बोश ने टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के महाप्रबंधक (वाणिज्यिक) दिनेश पारीख को आरईसीपीडीसीएल, सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी (सीटीयू) ऑफ इंडिया लिमिटेड और टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सौंपा।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

● डीसी ने समारोह में सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को उपस्थित रहने के दिए निर्देश

● उल्लेखनीय उपलब्धियां पाने वाले कर्मचारियों को किया जाएगा सम्मानित

जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां करने के लिए, समारोह को भव्यता से मनाए जाने के लिए उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने अधिकारियों के साथ बैठक की। यह समारोह सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में मनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश के राष्ट्रीय पर्व में गरिमामयी उत्कृष्ट व बेहतरीन कार्यक्रमों का चयन किया जाए। सभी कार्यक्रम देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होने के साथ प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद हों। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत आवश्यक व्यवस्थाएं समन्वय से पूर्ण करते हुए स्वास्थ्य मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए पूरी की जाएं। बैठक में डीसी ने बताया कि परेड में हरियाणा पुलिस की तीन टुकड़ियां, एनसीसी सीनियर डिविजन टुकड़ियों के अलावा, सिविल डिफेंस तथा प्रजातंत्र के प्रहरी की एक एक टुकड़ी शामिल होंगी। समारोह में शिक्षण संस्थाओं के बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे। डीसी ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अधिकतम संख्या छह निर्धारित की है। इनका चयन एडीसी हितेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा स्कूली बच्चों द्वारा मास पीटी, डंबल और लेजियम शो का भी प्रदर्शन किया जाएगा। परेड, पीटी शो तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की 7, 9 और 13 अगस्त को रिहर्सल आयोजन होगा।

चुनाव तहसीलदार को पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित

● सेवानिवृत्ति पर उपायुक्त ने की राजेंद्र सिंह के काम की तारीफ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

चुनाव तहसीलदार राजेंद्र सिंह को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित करते डीसी निशांत कुमार।

चुनाव तहसीलदार राजेंद्र सिंह की सेवानिवृत्ति पर डीसी निशांत कुमार यादव ने उन्हें सम्मानित किया। साथ ही कहा कि अपने 31 साल के सेवाकाल में राजेंद्र सिंह की बेदाग छवि रही है। विगत लोकसभा चुनाव के समय काम का भारी दबाव होने के बावजूद इन्होंने सहज व शांत रहते हुए अपना कार्य पूरा किया।

उनकी कार्यशैली सराहनीय रही है। उनके परिवार के सदस्य भी बधाई के पात्र हैं, जो दूर होते हुए भी राजेंद्र सिंह को घर की जिम्मेदारियों से निश्चिंत रखे हुए थे। डीसी ने सेवानिवृत्त अधिकारी को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि राजेंद्र सिंह एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी रहे हैं। इन्होंने अपनी कर्मठता से दूसरे कर्मचारियों को भी अपनी ड्यूटी के प्रति समर्पित रहने की भावना सिखाई है। नगराधीश कुंवर आदित्य विक्रम ने कहा कि राजेंद्र सिंह पर चुनाव के दौरान एक बड़ी जिम्मेदारी थी।

भारत तिब्बत सहयोग मंच की राष्ट्रीय परिषद में समाज पर होगा चिंतन: पंकज

● इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में काम कर रहा है मंच: अमित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत तिब्बत सहयोग मंच की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद सेवा साधना एवं ग्राम विकास केंद्र पट्टी कल्याण समालखा जिला सोनीपत में आगामी 3 व 4 अगस्त को होगी। इसे लेकर राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल, प्रांत अध्यक्ष अमित गोयल ने सदस्यों के साथ बैठक करके तैयारियों पर चर्चा की गई।

पंकज गोयल ने कहा कि मंच की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद में देश, समाज पर चिंतन किया जाएगा। समाज को एकजुट रखने पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि मंच कैलाश मानसरोवर की मुक्ति, तिब्बत की आजादी के लिए वर्षों से प्रयास कर रहा है। उनके मार्गदर्शन और सिद्धांतों पर चलते हुए मंच के सदस्य देश, समाज हित में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिन कार्यक्रम में बीटीएसएम के संरक्षक डा. कुलदीप चंद अग्निहोत्री का सानिध्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीटीएसएम के कार्यकारी अध्यक्ष सरदार हरजीत सिंह करेंगे। पहले दिन 3 अगस्त को सुबह 10 बजे प्रथम सत्र शुरू होगी।

तिब्बत सरकार के रक्षा मंत्री भी आएंगे: मंच के प्रांत अध्यक्ष अमित गोयल ने बैठक में कहा कि इंद्रेश के मार्गदर्शन में पट्टी कल्याण में होने जा रही बैठक बहुत महत्वपूर्ण होगी। इसमें निर्वासित तिब्बत सरकार के रक्षा मंत्री सहित देशभर के 300 से अधिक कार्यकर्ता शामिल होंगे।

उमेश अग्रवाल बने आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष

गुरुग्राम। पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल को आम आदमी पार्टी का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी का मानना है कि उमेश अग्रवाल जैसे कुशल संगठनकर्ता पूरे प्रदेश में आम आदमी पार्टी का विस्तार करने और मजबूत संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव डॉ. संदीप पाठक ने सोमवार देर सायं एक एक पत्र जारी कर उमेश अग्रवाल को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा की। उनकी नियुक्ति की घोषणा पर आम आदमी पार्टी के विभिन्न नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विधानसभा चुनावों से ठीक पहले उनकी नियुक्ति महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा। अपनी नियुक्ति पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक व प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता का आभार व्यक्त किया है।

उमेश अग्रवाल।

मुद्दों को सुलझाने की सशक्त पहल है जय संविधान फोरम: जेपी

सेक्टर-15 पार्ट-2 में शनिवार को फोरम की बैठक में शामिल लोग।

● सेक्टर-15 पार्ट-2 में शनिवार को हुई फोरम की अहम बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-15 पार्ट-2 में जय संविधान फोरम की ओर से एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। इस फोरम की स्थापना संविधान शिल्पी डा. बीआर आंबेडकर के वंशज डा. वाईआरबीआर आंबेडकर ने की है। जिसका उद्देश्य नागरिकों से जुड़े जरूरी मुद्दों को सशक्त ढंग से निपटाने और इनके प्रति जनता में जागरुकता लाने का प्रयास करना है।

जय संविधान फोरम की बैठक में चर्चा के दौरान भारतीय नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों पर केंद्रित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाल गया। मुख्य रूप से भारत के भविष्य को खतरे में डालने वाली 11 महत्वपूर्ण चिंताओं की पहचान की गई। इसमें आर्थिक असमानता, पर्यावरणीय गिरावट और सामाजिक अशांति शामिल मुख्य रूप से शामिल हैं। मंच का उद्देश्य इन चुनौतियों का व्यवस्थित रूप से समाधान करने के लिए रणनीति विकसित करना रहा।

जय संविधान फोरम के अध्यक्ष डा. जेपी सिंह ने कहा कि वर्ष 2010 में अफ्रीका के बाहर केवल 16 देशों में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय दर भारत से कम थी। भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा अब बांग्लादेश की तुलना में तीन वर्ष कम है। यदि भारत की तुलना में देखा जाए तो बांग्लादेश में बाल मृत्यु दर 24 प्रतिशत कम है। इस दिशा में सुधार के लिए काफी कुछ करने की जरूरत है। नेपाल और भारत के सामाजिक संकेतक आज लगभग समान हैं। भारत की प्रति व्यक्ति आय नेपाल की तुलना में तीन गुना है।

फोरम की बैठक में युवाओं के लिए रोजगार को बढ़ाने और आर्थिक रणनीतियों को बनाने पर बल दिया गया।

समस्याओं से त्रस्त लोग उतरे सड़कों पर, किया प्रदर्शन

● कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज के नेतृत्व में राज्यपाल के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

दयाराम वशिष्ठ। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में जाम, दूषित पेयजल समस्या, सीवरेज ब्लॉक के कारण होने वाले जलभराव व आवारा पशुओं समेत अन्य जन समस्याओं को लेकर मंगलवार को कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज के नेतृत्व में काफी संख्या में लोगों ने शहर में विरोध प्रदर्शन किया तथा लघु सचिवालय पहुंचकर एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस के बैनर तले यह प्रदर्शन बल्लभगढ़ की पंजाबी धर्मशाला से शुरू होकर मैन बाजार, महाराजा अग्रसैन चौक, घंटाघर होते हुए लघु सचिवालय तक किया गया।

कांग्रेस नेता के आव्हान पर बल्लभगढ़ की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन में जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर कांग्रेस नेता गिरीश भारद्वाज ने मीडिया एवं जनता से रूबरू होते हुए कहा कि यहां इतनी भीषण गर्मी में सड़कों पर विरोध पर उतरने के लिए मजबूर हुए है ये कोई राजनीतिक मुद्दा नही है ये बल्लभगढ़वासियों की मूलभूत समस्याओं का समाधान न होने के कारण आम जनमानस का भाजपा सरकार व् यहा के अधिकारियों के खिलाफ रोष है।

'दो दिन में जारी होगा टीजीटी अध्यापकों का रिजल्ट'

सीएम बोले, अध्यापक भावी पीढ़ी को तराशने का कार्य करें, दस वर्षों में एक लाख, 41 हजार को काबिलियत पर दी नौकरी

शिखा शर्मा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि वह देश के नवनिर्माण में अपना अहम योगदान देने का संकल्प लें। जिस प्रकार आपने अपनी कड़ी मेहनत से अपने माता पिता और गांव का नाम रोशन किया है उसी प्रकार देश का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए भी भावी पीढ़ियों को निरंतर तराशने का कार्य करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को पंचकूला में आयोजित नव नियुक्त ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर्स के राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम में अध्यापकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त टीजीटी अध्यापकों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो दिन में पूरी पारदर्शिता के साथ टीजीटी अध्यापकों की वेटिंग लिस्ट के साथ-साथ डिटेल रिजल्ट भी निकाल दिया जाएगा। उन्होंने टीजीटी अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि इस रिजल्ट में बेटियों ने भव्य प्रदर्शन करते हुए बड़ा स्थान प्राप्त किया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पेरिस ओलंपिक-2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मेडल जीतने के बाद एक बार फिर से 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने पर विख्यात निशानेबाज मनु भाकर को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पूरे देश को हरियाणा के खिलाड़ियों पर गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत सारे टीचर्स ड्यूटी के बाद भी स्लम एरिया में बच्चों को पढ़ाने का पुनीत कार्य करते हैं। शिक्षा के प्रचार की यह भावना एक टीचर में अवश्य होनी चाहिए। सीएम ने कहा कि पिछले दस वर्षों में एक लाख 41 हजार युवाओं को बिना खर्ची-बिना पर्ची के काबिलियत के आधार पर प्रदान की सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी 2024 में 745 पोस्ट का रिजल्ट निकाला गया। फरवरी से लेकर जून माह तक भी हज़ारों की संख्या में सरकारी पदों पर भर्तियां की गई है। जुलाई में हमने 7765 टीजीटी अध्यापकों को नियुक्ति प्रदान की है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, विधानसभा स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, वन मंत्री कंवर पाल, ऊर्जा मंत्री रणजीत सिंह, वित्त मंत्री जेपी दलाल, स्वास्थ्य मंत्री डॉ कमल गुप्ता, स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा,पंचायत एवं विकास राज्य मंत्री महिपाल ढांडा, परिवहन राज्य मंत्री असीम गोयल, खेल राज्य मंत्री संजय सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री विशंभर वाल्मीकि व अनेक अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

हिन्दी आंदोलन के सत्याग्रहियों को मिलेगी 20 हजार मासिक पेंशन

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिंदी आंदोलन-1957 के मातृभाषा सत्याग्रहियों के लिए पेंशन को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रतिमाह करने की मंजूरी प्रदान कर दी है। सरकारी प्रवक्ता ने मंगलवार को जारी जानकारी में बताया कि बताया कि सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग 161 मातृभाषा सत्याग्रहियों या उनके जीवित पति/पत्नियों को 15,000 रुपये मासिक पेंशन वितरित करता है। प्रस्तावित वृद्धि 20,000 रुपये प्रति माह होने से 96.60 लाख रुपये का अतिरिक्त वार्षिक व्यय होगा, जिससे कुल वार्षिक बजट लगभग 3.86 करोड़ रुपये हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने हालही में यह पेंशन बढ़ाने का ऐलान किया था। जिसके बाद विभागीय प्रस्ताव को आज मुख्यमंत्री की तरफ से मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

किरण चौधरी के खिलाफ कांग्रेस के दो विधायकों ने फिर दायर की याचिका

चंडीगढ़। भाजपा में शामिल हो चुकी तोशाम की कांग्रेस विधायक किरण चौधरी की विधानसभा से सदस्यता रद कराने के लिए कांग्रेस ने एक बार फिर मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता के समक्ष याचिका दायर की है। इस बार कांग्रेस विधायक मेवा सिंह और इंदुराज नरवाल ने याचिका दायर करते हुए किरण चौधरी के खिलाफ दलबदल निरोधक कानून के तहत कार्रवाई करने की मांग की है।

इससे पहले कांग्रेस के मुख्य सचेतक भारत भूषण बत्रा और विधायक दल के उपनेता आफताब अहमद ने याचिका लगाई थी, जिसे विधानसभा अध्यक्ष तकनीकी कारणों से खारिज कर चुके हैं। बत्रा व अहमद की याचिका खारिज होने के बाद हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने टिप्पणी की थी कि कांग्रेस विधायकों को याचिका का प्रारूप भी ठीक से लिखना नहीं आता।

दोनों कांग्रेस विधायकों ने मांग की है चूंकि किरण चौधरी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुकी हैं, ऐसे में उनकी सदस्यता रद की जानी चाहिए।

मंत्री से मिलने के बाद नर्सिंग ऑफिसर ने रद्द की हड़ताल

● स्वास्थ्य मंत्री ने 25 अगस्त तक मांगों को पूरा करने का दिया भरोसा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ.कमल गुप्ता के साथ हुई बैठक के बाद नर्सिंग आफिसर ने एक व दो अगस्त को होने वाली हड़ताल व चार अगस्त को करनाल में सीएम आवास के घेराव की कॉल को वापस ले लिया है।

अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हरियाणा नर्सिंग वेलफेयर एसोसिएशन ने एक अगस्त से संघर्ष का ऐलान किया था। जिसके चलते मंगलवार को स्वास्थ्य महानिदेशक जेएस पूनिया तथा स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के साथ चंडीगढ़ में नर्सिंग ऑफिसर की बैठक हुई। बैठक में एसोसिएशन की राज्य अध्यक्ष विनीता बांगड़, सचिव योगेश शर्मा, संस्थापक सदस्य सुशीला कौशिक, सुदेश मलिक, विकास यादव, मंजू कोचर, सुमन पोरिया सुमन कुंडू आदि मौजूद रहे। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री के साथ कई मांगों पर चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने नर्सिंग ऑफिसर को उनकी मांगों पर 25 अगस्त तक फैसला लेने का आश्वासन दिया है। जिसके चलते नर्सिंग ऑफिसर ने एक व दो अगस्त की हड़ताल व चार अगस्त को सीएम आवास के घेराव का फैसला फिलहाल टाल दिया है।

वरिष्ठता को लेकर दो आईएएस में ठनी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

● जिला उपायुक्तों की बैठक बुलाने में उद्योग व श्रम विभाग में तनातनी

हरियाणा में एक बार फिर से दो आईएएस अधिकारी आमने-सामने हैं। इस बार अधिकारियों में वरिष्ठता की लड़ाई है और मुद्दा बना है जिला उपायुक्तों की बैठक बुलाने का। दिलचस्प बात यह है कि जिस बैठक को लेकर दो आला अधिकारी आमने-सामने हुए हैं वह बैठक निपट चुकी है। इसके बावजूद अधिकारियों के पत्र विभागों में घूम रहे हैं। इससे पहले आईएएस अशोक खेमका तथा संजीव वर्मा के बीच का विवाद पहले ही सार्वजनिक हो चुका है।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक सीजी रजनी कांतन की तरफ से पत्र जारी करके कहा गया था कि हरियाणा में अभी हाल में इंडस्ट्रियल एंड कंस्ट्रक्शन स्थलों की दुर्घटनाओं की रिपोर्टिंग ध्यान में आई है। इस संबंध में इंडस्ट्रियल एंड कंस्ट्रक्शन एस्टेबलिशमेंट्स के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान विभागों और इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के साथ पूरे राज्य में चलाया जाना है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक में संबंधित जिला अधिकारियों को शामिल होने के लिए कहा गया था। इन अधिकारियों में जिला राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, फायर एंड इमरजेंसी सेवाएं विभाग, चीफ इलेक्ट्रिकल इंस्पेक्टोरेट, एचएसआईआईडीसी, बॉक्लर इंस्पेक्टोरेट, श्रम विभाग, पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन, इंडस्ट्रियल एसोसिएशंस के प्रतिनिधि को शामिल होने के लिए कहा गया था। यह पत्र पंचकूला, नूंह, अंबाला, सिरसा, भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, जींद, पलवल, फतेहाबाद के जिला उपायुक्तों को भी भेजा गया था। यह पत्र जारी होने के बाद श्रम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने आपत्ति जताते हुए आईएएस सीजी रजनीकांतन को चिट्ठी लिखकर कहा कि पत्र में 8 अफसरों की एक टीम द्वारा इंडस्ट्रियल एंड कंस्ट्रक्शन एस्टेबलिशमेंट्स के लिए एक विशेष सुरक्षा जागरूकता अभियान के बारे में लिखा गया है। यह पत्र श्रम विभाग के साथ चर्चा किए बगैर जारी किया गया है, चूंकि कंस्ट्रक्शन साइट्स उद्योग विभाग के अधीन नहीं आती हैं। इसलिए इस पत्र को संशोधित किया जाए या इसे श्रम विभाग के साथ चर्चा होने तक होल्ड कर लिया जाए। आश्चर्यजनक बात यह है कि जब तक श्रम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने यह पत्र लिखा, तब तक बैठक हो चुकी थी। जिसमें उनके बुलाए अधिकारी भी शामिल हुए थे। अब बैठक के मुद्दे पर दोनों अधिकारियों के बीच विवाद बढ़ गया है।

सहायक व एसोसिएट प्रोफेसर देंगे एसीआर में सत्यापित रिपोर्ट

चंडीगढ़। राजकीय कॉलेजों में कार्यरत सहायक और एसोसिएट प्रोफेसरों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में देरी होने के चलते पदोन्नति व सिलेक्शन ग्रेड प्रभावित न हो, इसको देखते हुए उच्चतर शिक्षा विभाग ने कॉलेज प्राचार्यों को 2023-24 की गोपनीय रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं। उच्चतर शिक्षा विभाग के महानिदेशक की ओर से प्रदेश के सभी राजकीय कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्देश जारी किए गए हैं कि सहायक और एसोसिएट प्रोफेसरों की वर्ष 2023-24 की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 31 अगस्त तक भिजवाई जाए। इसके साथ ही यह भी निर्देश जारी किए हैं कि राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत सहायक और एसोसिएट प्रोफेसरों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट निश्चित समय पर नहीं भिजवाई जाती है, जिसके चलते सेवा विस्तार, सीनियर स्केल, सिलेक्शन ग्रेड और पदोन्नति प्रभावित होती है।

घरों से मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले 7 आरोपी काबू

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

घरों से मोबाइल फोन चोरी करने की वारदातों को अंजाम देने के 7 आरोपियों को पुलिस ने काबू किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार मंगलवार को पुलिस चौकी मारुति कुंज की टीम को घरों से मोबाइल फोन चोरी करके उन्हें बेचने की सूचना मिली थी।

कृष्णा कुंज भोंडसी में चोरी किए हुए मोबाईल फोन बेचने की फिराक में कुछ लोग खड़े थे। इस सूचना पर पुलिस चौकी मारुति कुंज की पुलिस टीम सूचना में बताए गए स्थान पर पहुंची। जहां पर पुलिस टीम द्वारा चोरी के मोबाईल फोन्स के साथ 7 आरोपियों को काबू किया गया। आरोपियों की पहचान अंकित उर्फ छोटू निवासी गांव तेनवा जिला रोहताश (बिहार), राजेश अहिरवार निवासी शेरपा जिला टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश), अंकित निवासी गांव अजराना कलां जिला कुरुक्षेत्र, विनोद अहिरवार निवासी गांव सूरजपुर जिला टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) व देवराज निवासी गांव कनवापुर जिला टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई।

फसल बीमे का आज आखिरी मौका

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. कर्मचंद ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से फसलों में होने वाले नुकसान के मद्देनजर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ सीजन 2024 में धान, कपास, मक्का तथा बाजरा की फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तय की गई है।

इस योजना के तहत किसानों को धान, कपास, मक्का तथा बाजरा के लिए क्रमशः 2023 80 रुपए, 5176.25 रुपए, 1037.84 रुपए व 975.58 रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से प्रीमियम देना होगा। डीडीए डा. कर्मचंद ने कहा कि यह योजना सभी किसानों के लिए स्वैच्छिक है। यदि ऋणी किसान स्कीम से बाहर होने के लिए तय सीमा तक सम्बन्धित बैंक में आवेदन नहीं करता तो बैंक किसानों की फसल का बीमा करने के लिए अधिकृत या बाध्य होंगे।

गैर-ऋणी किसान ग्राहक सेवा केन्द्र या बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से अपनी फसल का बीमा करवा सकता है। यदि कोई किसान पहले से नियोजित फसल को बदलता है तो उसे अंतिम तिथि से 2 दिन पहले 29 जुलाई तक फसल बदलाव के लिए बैंक को सूचित करना होगा।

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Uma Rani has acquired Property bearing No. 02, New no. RZ-2, area measuring 46.1/2 sq. yrds, Khasra No. 15/1, situated in the area of village Khayala colony known as Ravi nagar Extn., New Delhi. vide Sale Deed dt. 21.06.2024 executed by Mr Mrs. Uma Rani, Now Mrs. Uma Rani is the undisputed owner of above said property.

OR

Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiration of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.

Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 26/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

PUBLIC NOTICE

To be known to all, **KRISHAN KUMAR S/o LATE SH. RICHPAL SINGH R/o HOUSE NO.143-B, SHAHPUR JAT VILLAGE, ANDREWSGANJ, DELHI-110049 owner/mutatee of PROPERTY NO.467, BLOCK-H, VIKAS PURI, NEW DELHI-110018,** have applied for certified copies, mutation & freehold in DDA. The original documents i.e. SITE POSSESSION SLIP, PERPETUAL LEASE DEED, C&D FORMS/ SANCTION LETTER/ OCCUPANCY CERTIFICATE & OTHERS DOCUMENTS of the above said plot has been lost. An online LR NO. 1979015/2024 dated 29/07/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi. Any person (s)claiming any right,interest,having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 9810495051 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to **Deputy Director (LAB-Resdl.) or Director (LAB-Resdl.), Delhi Development Authority, Vikas Sadan, New Delhi-110023.**

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that **Mr. Sanjay Sethi and Mr. Sumit Sethi, Mrs. Gurpreet Sethi and Mrs. Sonia Sethi** who is recorded owner of the **Property bearing municipal no-6313-17 and Ward no- XII, built on Plot no-9, in Block- A, measuring 325.3 Sq. Yards, (except upper ground floor, area measuring 1475 sq. ft., & except one shop on ground floor 301.28 sqft), North city extension scheme no-1, Delhi Subzimandi, presently known as Kamla Nagar, New Delhi. from 1. Sale Deed dated 14.08.1987 Vide Doc. No. 3476, 2. Gift Deed dated15-12-2005Vide Doc. No. 8975, 3. Gift Deed dated15-12-2005Vide Doc. No. 8976, 4. Regd. Rectification Deed dated 17-07-2007 & 5.Regd. Rectification Deed dated 17-07-2007&Regd. Will dated 07-06-2024** and same to be financed by **Axis Finance Limited.** If any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing at the address mentioned below, about his objections within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien, Charge, disputes etc. **Lucem Legal LLP B-93B, Second Floor, Opp. SBI Bank, Sector 2 Noida, UP-201301, Contact # 0120-4269379**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालयः- 05942-247895 Email : eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 2627/535/30 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक : 29.07.2024

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा डिपॉजिट वर्क के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबंद निविदा, दिनांक 09.08.2024 अपरान्ह् 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह् 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	भीमताल	सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य।	14000.00	2 माह	500+ जी0एस0टी0 18%

नोट :- 1. नियम एवं अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता

''जल संचय -जीवन संचय'' ''कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये''
''जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये'' ''जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है''

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा
उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भीमताल (नैनीताल)
दूरभाष कार्यालयः- 05942-247895 Email : eecd.btl@gmail.com

पत्रांक : 2626/535/29 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक : 29.07.2024

अध्यक्ष, उत्तराखण्ड पेयजल निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा राज्य सैक्टर के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु मोहरबंद निविदा, दिनांक 13.08.2024 अपरान्ह् 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी कार्यदिवस में अपरान्ह् 03:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इस कार्यालय में निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। उक्त दिनांकों में अवकाश घोषित होने की स्थिति में निविदा अगले कार्य दिवस को डाली/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	विकासखण्ड	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	भीमताल	नैनीताल सीवरेज योजना के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त सीवर लाईन, मैनहोल का पुर्ननिर्माण, विस्तार एवं तत्संबंधित कार्य।	48000.00	3 माह	2000+ जी0एस0टी0 18%

नोट :- 1. नियम एवं अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक कार्यालय या नोटिस बोर्ड में देखी जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता

''जल संचय -जीवन संचय'' ''कृपया जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये''
''जल स्त्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये'' ''जल स्त्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है''

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Gangadhar Sharma S/o Brij Mohan Sharma R/o- H No. 496, Gali No.15, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi-110005, vide Affidavit no. :- IN-DL27101230135169W) Dated (30-July-2024) Before Notary by (Rajkumar Advocate regn.no N1/6536) have changed my name Gangadhar to Gangadhar Sharma, for all future purposes.

PD(634)C

नाम का परिवर्तन

मै, मिथलेश सिंह पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह निर्वान निवासी मकान नं0-बी-207, गुलमोहर ग्रीन्स मोहननगर गाजियाबाद जिला गाजियाबाद 201007, घोषणा करती हूं कि मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आई0डी0 कार्ड पासपोर्ट में मेरा नाम मिथलेश सिंह है ज्ञात रहे कि भविष्य में मुझे मिथलेश निर्वान की बजाय मिथलेश सिंह के नाम से जाना जाएं।

PD(633) C

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड से जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **पंकज कुमार गुप्ता और शिल्पी गुप्ता** को **15.11.2022** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLGRG00192982** की राशि **रू.5,51,486.45 /- (रुपए पाँच लाख इक्यावन हजार चार सौ छियासी और पैंतालीस पैसे मात्र)** और **31.10.2022** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **26.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा **राशि रू.5,51,486.45 /- (रुपए पाँच लाख इक्यावन हजार चार सौ छियासी और पैंतालीस पैसे मात्र) 31.10.2022** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड से जाना जाता था)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.1908, जिसका सुपर एरिया 795 स्के.फीट, उन्नीसवीं मंजिल पर, टॉवर बी-9, ईको विलेज 1 से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में, प्लॉट नं.जीएच-8 पर निर्मित, सेक्टर 1 में स्थित, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा-201303, उत्तर प्रदेश।

दिनांक :26.07.2024
स्थान :ग्रेटर नोएडा

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनांस लिमिटेड से जाना जाता था)

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड से जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **पंकज कुमार गुप्ता और शिल्पी गुप्ता** को **30.12.2021** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLGRG00162246** की राशि **रू.7,22,179.37/- (रुपए सात लाख बाईस हजार एक सौ उनासी और सैंतीस पैसे मात्र)** और **28.12.2021** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **26.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा **राशि रू.7,22,179.37/- (रुपए सात लाख बाईस हजार एक सौ उनासी और सैंतीस पैसे मात्र) 28.12.2021** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड से जाना जाता था)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

युनिट नं.1908, उन्नीसवीं मंजिल, टॉवर बी-9, ईको विलेज 1, प्लॉट नं.जीएच-8, सेक्टर 1, ग्रेटर नोएडा।

दिनांक :26.07.2024
स्थान :ग्रेटर नोएडा

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनांस लिमिटेड से जाना जाता था)

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड से जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **राजेश ठाकुर प्रॉपराइटर अभिनव सेल्स एजेंसी और कुसुम ठाकुर** को **18.01.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLDCP00164364** की राशि **रू.10,70,602.16 /- (रूपए दस लाख सत्तर हजार छ सौ दो और सोलह पैसे मात्र)** और **17.01.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **26.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा **राशि रू.10,70,602.16 /- (रूपए दस लाख सत्तर हजार छ सौ दो और सोलह पैसे मात्र) 17.01.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड से जाना जाता था)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

फ्लैट नं.1905, जिसका सुपर एरिया 1010 स्के.फीट, उन्नीसवीं मंजिल पर, टॉवर सी8, ईको विलेज -2 से पहचाने जाने वाले प्रोजेक्ट में, प्लॉट नं.जीएच-01 पर निर्मित, सेक्टर -16बी में स्थित, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा-201303, उत्तर प्रदेश।

दिनांक :26.07.2024
स्थान :ग्रेटर नोएडा

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनांस लिमिटेड से जाना जाता था)

एसेट केअर एंड रिकन्स्ट्रक्शन एंटरप्राईज लिमिटेड ("एसीआरई")
CIN : U65993DL2002PLC115769
पंजीकृत कार्यालय: 14वीं मंजिल, ईआरओएस कॉर्पोरेट टॉवर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019. ई-मेल: acre.arc@acreindia.in,वेबसाइट: www.acreindia.in
कॉर्पोरेट कार्यालय: यूनिट नंबर 502, सी विंग, वन बीकेसी, प्लॉट नंबर सी - 66, जी - ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई – 400051. फोन: 022 68643101

प्रकाशन दिनांक 12.07.2024 की वापसी

यह सूचित किया जाता है कि सरफेसी अधिनियम के 13(4) नोटिस का प्रकाशन बिजनेस स्टैंडर्ड- दिल्ली कवर्स ग्रेटर नोएडा - इंग्लिश और पायनियर - दिल्ली कवर्स ग्रेटर नोएडा - हिंदी समाचार पत्रों में कर्ज खाता नंबर **HHLLAJ00207628 (अनीता ढाका) की संपत्ति, यूनिट नं., 2001, जिसका सुपर एरिया 890 स्क्वे. फीट, टावर/ब्लॉक-आई 2, बीसवीं मंजिल पर, ईको विलेज 4 नामक परियोजना में, एक कवर्ड कार पार्किंग के साथ, प्लॉट नं. जीएच-01, सेक्टर-16B , गौतम बुद्ध नगर-201308, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश** के लिए **12.07.2024** को प्रकाशित गिरवी रखी गई संपत्ति(यों) के संबंध में अधोहस्ताक्षरी के अधिकारों के पूर्वाग्रह के बिना, तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है।

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
असेट्स केअर एन्ड रिकन्स्ट्रक्शन एन्टरप्राइजेस लि
स्थान : ग्रेटर नोएडा **(102- ट्रस्ट)**

किसी भी शिकायत के लिए आप **श्री मोहम्मद शारिक मलिक,** शिकायत निवारण अधिकारी, फोन नंबर **011-66115609**, ईमेल: **complaint@acreindia.in** से संपर्क कर सकते हैं। संगठन के अंतर्गत शिकायत निवारण तंत्र विस्तृत रुप से **https://www.acreindia.in/compliance** पर देखी जा सकती है।

कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु)

जब कि,

सम्मान कैपिटल लिमिटेड (CIN:L65922DL2005PLC136029) (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी ने सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फायनांशियल असेट्स एंड एन्फोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरीटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के अंतर्गत और नियम **3** के साथ धारा **13(12)** के साथ सिक्योरीटी इंटरेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के साथ पढ़ते हुए प्राप्त अधिकारों का उपयोग करके कर्जदार **विकास कुमार राणा, निशा सिंह और पूरन सिंह** को **28.02.2023** की सूचना में वर्णन के अनुसार कर्ज खाता नं. **HHLRHN00465334** की राशि **रू.19,97,992.30 /- (रुपए उन्नीस लाख सत्तानवे हजार नौ सौ बानवे और तीस पैसे मात्र)** और **17.02.2023** के अनुसार उस पर ब्याज उक्त सूचना की प्राप्ती की तारीख से स्पष्ट **60** दिनों के भीतर चुकता करने का आवाहन करते हुए अभियाचना सूचना जारी की थी।

धनराशि चुकता करने में कर्जदारों के असफल रहने पर एतत्तद्वारा कर्जदार और सर्व सामान्य जनता को सूचना दी जाती है कि, अधोहस्ताक्षरी ने उक्त कानून की धारा **13** की उप धारा **(4)** के साथ उक्त कानून के नियम **8** के तहत सिक्योरीटी ईन्ट्रेस्ट (एन्फोर्समेन्ट) रूल्स, **2002** के तहत प्राप्त अधिकारों का कार्यान्वयन करके **26.07.2024** को संपत्ति पर **सांकेतिक आधिपत्य** कर लिया है।

विशेषत: कर्जदारों और सामान्यत: जनता को एतत्द्वारा संपत्ति के साथ सौदा नहीं करने के लिए सावधान किया जाता है और संपत्ति के साथ कोई भी सौदा राशि **रू.19,97,992.30 /- (रुपए उन्नीस लाख सत्तानवे हजार नौ सौ बानवे और तीस पैसे मात्र) 17.02.2023** के अनुसार और उस पर ब्याज के साथ **सम्मान कैपिटल लिमिटेड (पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनान्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)** के आधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप - धारा (8) के अन्तर्गत संपत्ति / संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय की ओर आमंत्रित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

अपार्टमेंट नं.1305 जिसका सुपर एरिया 1170 स्के.फीट (108.70 स्के.मी.) तेरहवीं मंजिल पर, टॉवर-बी, संस्कृति, प्लॉट नं.जीएच-10, सेक्टर -1, गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा-201306, उत्तर प्रदेश

दिनांक :26.07.2024
स्थान :ग्रेटर नोएडा

सही/-
प्राधिकृत अधिकारी
सम्मान कैपिटल लिमिटेड
(पहले इंडियाबुल्स हाउसिंग फायनांस लिमिटेड से जाना जाता था)

सार्वजनिक सूचना

निदेशक टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ़ ने ज्ञापन संख्या LC-3855-B/JE(SK)/2024/23798 दिनांक 29/07/2024 के माध्यम से सोहना गुरुग्राम के सेक्टर-36 स्थित गांव धुनेला की राजस्व संपदा में अफॉर्डबल प्लॉटेड कॉलोनी (डीडीजेएवाई-2016) स्थापित करने के लिए दिए गए लाइसेंस संख्या 18 ऑफ 2021 दिनांक 16/04/2024 के अतिरिक्त 2.96875 एकड़ क्षेत्र में अफॉर्डबल प्लॉटेड कॉलोनी (डीडीजेएवाई-2016) स्थापित करने के लिए संशोधित लेआउट योजनाओं के अनुमोदन के लिए आशय पत्र (एलओआई) प्रदान किया है।

उक्त आशय पत्र (एलओआई) के अनुसार, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, हरियाणा, चंडीगढ़ ने कंपनी को राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से लेआउट योजनाओं में उक्त संशोधन के बारे में मौजूदा आवंटियों को सूचित करने का निर्देश दिया है और तदनुसार उनकी जानकारी के लिए नोटिस जारी किया जाता है और यदि कोई आपत्ति है, तो उसे इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर वरिष्ठ नगर नियोजक, गुरुग्राम के कार्यालय को भेजा जा सकता है। पूर्व में स्वीकृत लेआउट और संशोधित लेआउट के साथ दी गई उक्त अनुमति को हमारी वेबसाइट www.signatureglobal पद पर अपलोड/होस्ट किया जा रहा है।

एसडी-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
सिग्नेचरग्लोबल होम्स प्राइवेट लिमिटेड
सीआईएन: U70100DL2008PTC176641
पंजीकृत कार्यालय - 13वीं मंजिल, डॉ. गोपाल दास भवन, 28 बाराखंबा रोड, नई दिल्ली-110001

स्थान: गुरुग्राम दिनांक: 31 जुलाई 2024

मोदी का भाषण

पाकिस्तान को चेतावनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को कठोर चेतावनी दी है, लेकिन इसके बावजूद सीमापार से आतंकवाद लगातार जारी है। चेतावनियों, सेना की उपस्थिति तथा राजनयिक प्रयासों के बावजूद सीमापार से आतंकवाद कटु यथार्थ है। यह हम सबके लिए गंभीर चिन्ता का विषय होना चाहिए कि भारतीय सेना ने इस महीने अपना बारहवां सैनिक खोया है। इससे भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से तनावग्रस्त संबंध और खराब हो गए हैं। पाकिस्तानी 'बार्डर एक्शन टीम'-बैट द्वारा बिना उकसावे के भारत की अग्रिम चौकी पर फायरिंग के दौरान राइफलमैन मोहित राठौड़ व एक मेजर शहीद हो गए, जबकि तीन अन्य सैनिक घायल हुए। भारतीय सैनिक उत्तरी कश्मीर के माछिल सेक्टर में एलओसी पार करने का प्रयास करने वाले आतंकियों के खिलाफ आपरेशन चला रहे थे।'बैट' में शामिल पाकिस्तानी सैनिक और आतंकी अक्सर एलओसी पार करने वाले घुसपैठियों की सहायता के लिए कवर फायर देते हैं। इस नवीनतम हमले में पाकिस्तानी सैनिकों ने खराब मौसम और कम दृश्यमानता का लाभ उठा कर सैनिक चौकी पर ग्रेनेडों से हमले के साथ गोलीबारी की। लंबे समय तक चली गोलीबारी में दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए जिनमें से एक बाद में शहीद हो गए। आतंकी हमलों की प्रतिक्रिया में जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाई गई है तथा सरकार द्वारा बीएसएफ की दो अतिरिक्त बटालियनें तैनात करने के बाद इस केन्द्रशासित क्षेत्र में सैनिकों की संख्या में 2,000 की वृद्धि हुई है। हालिया हमला भारतीय प्रधानमंत्री की पाकिस्तान को अंजाम भुगतने की कठोर चेतावनी के एक दिन बाद हुआ है।

'कारगिल विजय दिवस' पर भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को कठोर चेतावनी देते हुए जोर दिया कि 'आतंक के आकाओं के बुरे इरादे कभी सफल नहीं होंगे और भारत आतंकवाद की हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार है।' यह कठोर चेतावनी जम्मू कश्मीर में आतंकी हमलों में वृद्धि के बीच आई है जिसमें तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर घातक हमला शामिल है। लेकिन ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री की चेतावनी का आतंकियों पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। नियंत्रण रेखा-एलओसी पर जारी झड़पों तथा जम्मू कश्मीर में बढ़ती घुसपैठ की घटनाओं के कारण हताहतों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। उग्रवादी समूहों को पाकिस्तान का लगातार समर्थन समस्या का कारण है। ऐसे में भारत को समग्र रणनीति बना कर ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगानी तथा सीमा सुरक्षा के साथ अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। वास्तव में, दुर्गम क्षेत्र को देखते हुए यह काम आसान नहीं है, लेकिन इसके बावजूद हमें आतंकवाद से मुकाबले की अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए ऐसी हर घटना का मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंचों व खासकर संयुक्त राष्ट्रसंघ में पाकिस्तान को अलग-थलग करने के साथ ही हमें अपना पक्ष सभी प्रमाणों के साथ रखना चाहिए। अब तक उकसावों के बावजूद भारत जम्मू कश्मीर में स्थिति सामान्य बनाने के प्रयासों में लगा हुआ है। सरकार के दृष्टिकोण में विकास पहलें, ढांचागत संरचनाओं में निवेश तथा शांति और स्थायित्व को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय समुदायों से संपर्क शामिल होनी चाहिए। आतंकियों से ज्यादा शक्ति और हाईटेक संसाधनों का प्रयोग कर निपटना होगा। सैनिकों की शहादत बेकार नहीं जानी चाहिए और हमें क्षेत्र में शांति व स्थायित्व के लिए कठोर प्रतिबद्धता से आगे बढ़ना चाहिए। सीमापार से आतंकवाद के प्रति पूर्ण असहिष्णुता की नीति पर चलते हुए हमें अपनी सीमाओं और जनता की सुरक्षा करनी होगी।

बीआरएस पर अस्तित्व का संकट

पार्टी के पास काफी पैसा होने के बावजूद बीआरएस के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। आंतरिक मतभेदों तथा घटते समर्थन के कारण स्थिति और गंभीर हुई है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

पार्टी के पास काफी पैसा होने के बावजूद भारतीय राष्ट्र समिति-बीआरएस के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। आंतरिक मतभेदों तथा घटते समर्थन के कारण उसकी स्थिति और गंभीर हुई है। पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति-टीआरएस के नाम से गठित पार्टी ने बाद में अखिल भारतीय पार्टी बनने के उद्देश्य से अपना नाम बदल कर भारतीय राष्ट्र समिति-बीआरएस कर लिया था। लेकिन वर्तमान समय में उसकी गिनती उन राजनीतिक पार्टियों में शामिल हो गई है जिनका असर तेजी से घट रहा है। महत्वाकांक्षी नेता के. चंद्रशेखर राव-केसीआर द्वारा गठित इस पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार अनेक समस्याओं से ग्रस्त रहा है। इसके साथ ही वह हालिया विधानसभा चुनाव में अपने मूल प्रदेश तेलंगाना में सत्ता में बने रहने में भी विफल रही है।

हालांकि, यह स्थिति अनेक अन्य राजनीतिक पार्टियों की भी है। ये पार्टियां और उनके नेता अधिकांशत: अपने राज्यों में सत्ता पाने में विफल रहे और राष्ट्रीय स्तर पर भी उनका असर लगभग समाप्त हो गया। बीआरएस के पतन की शुरुआत लोकसभा चुनाव से हुई जो 2024 के लोकसभा चुनाव में एक भी सीट पर विजय नहीं प्राप्त कर सकी। उसे लगा यह झटका अचानक और बहुत तगड़ा था। हालांकि 'पार्टी फंड' में लगभग 1000 करोड़ रुपये थे, लेकिन इसके बावजूद केसीआर के राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के विस्तार की उम्मीदें मिट्टी में मिल गईं। केसीआर ने अपनी पार्टी का नाम बदल कर 2022 में बीआरएस कर लिया। उन्होंने अपनी पार्टी के नाम से तेलंगाना हटा कर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की इच्छा से महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में उसकी शाखायें खोलीं, लेकिन अब ये इकाइयां बंद हो गई हैं।

बीआरएस से जुड़ी यह परिघटना इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि राजनीतिक परिदृश्य अचानक कैसे बदल जाता है। तेलंगाना में 2023 के विधानसभा चुनाव में पराजय के बाद कांग्रेस पिछले दस साल बहुत बुरी स्थिति में रही, जबकि अब वह राज्य की सत्ता में वापस आ गई है। अब बीआरएस को अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। 2024 में लोकसभा चुनाव के बाद अब पहली बार बीआरएस का लोकसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। लगभग दो दशकों तक तेलंगाना की राजनीति में वर्चस्व स्थापित कर चुकी पार्टी राज्य में लगभग एक दशक तक सत्ता में रही, पर लोकसभा चुनाव 2024 में उसका एकदम सफाया हो गया। बीआरएस के कई नेता पार्टी छोड़ कर तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

पिछले सप्ताह ही बीआरएस को उस समय एक धक्का और लगा जब बीआरएस विधायक ए. गांधी पाला बदल कर सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हो गए। इससे बीआरएस के पतन का पता चलता है। तेलंगाना में वर्तमान समय में सत्तारूढ़ कांग्रेस के पास 75 विधायक हैं जिनमें 65 कांग्रेस से, एक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-भाकपा से और 9 पूर्व बीआरएस सदस्य शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 2001 में केसीआर ने तेलगू देशम पार्टी-टीडीपी से इस्तीफा देने का ऐतिहासिक निर्णय किया था। उनका विश्वास था कि केवल अलग राज्य के गठन से ही तेलंगाना क्षेत्र के प्रति भेदभाव समाप्त किया जा सकता है जो मूल आंध्र प्रदेश में उसके प्रति व्याप्त था। अपनी इस सोच के कारण के. चंद्रशेखर राव ने आंध्र प्रदेश के विभाजन और अलग तेलंगाना गठन की मांग की। उन्होंने अपनी मांग के समर्थन में लंबा आंदोलन भी किया। टीआरएस का गठन अलग तेलंगाना प्राप्त करने के लिए किया गया था जो उस समय एक असंभव क्षेत्रीय महत्वाकांक्षा लगता था। उस समय उनकी आयु 47 वर्ष थी। उस समय टीडीपी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। 2004 में टीआरए कांग्रेस के साथ चली गई और उसने लोकसभा की पांच सीटों पर विजय पाई।

इसके बाद केसीआर को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-संप्रग सरकार में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री की जिम्मेदारी मिली। संप्रग सरकार का नेतृत्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह कर रहे थे। लेकिन अलग तेलंगाना राज्य के लिए केसीआर ने संसद के भीतर और बाहर अपना संघर्ष जारी रखा। 2009 में उन्होंने संसद में 'तेलंगाना विधेयक' पेश करने या अलग तेलंगाना गठन के लिए भूख हड़ताल शुरू की। कुछ दिनों के बाद केन्द्र सरकार ने उनकी मांगें मान लीं। 2014 में होने वाले आम चुनाव के कुछ दिन पहले संप्रग सरकार ने अलग तेलंगाना राज्य गठन की घोषणा कर दी। इसके बाद टीआरएस ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया। उसने लोकसभा में 11 सीटें जीतीं जो उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उसने राज्य में अपनी सरकार बनाई और मुख्यमंत्री के रूप में केसीआर ने राज्य की जनता को खुश करने के लिए अनेक नीतियां लागू कीं। लेकिन इसके बावजूद 2023 के विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस से पराजित हो गई।

इसके बाद 9 दिसंबर, 2022 को टीआरएस का नाम आधिकारिक रूप से बदल कर बीआरएस कर दिया गया। इसके साथ ही केसीआर की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षायें स्पष्ट हो गईं। उन्होंने शुरुआती दौर में राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा-विरोधी मोर्चा बनाने का प्रयास किया और नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल आदि नेताओं से बार-बार मुलाकातें कीं। लेकिन उनके इन प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकला और वे बाद में बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से बाहर रहे। अब बीआरएस राज्य से एक भी लोकसभा सीट जीतने में विफल रहा है और उसका मत प्रतिशत घट कर 16.69 प्रतिशत रह गया है।

स्पष्ट है कि अब पार्टी अस्तित्व पर संकट का सामना कर रही है। पिछले साल बीआरएस को राज्य में सत्ता से हाथ धोना पड़ा और उसके केवल 35 विधायक बने। बीआरएस प्रमुख ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को एकजुट करने के लिए संघर्ष किया, लेकिन वह दूसरे राज्यों में उम्मीदवार उतारने में विफल रही। केसीआर ने महत्वपूर्ण पद अपने बेटे, भतीजे और बेटी को सौंप कर 'वंशवादी' राजनीति का प्रयास किया, लेकिन इससे विवाद और गंभीर हो गया। इसे पार्टी के मूल सिद्धान्त के विपरीत तथा स्वेच्छाचारिता बढ़ाने का संकेत माना गया। अनेक अन्य तानाशाहों की तरह केसीआर भी नेतृत्व की दूसरी पंक्ति तैयार करने में विफल रहे, जबकि वे केवल अपने परिवार को बढ़ावा देने वाले नेताओं को छोड़ कर बाकी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से सत्ता तक पहुंचे केसीआर धीरे-धीरे सार्वजनिक जीवन से अलग हट गए। उन तक पहुंच आसान नहीं थी और वे मीडिया को पसंद नहीं करते थे। इस कारण उनके तथा अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं के बीच संपर्क समाप्त हो गया। केसीआर ने स्वयं को ऐसे लोगों से घिरने दिया जो महत्वहीन थे तथा केवल उनकी चाटुकारिता करते थे। इसके परिणामस्वरूप वे यथार्थ समझ नहीं सके और चाटुकार उनके समक्ष गलत तथ्य रखते रहे। जहां चंद्रबाबू नायडू को कम्मा समुदाय का समर्थन प्राप्त था, वहीं केसीआर को छोटे से वेलम्मा समुदाय के अलावा और किसी का समर्थन नहीं प्राप्त था। यह राजनीतिक अलगाव केसीआर के पतन का एक प्रमुख कारण था। इसके साथ ही उन पर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप थे। उनकी बेटी कविता अब 'दिल्ली शराब घोटाले' में कथित भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में है। इसके अलावा राज्य पर ध्यान देने के बजाय केसीआर राष्ट्रीय राजनीति में उलझने लगे तथा खुलेआम प्रधानमंत्री बनने की इच्छा से विपक्ष शासित राज्यों के दौरे करने लगे, लेकिन वे विफल रहे। इसके परिणामस्वरूप बीआरएस 2023 विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने में विफल रहे। उनको विश्वास था कि उनकी पार्टी अजेय है और वे अनेक अन्य तानाशाहों की तरह तेलंगाना पर अनंत काल तक शासन करते रहेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री रहते हुए केसीआर ने पालाबदल को बढ़ावा दिया। अब केसीआर ऐसे नेताओं में शामिल हो गए हैं जो एक समय प्रभावशाली थे, लेकिन अब संघर्ष कर रहे हैं। इनमें शरद पवार, लालू यादव, पलानीस्वामी, देवेगौड़ा, मायावती उद्धव ठाकरे व अन्य शामिल हैं। इस प्रकार राजनीति 'सांप सीढ़ी' के एक खेल की तरह है।

समावेशीयता व प्रगति पर जनसंख्या का प्रभाव

चूंकि विश्व की जनसंख्या 8 अरब के करीब पहुंच रही है, इसलिए स्थायित्व और प्रगति पर जनसंख्या गतिशीलता के प्रभाव का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो गया है।

अतुल सहगल
(लेखक प्रबंध परामर्शदाता हैं)

भारत की बढ़ती मानव आबादी के बारे में बहुत कुछ लिखा और बोला जा रहा है। बढ़ती आबादी के राष्ट्रीय अस्तित्व के लिए गंभीर दायित्व बनने के खतरे पर बहुत चिंता जताई जा रही है।

जनवरी 2024 में भारत की आबादी 1.44 बिलियन थी और वर्तमान में यह इससे थोड़ी अधिक हो सकती है। पिछले दशक के दौरान यह आबादी लगभग 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है। लोगों का कहना है कि जब तक जनसंख्या वृद्धि पर लगाम नहीं लगाई जाती, तब तक देश आर्थिक रूप से प्रगति नहीं कर सकता और विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। या, दूसरे शब्दों में, बड़ी आबादी राष्ट्रीय विकास और वृद्धि के लिए सबसे गंभीर अवरोधक है। यह कितना सच है और क्या इस चिंता की पुष्टि करने के लिए कोई ऐतिहासिक मिसाल है? जनसंख्या के विषय का विश्लेषण बड़े, वैश्विक परिप्रेक्ष्य से किया जाना चाहिए। दुनिया की आबादी आज 8 बिलियन के करीब है और पिछले 100 वर्षों में यह तीन गुना हो गई है। जनसंख्या को परिसंपत्ति या दायित्व मानने के बारे में मुख्य मुद्दा वैश्विक भौतिक संसाधनों के दोहन और उपयोग के वर्तमान प्रतिमानों और उन संसाधनों के स्वामित्व में भारी असमानता से संबंधित है।

मनुष्य अपनी इच्छा से बच्चे पैदा नहीं कर सकता है, जैसे कि किसी कारखाने में सामान का उत्पादन किया जाता है। मनुष्य केवल निचले जानवरों की तरह सहवास और मैथुन कर सकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की कथित प्रगति के बावजूद दुनिया के कई हिस्सों में प्रजनन क्षमता में कमी के तथ्य से यह साबित होता है। वैज्ञानिक और चिकित्सा पेशेवर प्रजनन कोशिकाओं के निषेचन की प्रक्रिया में मदद कर सकते हैं, लेकिन अपनी इच्छा से गर्भधारण नहीं कर सकते। यह तर्कपूर्ण है कि प्रकृति के कारखाने में एक अलौकिक, सर्वशक्तिमान इकाई की सूक्ष्म क्रिया द्वारा बच्चे पैदा होते हैं। आप उसे निर्माता या भगवान कह सकते हैं जो दुनिया और बड़े ब्रह्मांड का नियंत्रक और नियामक भी है। यह एक प्रमुख वैज्ञानिक तथ्य है यदि विज्ञान को किसी भी विषय के व्यवस्थित और तार्किक उपचार के रूप में सही ढंग से समझा जाए।

इसलिए जनसंख्या वृद्धि या गिरावट मनुष्य से अधिक ईश्वर का विषय है। यदि जनसंख्या वृद्धि अधिक है और मनुष्य को डर है कि यह मानव जीवन को अस्थिर बना देगा, तो उनके निर्माता को बेहतर पता है। वह जलवायु परिवर्तन, जंगल की आग, चक्रवात, बवंडर, भूकंप, बाढ़ और महामारी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के माध्यम से मनुष्यों को उनकी गलतियों का एहसास कराता है। ये समय-समय पर अत्यधिक जनसंख्या को संतुलित करने का काम करते हैं। यह स्वीकार करना होगा कि आधुनिक विज्ञान ने जानलेवा बीमारियों पर विजय पाने और मनुष्यों की दीर्घायु बढ़ाने के लिए बहुत कुछ किया है।

आज वैश्विक स्तर पर औसत जीवन प्रत्याशा 200 साल पहले की तुलना में लगभग दोगुनी है। लेकिन यह वृद्धि पर्यावरण की कीमत पर हुई है। हमने फसलों के लिए रासायनिक उर्वरकों का भरपूर उपयोग किया है, जिसने मिट्टी की गुणवत्ता और उर्वरता को कम कर दिया है। हमने रासायनिक, रिडक्शनिस्ट फॉर्मूलेशन-आधारित दवाओं और टीकों का भरपूर उपयोग किया है, जिनके गंभीर, छुपे हुए दुष्प्रभाव धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। लेकिन हम स्थिरता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाए बिना इसे अनंत काल तक नहीं कर सकते। आज, मनुष्य पहले की तरह वैश्विक भौतिक संसाधनों को नष्ट और लूट रहे हैं। वे पर्यावरण की कीमत पर मानवीय सुख-सुविधाओं को बढ़ा रहे हैं।

जीवन की गुणवत्ता की कीमत पर जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। संक्रामक रोगों का मुकाबला मजबूत रासायनिक दवाओं के माध्यम से किया जा रहा है, जबकि घातक रूप से पुरानी बीमारियों और नई बीमारियों को आमंत्रित किया जा रहा है, जो पहले कभी नहीं देखी गई थीं। मनुष्य अनजाने में ही अस्थिर अस्तित्व की स्थिति की ओर बढ़ रहा है। आइए हम अस्तित्व के प्रमुख आध्यात्मिक सत्यों पर वापस जाएं। ईश्वर सभी जीवन को नियंत्रित करता है। वह सभी ज्ञान का स्रोत है, जो वेदों नामक दिव्य रूप से प्रकट शास्त्रों में निहित है। ये शास्त्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित सभी ज्ञान का भंडार हैं।

वैदिक भजन घोषित करते हैं कि प्रत्येक मानव जोड़े को 10 बच्चे पैदा करने चाहिए। वही वेद मनुष्यों को कम से कम 100 साल तक स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने का आह्वान करते हैं।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में, मानव आबादी एक संपत्ति है, न कि एक दायित्व। हमें यह जानना चाहिए कि जनशक्ति का उत्पादक और फलदायी उपयोग कैसे किया जाए। यदि हम वैदिक विज्ञान के अनुसार कृषि और खाद्य उत्पादन के तरीकों का पालन करते हैं, ऐसे विज्ञानों पर आधारित तकनीकों का उपयोग करते हैं, तो हमें कभी भी मिट्टी की गुणवत्ता या उर्वरता से समझौता नहीं करना पड़ेगा और हम हर मौसम में भरपूर फसल पैदा कर सकते हैं।

हम इसे पूरी तरह से जैविक खेती के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं और अपने पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा कर सकते हैं। आयुर्वेद के सिद्धांतों का दृढ़ता से पालन करते हुए, हम सिंथेटिक रासायनिक दवाओं का सहारा लिए बिना स्वस्थ स्वास्थ्य और लंबी आयु सुनिश्चित कर सकते हैं। हमें बस इतना करना है कि आज देखी जा रही भारी धन असमानता को कम करने के लिए अपने जीवन जीने के तरीकों और प्रतिमानों को बदलना है, जहाँ वैश्विक आबादी के 20 प्रतिशत लोगों के पास वैश्विक संसाधनों का 80 प्रतिशत हिस्सा है।

लालच के तुच्छ तत्व पर आधारित पूंजीवाद द्वारा संचालित हमारी आत्म-प्रशंसा की प्रवृत्ति ने वर्तमान स्थिति को जन्म दिया है। जनसंख्या को एक संपत्ति माना जाना चाहिए और इसे एक संपत्ति माना जाएगा यदि हम अपने जीवन के प्रतिमानों को प्रकृति के साथ सरेखित करने के लिए बदलते हैं और हमारे प्राचीन वैदिक शास्त्रों में वर्णित पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाते हैं।

आप की बात

चन्नी की बयानबाजी

खालिस्तान-समर्थक अमृतपाल सिंह का जेल में रहते हुए चुनाव जीतना भारतीय लोकतन्त्र की कमजोरी है। यह चुनाव आयोग और संविधान की किसी कमजोर कड़ी की ओर भी संकेत करता है। अमृतपाल सिंह के समर्थन में बेशर्मी से संसद में कांग्रेसी सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की बयानबाजी अत्यन्त निंदनीय है। यह परोक्ष रूप से राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ के लिए खालिस्तान व उग्रवाद के समर्थन की तरह है। हालांकि, कांग्रेस ने स्वयं को अपने पूर्व मुख्यमंत्री के बयान से स्वयं को अलग किया, लेकिन क्या इतना काफी है? बात-बात में संसद में संविधान की प्रतियां लहराने वाले कांग्रेसी इस मामले पर खामोश क्यों हैं? क्या खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी चन्नी जैसे नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे? अतीत में भी कांग्रेस ने अकालियों का प्रभाव घटाने के लिए भिण्डरावाले जैसा भस्मासुर पैदा किया था जो बाद में इन्दिरा सरकार व भारत की अखण्डता के लिए गंभीर चुनौती बन गया था। कर खड़ा हो गया था। आपरेशन ब्लूस्टार, इंदिरा गांधी की हत्या तथा सिख नरसंहार अभी जनता की स्मृतियों से समाप्त नहीं हुए हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या संविधान के पीछे छिप कर कांग्रेस देश में अलग-अलग किस्म के भस्मासुर पैदा करना चाहती है?

- नरेन्द्र टोंक, मेरठ

कोचिंग सेंटरों पर लगाम

दिल्ली कोचिंग सेंटर हादसे में पुलिस ने 5 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिनमें स्टडी सर्किल की बिल्डिंग के मालिक के चार भाई भी शामिल है। इससे पहले पुलिस ने कोचिंग सेंटर के मालिक एवं उसके साथी को भी गिरफ्तार किया था। इसके अलावा इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अफसर पर भी सरकार द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इन दिनों कुकुरमुत्तों की तरह देश भर में कोचिंग सेंटरों की बाढ़ सी आई हुई है जो परीक्षओं में सफल होने की गारंटी लेकर छात्रों व उनके माता-पिता का शोषण करते हैं। अनेक कोचिंग सेंटर बिना मान्यता के चल रहे हैं जहां छात्रों को भारी संख्या में छोटे-छोटे कमरों में बैठाया जाता है तथा उनकी सुरक्षा की चिन्ता भी नहीं की जाती है। ऐसे अनेक मामलों में आग लगने या बिजली का करेंट उतरने के खतरे सामने आए हैं। इन कोचिंगों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की वस्तुओं की तरह मार्केटिंग की जाती है। छात्रों पर प्रतियोगिता का असाधारण बोझ डाल कर उनका सामान्य जीवन नष्ट किया जाता है। ऐसे में केन्द्रीय तथा राज्यों के शिक्षा विभागों को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिसमें प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए कोचिंगों की जरूरत ही न पड़े।

- मनमोहन राजावत, शाजापुर

राहुल की समझ

राहुल गांधी ने बजट पर बहस में बजट तैयार करने के पहले परंपरागत हलवा आयोजन का मजाक उड़ाते हुए चित्र दिखाया। उन्होंने कहा कि हलवा देश के 99 प्रतिशत प्रतिशत लोगों को नहीं मिलता केवल 3 प्रतिशत ही इसे पाते हैं। राहुल गांधी बार-बार देश की सर्वोच्च सत्ता से दलितों व ओबीसी के बाहर रहने का उल्लेख करते हैं, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि यह प्रवृत्ति तो उनके पूर्वज व देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय से शुरू हुई थी और कांग्रेस ने अपने पूरे शासनकाल में इसे बढ़ावा दिया। अनेक दस्तावेजों से स्पष्ट है कि नेहरू जातिगत आरक्षण के खिलाफ थे तथा महात्मा गांधी की दलितोद्धार संबंधी बैठकों में भाग लेने वाले अनेक कांग्रेसी लौट कर स्वयं को पवित्र करने के लिए अपने ऊपर गंगा जल छिड़कते थे। क्या राहुल गांधी यह बता सकते हैं कि कांग्रेस सरकारों ने कितने दलितों व ओबीसी को मौका दिया और क्या मोदी सरकार इस मामले में उनसे बेहतर नहीं है? संसद में अंबेडकर का चित्र तक न लगने देने वाली कांग्रेस आज राहुल के नेतृत्व में जो ढोंग कर रही है, उसे देश की जनता अच्छी तरह समझ रही है। लेकिन राहुल की समझ अभी-बालक बुद्धि से आगे नहीं पहुंची है।

शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

ओलम्पिक का महत्व

चार साल में एक बार होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए खिलाड़ी वर्षों तक परिश्रमपूर्वक तैयारी करते हैं। दुनिया के राग-रंग और मनोरंजन को त्याग कर सीधे लक्ष्य पर निगाहें रहती है। मनु भाकर को निशानेबाजी में मिले कांस्य पदक के पीछे भी ऐसा ही परिश्रम छिपा है। उम्मीद है कि इस ओलम्पिक में भारत अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। मेडल का फैसला तो कुछ घंटों में आ जाता है। मगर उनके पीछे छुपा श्रम सबको नजर नहीं आता है। हमारा देश आजादी के बाद से सिर्फ हॉकी में ही पदक प्राप्त करता रहा है। पिछले कुछ ओलंपिक से ही उसने अन्य खेलों पर ध्यान दिया है। इससे कभी मात्र एक कांस्य पदक लाने वाला देश आज दो अंकों में पदक लाने की क्षमता रखता है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विडंबना है कि ओलंपिक मैचों के दरमियान भी कोई क्रिकेट मैच आ रहा हो तो बड़ी संख्या में भारतीय दर्शक क्रिकेट ही देखते नजर आएंगे। शायद चीन के सर्वाधिक स्वर्ण पदक करने का राज भी यही है कि वहां क्रिकेट होता ही नहीं। ओलम्पिक का महत्व समझते हुए हमें सभी खेलों पर ध्यान देना होगा।

-विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

महिला सुरक्षा के लिए समाजवादी स्वयं एक गंभीर खतराः योगी

विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल सुरक्षा के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी पर किया बड़ा प्रहार

● कहा, महिला संबंधी अपराधों के मामलों में डायरेक्ट या इनडायरेक्ट समाजवादी पार्टी से जुड़े लोग ही इनवॉल्व

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान सभा में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर बोलते हुए समाजवादी पार्टी पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिला सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। इस गंभीरता का परिणाम है कि महिला और बाल अपराध से जुड़े मामलों में लगातार कमी आ रही है। अपराधियों के मन में कार्रवाई का भय है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के अंदर सरकार आने के बाद सबसे पहले हमने शोहदों पर लगाम कसने के लिए जो कार्रवाई की, एंटी रोमियो स्क्वाड इसका एक उदाहरण है। बताते हुए दुख होता है कि एंटी रोमियो स्क्वाड का जब गठन हुआ तब सबसे पहले इसका विरोध समाजवादी पार्टी ने ही किया था। ये बोलने में भी कोई संकोच नहीं है कि महिला संबंधी अपराधों के मामलों में डायरेक्ट या इनडायरेक्ट समाजवादी पार्टी से जुड़े लोग ही इनवॉल्व पाए जाते हैं। महिला संबंधी अपराध में ये उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसने कहा था कि लड़के हैं गलती कर देते हैं। ये लोग सुरक्षा की बात क्या करेंगे। महिला सुरक्षा के लिए ये समाजवादी खुद ही एक गंभीर खतरा हैं। इसलिए महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरह सचेत और सक्रिय है। हमारी सरकार प्रदेश में हर बेटी को और हर व्यापारी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला सुरक्षा से संबंधित एक प्रश्न का जवाब देते हुए सीएम योगी ने सदन में कहा कि महिला और बाल सुरक्षा से जुड़े मुद्दे दो प्रकार के होते हैं। एक घर के अंदर और दूसरा घर के बाहर। दोनों मुद्दों को ध्यान में रखकर सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। 2016 से तुलना करें तो सभी तरह के मामलों में कमी देखने को मिलेगी। 2016 की तुलना में दहेज जैसी घटनाओं के बारे में देखें तो 2023-24 के बीच में लगभग 17.5 प्रतिशत की कमी आई है। 2016 की तुलना में 2023-24 में बलात्कार की घटनाओं में 25.30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। 2017 से लेकर 2024 के बीच में जो नाबालिग बच्चे हैं , उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामलों में प्रदेश सरकार ने अपने प्रॉसीक्यूशन विंग को मजबूत किया है, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। इस दौरान 24 हजार 402 प्रकरणों में अभियुक्तों को अब तक सजा दिलाई जा चुकी है। 2017-24 के बीच पॉक्सो एक्ट में 9875 अभियोगों में सजा दिलाई गई है। 2022 से 2024 के मध्य महिलाओं के विरुद्ध पॉक्सो अपराध में 16,718 अभियुक्तों को सजा दी गई है, जिसमें 21 को मृत्युदंड, 17,013 को आजीवन कारावास, 4653 को दस वर्ष या उससे अधिक का कारावास और 10,331 को दस वर्ष से कम के कारावास की सजा दी गई है। सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में इस दिशा में कई अन्य प्रयास भी हुए हैं। इन्वेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफेंसेज को लेकर भारत सरकार ने जो अपना पोर्टल तैयार किया है उसको हमने 2018 में ही एक्टिव कर दिया है।

5 वर्षों में की महिला पुलिस कार्मिकों की दोगुनी भर्ती

सीएम योगी ने बताया कि 2020 से हमारी सरकार ने मिशन शक्ति के अभियान को आगे बढ़ाया है। इसके अंतर्गत पिछले 7 वर्ष में लगभग डेढ़ लाख पुलिस कार्मिकों की भर्ती की गई है। 2017 के पहले तक कुल 10 हजार महिला कार्मिकों की भर्ती हुई थी, जबकि 2017 से 2022-23 के बीच प्रदेश में 20 हजार से अधिक महिला पुलिस कांस्टेबल की भर्ती करने में सफलता प्राप्त हुई है। यानी आजादी के बाद 70 वर्षों में जितनी महिला पुलिस कार्मिकों की भर्तियां हुई थीं, उससे दोगुनी भर्ती महज 5 वर्षों में हमने की है। पुलिस की भर्ती में महिलाओं को 20 प्रतिशत हॉरिजेंटल रिजर्वेशन की व्यवस्था प्राप्त हो सके, इसको अनिवार्य रूप से लागू किया गया। लखनऊ, गोरखपुर और बदायूं में महिला पीएसी के गठन की कार्रवाई को आगे बढ़ाया। जो पुलिस कार्मिक महिलाएं भर्ती हुईं वो केवल ऑफिस या थाने तक ही सीमित न रहें, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा के साथ-साथ शासन की योजनाओं को उन तक पहुंचाने में भी सहयोगी बने, इसके लिए प्रदेश के अंदर 10 हजार से अधिक महिला बीट स्टेशन तैयार किए गए, महिला पिंक बूथ की स्थापना की गई। ये भी व्यवस्था की गई कि ये महिला बीट पुलिस अधिकारी मिशन शक्ति के अंतर्गत हर सप्ताह महिलाओं के पास जाएं और महिला संबंधी मुद्दों पर चर्चा करें। यही नहीं, मुद्दों के समाधान के साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, उनके स्किल डेवलपमेंट, उनके स्वावलंबन से संबंधित योजनाओं से महिलाओं को अवगत कराएं।

रसोइया, आंगनबाड़ी, बीसी सखी से जुड़ी महिलाओं को अतिरिक्त आय से जोड़ रही सरकार

परिषदीय स्कूलों में रसोईयों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय से जुड़े एक सवाल पर सीएम योगी ने फिर एक बार सपा पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि 2012 से 17 तक प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और तब रसोईयों को जो मानदेय मिलता था वो 500 रुपए से भी कम था। आप लोगों ने दूसरा अन्याय उनके साथ ये किया कि जिनके बच्चे नहीं पढ़ेंगे उनको सेवा से हटा दिया जाएगा, वहीं इनके चयन में भी भेदभाव होता था। हमारी सरकार ने 2022 में उनके मानदेय को न्यूनतम 2 हजार रुपए किया। इन सभी ने कोरोना कालकंड में अपनी सेवाओं के माध्यम से शासन की योजनाओं को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाने में अभिनंदनीय काम किया है। यही वजह है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री हों या आंगनबाड़ी सहयोगी हों, इन सब के मानदेय में वृद्धि भी की है और इन्हें टैबलेट से आच्छादित करने के साथ साथ अतिरिक्त आय का प्रावधान भी किया है। हमने प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंचायत सचिवालय का निर्माण किया है। इसका उद्देश्य ये है कि ग्रामीण क्षेत्रों में गांव को ही स्वावलंबी बनाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार किया जा सके। वहां पर कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में पंचायत सहायक रखा गया है। बीसी सखी रखी गई है, जो गांव के अंदर बैंकिंग लेनदेन का कार्य करती है। हमने 6 महीने के लिए उन्हें एक निश्चित मानदेय के साथ जोड़ा, लेकिन जब बैंक से उनका कमीशन बन गया तो वह अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। सुल्तानपुर की एक बीसी सखी अब तक साढ़े 15 लाख रुपए से अधिक का कमीशन प्राप्त कर चुकी है। पंचायत सहायक को भी हम 6 हजार रुपए प्रतिमाह देते हैं। साथ ही जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, खतौनी की नकल और अन्य सभी योजनाओं को जिनकी वह ऑनलाइन सर्विस उपलब्ध करा रहा है एक अतिरिक्त आय भी होती है।

अपराधियों को संरक्षण देने का काम करती है समाजवादी पार्टीः सुरेश खन्ना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सपा ने सरकार के प्रयासों को बताया नाकाफी

विधानसभा मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को एक बार फिर समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने प्रदेश में कानून व्यवस्था और महिला बाल अपराधों से जुड़े मामले को लेकर सरकार को घेरने का जबरदस्त प्रयास किया लेकिन यह दांव सपा को ही उल्टा पड़ गया। प्रश्न प्रहर में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय व रागिनी सोनकर सहित सपा के कई सदस्यों नें प्रदेश में बाल और महिला अपराधों पर अंकुश लगाने में सरकार को सरकार के प्रयासों को नाकाफी बताया। सपा सदस्यों का कहना था कि सरकार के दावों के बावजूद महिला और बाल अपराधों का ग्राफ बढ़ रहा है। अपराधियों में सरकार का कोई खौफ नहीं है। जिस समय सपा के सदस्य यह मामला सदन में उठा रहे थे उस समय नेता सदन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद थे। इसलिए इस मुद्दे पर नेता सदन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं जवाब देते हुए सबकी बोलती बंद कर दी।

प्रयागराज स्थित नैनी सेंट्रल जेल में बंद भाजपा के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया की रिहाई पर उठाए गए सवाल पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि बलिया में अवैध वसूली मामले में कार्रवाई हुई। योगी की सरकार अपराधियों को संरक्षण नहीं देने वाली है। कहा था मिट्टी में मिला देंगे तो मिला दिया। अपराधियों को संरक्षण देने का काम समाजवादी पार्टी करती है। यूपी में जीरो टॉलरेंस की जो नीति साल 2017 में शुरू हुई थी, वह आज भी कायम है।

हर घर जल योजना का 84.56 प्रतिशत कार्य हो चुका है पूराः स्वतंत्र देव

प्रश्न प्रहर में सपा के फहीम इरफान, अनिल प्रधान, कांग्रेस की आराधना मिश्रा मोना ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर-घर हर नल योजना पर सवाल करते हुए कहा कि नल के बिछने से पूर्व पाइप लाइन के खोदी जा रही गांवों की सड़कों का बुरा हाल है। इस पर जलशक्ति मंत्री स्वंत्रदेव सिंह ने कहा कि हर घर जल योजना का कार्य 84.56 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस साल इस योजना को शतप्रतिशत पूरा कर लिया जाएगा। जहां गांवों में गड्ढों की बात है तो उन्हे भी जल्द ही दुरूस्त कर लिया जाएगा।

सपा के समरपाल सिंह ने शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ाए जाने का मामला उठाया। जवाब में बेसिक शिक्षामंत्री संदीप सिंह ने कहा कि इस संबंध में सरकार के पास प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सपा के पंकज मलिक ने हर जिले में पृथक विद्यालय खोले जाने की योजना शुरू किए जाने की बात कही इस पर माध्यमिक शिक्षामंत्री गुलाब देवी ने कहा कि यह व्यवस्था पहले से ही जिलों में सचालित है। इसलिए अलग से इसकी व्यवस्था किए जाने कोई प्रस्ताव नहीं है।

अखिलेश और शिवपाल पर कसा तंज

सीएम योगी ने अखिलेश और शिवपाल पर तंज कसा। सदन की कार्यवाही के दौरान जब नव नियुक्त नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सीएम योगी से महिला सुरक्षा संबंधी मुद्दे पर जवाब मांगा तब सीएम योगी ने उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की बधाई देते हुए इशारों ही इशारों में अखिलेश यादव और शिवपाल यादव पर व्यंग्य बाण चला दिए। सीएम योगी ने सदन में व्यंग्य कसते हुए कहा कि आपके चयन के लिए बधाई देता हूं। ये अलग विषय है कि आपने चचा को गच्चा दे ही दिया। चचा बेचारा हमेशा ही ऐसे मार खाता है। उनकी नियति ही ऐसी है, क्योंकि भतीजा हमेशा भयभीत रहता है। दरअसल, सीएम योगी ने यह व्यंग्य इसलिए दिया, क्योंकि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव की जगह माता प्रसाद पांडेय को नेता प्रतिपक्ष के लिए चयनित किया। इसी पर उन्होंने शिवपाल यादव पर चुटकी ली।

योगी सरकार ने पेश किया 12 हजार 209 करोड़ 93 लाख का अनुपूरक बजट

● युवाओं के कौशल विकास और रोजगार पर फोकस, प्रदेश के विकास को लगेंगे पंख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश के विकास को और गति देने, युवाओं को कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने के लिए विधानसभा में मंगलवार को 12 हजार 209 करोड़ 93 लाख का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। यह बजट वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा के पटल पर रखा। इस दौरान उन्होंने बताया कि अनुपूरक बजट में राजस्व लेखा व्यय 4 हजार 227.94 करोड़ और पूंजी लेखा का व्यय 7,981.99 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित अनुपूरक बजट का आकार इस वर्ष के मूल बजट का 1.66 प्रतिशत है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अनुपूरक बजट में 7500.81 करोड़ औद्योगिक विकास, 2000 करोड़ ऊर्जा विभाग, एक हजार करोड़ परिवहन विभाग को नई बसें खरीदने के लिए बजट प्रस्तावित किया है। इसके साथ ही नगर विकास विभाग की अमृत योजना की सहायता के लिए 600 करोड़, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 200 करोड़, ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम के लिए 100 करोड़, माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत 284 राजकीय इंटर कॉलेजों में लैब की स्थापना के लिए 28.40 करोड़, 1040 राजकीय इंटर कॉलेज में आईसीटी लैब की स्थापना के लिए 66.82 करोड़ की व्यवस्था अनुपूरक बजट में की गयी है। इसके अलावा संस्कृति विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए 74.90 करोड़, अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए 53.85 करोड़ रुपए दिये हैं। इनमें आवासीय एवं अनावासीय भवनों के अनुरक्षण के लिए 2.79 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन समिति के गठन एवं योजना के संचालन के लिए 49.80 करोड़, विधानसभा सचिवालय के डाटा सेंटर के नवीनीकरण के लिए 3.25 करोड़, विधानसभा मंडप के डिजिटल कम्युनिकेशन सिस्टम और सहवर्ती उपकरणों के विस्तार के लिए 1.98 करोड़ और विधानसभा लाइब्रेरी परिसर में डिजिटल सीसीटीवी सर्विलांस व कैमरा प्रणाली की स्थापना, उपकरणों के विस्तार के लिए 2.45 करोड़ दिये हैं।

धर्मांतरण कानून के बहाने प्रदेश की जनता पर पुलिस राज थोपने की कोशिशः आराधना मिश्रा

● कांग्रेस नेता ने की धर्मांतरण कानून पर समयबद्ध न्यायिक आयोग बनाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस विधानमंडल दल नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना ने धर्मांतरण कानून में लाए गए संशोधन पर भाजपा योगी आदित्यनाथ सरकार को कटघरे में खड़ा किया है और इस कानून के बहाने लोगों के अधिकारों को समाप्त कर पुलिस स्टेट थोपने का आरोप लगाया है, और प्रदेश में हो रहे पेपर लीक पर भाजपा सरकार को घेरा है और नकल माफियाओं पर कार्यवाही में कानून का निष्पक्ष पालन न करने का आरोप लगाया है। आराधना मिश्रा मोना ने भाजपा की केंद्र सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट हर घर नल योजना की व्यावहारिकता पर सवाल उठाए हैं। और आज पेश किए गए अनुपूरक बजट पर चुटकी लेते हुए आराधना मिश्रा मोना ने इसे सिर्फ दिखावा करार दिया है और मुख्य बजट के खर्चे पर श्वेत पत्र लाने की मांग की है। भाजपा सरकार द्वारा लाए गए धर्मांतरण कानून को कटघरे में खड़ा करते हुए इसकी व्यावहारिकता पर सवाल उठाए और कहा कि इस कानून के बहाने भाजपा सरकार के द्वारा प्रदेश के लोगों पर पुलिस राज थोपने का प्रयास है। आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि इस संशोधन विधेयक में तमाम खामियां हैं जिसकी वजह से लोगों के जो मूल अधिकार है उनका हनन भी हो रहा है जिससे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान का भी अपमान हो रहा है हर व्यक्ति को अपनी बात, अपना पक्ष रखने का संवैधानिक अधिकार है लेकिन इस संशोधन विधेयक में एफआईआर लिखते ही तुरंत गिरफ्तारी का प्रावधान है और उस व्यक्ति की जमानत बिना सरकारी वकील को सुने रोकना न्याय विधान के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन है।

आपदा पीड़ितों का सहारा बनी राज्य सरकार, मदद के लिए खर्च कर रही 175 करोड़

लखनऊ। योगी सरकार ने विभिन्न आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए भारी भरकम रकम जारी की है। जिलों की मांग पर राज्य आपदा मोचक निधि से यह राशि आवंटित की गयी है। योगी सरकार ने जिलों की मांग पर कुल 175 करोड़ से अधिक की धनराशि जारी की गयी। इसमें से 120 करोड़ रुपये की धनराशि बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों, परिवार को राहत सहायता देने, कृषि निवेश अनुदान समेत अन्य राहत कार्यों के लिए पहले ही जारी कर दी गयी थी। इस मद में योगी सरकार ने 36 करोड़ से अधिक की धनराशि दोबारा जारी की है। इसमें सबसे अधिक 30 करोड़ रुपये लखीमपुर खीरी को दिए गए हैं। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दैवीय आपदाओं से पीड़ित लोगों की हरसंभव मदद के लिए काफी संवेदनशील रहते हैं। साथ ही आपदा ग्रस्त इलाकों की खुद मॉनीटरिंग के साथ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहते हैं। यही वजह है कि पिछले सात वर्ष में प्रदेश में आपदा के दौरान जनहानि और धनहानि में काफी कमी दर्ज की गयी है। साथ ही आपदा से प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता राशि प्रदान की जा रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न आपदाओं के लिए 175 करोड़ 40 लाख 77 हजार 392 रुपये जारी किये हैं। इसमें 6 जिलों (कासगंज, मेरठ, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, कानपुर नगर और मथुरा) को बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों, परिवार को राहत सहायता देने, कृषि निवेश अनुदान समेत अन्य राहत कार्यों के लिए 36 करोड़ 75 लाख 77 हजार 392 रुपये जारी किये गये हैं। इसमें सबसे अधिक धनराशि लखीमपुर खीरी को 30 करोड़, पीलीभीत को 4 करोड़, कासगंज को 1.25 करोड़, कानपुर नगर को एक करोड़, मेरठ को 50 लाख और मथुरा को 77 हजार 392 रुपये जारी किये गये हैं।

इंद्रप्रस्थनगर और पंतनगर में रजिस्ट्री व जायज कागजात वालों को मिलेगा मुआवजा : मुख्यमंत्री

● गलत नीयत से लाल चिन्ह लगाने वालों की तय होगी जवाबदेही

योगी ने कहा, लखनऊ को उसकी पहचान दिलाने के लिए अकबरनगर अब लक्ष्मण जी के नाम पर सौमित्र वन हो गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ के अकबरनगर इलाके में प्रदेश सरकार द्वारा अवैध कब्जेदारों पर की गई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा की ओर से पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में जवाब देते हुए एक बार फिर समाजवादी पार्टी को कठघरे में खड़ा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंत नगर और इंद्रप्रस्थनगर की कार्रवाई को हमने स्थगित करवाया है। एक भी व्यक्ति जिसने रजिस्ट्री की है और उसके पास जायज कागज हैं तो उसको हम वहां कंपनसेशन देंगे। लेकिन अगर आप देखेंगे तो गरीबों को ठगने वाले जितने भी भूमाफिया हैं, उनमें से ज्यादातर समाजवादी पार्टी से जुड़े हुए लोग ही थे। साथ ही, सीएम योगी ने ये भी कहा कि इंद्रप्रस्थनगर और पंत नगर में जिन लोगों ने लाल चिन्ह लगाए हैं, उन्होंने यह किस नीयत से किया है इसकी पूरी रिपोर्ट हमने तलब की है। अगर किसी ने गलत नीयत से किया होगा तो उसकी जवाबदेही भी तय होगी, लेकिन अगर सावधानीवश केवल चिह्नित करने के लिए किया गया है तो यह कुकरैल नदी के पुनर्व्यवस्थापन के लिए लोगों को सावधान करने के लिए है। सीएम योगी ने लखनऊ से विधायक रविदास मेहरोत्रा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि आप लखनऊ के इतिहास को जानते होंगे। लखनऊ में गोमती और कुकरैल नदी का संगम भी था। अकबरनगर 1984 के बाद से ही बसा है। इसमें ज्यादातर अवैध निर्माण था और यही कारण था कि यह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी टिक नहीं पाया। जिन लोगों को गलत तरीके से फर्जी कागजात दिखाकर रजिस्ट्री की थी, उन लोगों को हमने रिहैबिलिटेट किया है। अब अकबरनगर कोई नगर नहीं है, बल्कि अब वह सौमित्र वन हो गया है। लखनऊ को उसकी पहचान दिलाने के लिए भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण जी के नाम पर उसको सौमित्र वन बना दिया गया है। लखनऊ से सपा के विधायक को तो खुश होना चाहिए कि लखनऊ के लोगों ने आपको विधायक बनाया है और लखनऊ को हम नाइट सफारी दे रहे हैं। मतबल ये कि लाभ आप कमाएंगे और पैसा सरकार दे रही है।

आज आपको कुकरैल नदी नजर आएगी, नाला नहीं

उन्होने कहा कि पंत नगर और इंद्रप्रस्थनगर की कार्रवाई को हमने स्थगित करवाया है। हमने कहा है कि एक भी व्यक्ति जिसने रजिस्ट्री की है और उसके पास जायज कागजात हैं, उसको हम वहां कंपनसेशन देंगे और वो भी नदी को पुनर्जीवित करके। आप जाकर देखिए वहां पर कि कुकरैल नदी थी या नाला था। आपको आज के दिन पर नदी नजर आएगी, नाला नहीं। नदी पुनर्जीवन का अभियान पूरे देश के अंदर चल रहा है। हम बोलते तो हैं, जल ही जीवन है, लेकिन क्या इनको तबाह करके हम जीवन की कल्पना कर पाएंगे। गोमती नदी को लखनऊ में क्या बना दिया आपने। एक तरफ गोमती को मां कहते हो और दूसरी तरफ पूरी नदी को गंदा नाला में बदल दिया। उस नदी की पुर्नव्यवस्थापन की कार्यवाही के लिए किए जा रहे प्रयास के लिए आपको लखनऊ के विधायक के रूप में सरकार की सराहना करनी चाहिए।

उच्च सदन में विरोध स्वरूप वेल में धरने पर बैठ गए नेता प्रतिपक्ष

● सवाल पूछने से रोके जाने का लगाया आरोप, काफी मानमनौव्वल के बाद हुए शांत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान परिषद में मंगलवार को शून्यकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव अचानक नाराज हो गए और वेल में आकर धरने पर बैठ गए। उनका आरोप था कि उन्हें सवाल पूछने से रोका जा रहा है। सरकार सवाल पूछने में गतिरोध पैदा कर रही है। सभापति मानवेंद्र सिंह ने उनसे अपनी सीट पर बैठने की अपील की लेकिन वह नहीं उठे। सभापति ने कहा कि पूर्व में ऐसी कोई परंपरा नहीं रही है इसलिए वह अपनी सीट पर जाएं। इस घटनाक्रम के चलते उच्च सदन की कार्रवाई पंद्रह मिनट से अधिक समय तक प्रभावित रही। नेता प्रतिपक्ष का यह विरोध सपा की कार्यस्थगन की सूचना पर सवाल खड़े किए जाने पर हुआ। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर सवाल न पूछने देने का भी आरोप लगाया। इस दौरान नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष एक-दूसरे को सदन की परम्परा और नियमों का पाठ भी पढ़ाते रहे। शून्यकाल शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव सवाल पूछने के लिए खड़े हुए। सभापति ने उनको बैठने के निर्देश दिए। ऐसा कई बार हुआ तो लाल बिहारी ने कहा कि मैं नेता प्रतिपक्ष हूं। आप हर बार बैठा देते हैं। बोलने ही नहीं दिया जा रहा। सभापति ने कहा कि कोई भी सवाल नियमों के तहत उठाया जाएगा। लाल बिहारी ने कहा कि औचित्य का सवाल वह पूछ रहे हैं। सभापति ने कहा कि औचित्य का प्रश्न भी पहले से सूचित किया जाता है। व्यवस्था के प्रश्न पर आप पूछ सकते हैं। लाल बिहारी ने कहा कि अब वह नेता प्रतिपक्ष हैं। सिर्फ सपा के नेता नहीं हैं। शून्य काल में नेता प्रतिपक्ष कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। सभापति ने कहा कि नियम के तहत ही पूछ सकते हैं। इस पर लाल बिहारी सभी सपा सदस्यों के साथ वेल में आ गए और धरना देकर बैठ गए। करीब 10 मिनट के गतिरोध के बाद सपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र चौधरी ने नेता प्रतिपक्ष को हाथ पकड़ कर उठाकर उनकी कुर्सी तक लाए और उन्हें बैठने का अनुरोध किया। इसके बाद सपा ने कार्यस्थगन के तहत शिक्षा के गिरते स्तर का मुद्दा उठाया। इस पर नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि किसी एक विभाग का सवाल उठाएं। इसमें कई विभागों पर सवाल उठाए गए हैं। इस पर फिर तीखी बहस शुरू हो गई। सपा सदस्यों ने कहा कि विषय तो एक ही है शिक्षा का गिरता स्तर। सभापति ने भी कहा कि एक विभाग का ही सवाल पूछें। शिक्षक दल के नेता ध्रुव कुमार त्रपाठी और निर्दल समूह के राज बहादुर सिंह चंदेल ने कहा कि कार्यस्थगन में पहले किसी एक विभाग पर एक सदस्य बात कर लें। उसके बाद नेता प्रतिपक्ष ग्राह्यता पर कुछ भी बोल सकते हैं। उसके बाद वेल से वापस आकर सपा सदस्यों ने बेसिक शिक्षकों की डिजिटल हाजिरी, वित्तविहीन शिक्षकों के मानदेय, मदरसा शिक्षकों के मानदेय सहित कई मुद्दे उठाए। इस दौरान सदन में दोबारा करीब 10 मिनट तक सदन की कार्यवाही में गतिरोध बना रहा।

सदन में अलग अंदाज में नजर आ रहे सीएम योगी

● सपा विधायकों के सवालों पर दिखाया आईना, पूर्व सरकारों पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान सभा के द्वितीय सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है। सोमवार को सत्र के पहले दिन जहां कई विधायक उनके पैर छूते नजर आए थे तो वहीं दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने अपने तीखे और व्यंग्य भरे लहजे से विपक्ष के तेवर ही ढीले कर दिए। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में विपक्षी दलों के विधायकों के सवालों का जवाब देते हुए सपा पर तीखे वार किए और उनके समय की खस्ताहाल व्यवस्था की याद दिलाई तो वहीं नेता प्रतिपक्ष को बधाई देने के बहाने उन्होंने शिवपाल यादव और अखिलेश यादव पर भी व्यंग्य भरे तीर चलाए, जिसका असर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक देखने को मिला।

लोकसभा चुनाव में नतीजों के बाद सीएम योगी के तेवरों में नरमी की उम्मीद कर रहे विपक्षी विधायकों को जोर का झटका लगा। सीएम योगी के तेवर पहले से भी अधिक आक्रामक नजर आए। हालांकि, उनके शब्द व्यंग्य की चासनी में डूबे हुए थे। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के बहाने सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि आपको बधाई, लेकिन आपने भी आखिरकार चचा को गच्चा दे ही दिया। चचा बेचारा हमेशा ही मार खाता है। सीएम योगी द्वारा मुस्कुराकर दिए गए इस वक्तव्य पर पहले शिवपाल यादव को सदन में सफाई देनी पड़ी, जबकि दिल्ली में लोकसभा के बाहर अखिलेश यादव भी इस व्यंग्य पर निरुत्तर नजर आए। सीएम योगी ने अपने एक ही तीर से दोनों को निशब्द कर दिया।

इससे पहले, सीएम योगी ने सदन में महिला सुरक्षा को लेकर सपा पर प्रहार किया और यहां तक कह डाला कि महिला सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा तो स्वयं समाजवादी पार्टी से जुड़े लोग ही हैं। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और रसोइयों के मानदेय पर भी उन्होंने सपा को घेरते हुए उससे जुड़े भूमाफिया पर गरीबों को ठगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार ने गोमती नदी और कुकरैल नदी को नाला बना दिया। उन्होंने लखनऊ के विधायक रविदास मेहरोत्रा पर तंज कसते हुए ये भी कहा कि लखनऊ से विधायक तो आप हैं, लेकिन पैसा सरकार खर्च कर रही है। कुकरैल नदी के पुनर्व्यवस्थापन के लिए जो प्रयास सरकार कर रही है उसके लिए आपको हमारा धन्यवाद कहना चाहिए।

सोमवार को सत्र के पहले दिन ही सीएम योगी के प्रति विधायकों की श्रद्धा और आदर देखने को मिला था, जब वह विधानसभा पहुंचे और तमाम विधायक उनके पैर छूने पहुंच गए। इसमें सत्तारूढ़ दल के साथ ही कई विपक्षी विधायक भी शामिल रहे। इस दौरान कुंडा से विधायक राजा भैया ने भी सीएम योगी के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। यही नहीं, पहले दिन वह वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से शायरी करने के लिए आग्रह करते भी नजर आए और जब सुरेश खन्ना ने शायरी सुनाई तो सीएम योगी भी खिलखिलाकर हंस पड़े। उनका ये अंदाज पहले दिन ही चर्चा का विषय बना रहा।

सीडीओ की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के जिला टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न दिए निर्देश

- अक्टूबर तक निपुण बनाएं परियोजना द्वारा निर्धारित विद्यालय
- बिना मान्यता के कोई भी विद्यालय जनपद में संचालित ना हो अन्यथा की स्थिति में जिम्मेदार कार्यवाही के लिए रहे तैयार सीडीओ

कानपुर देहात। सीडीओ लक्ष्मी एन ने बेसिक शिक्षा विभाग की जिला टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में ली। बैठक में निर्देशित किया कि परियोजना द्वारा निर्धारित अक्टूबर माह में निपुण होने वाले सभी 452 विद्यालय शत प्रतिशत निपुण विद्यालय के रूप में घोषित हो। इसके लिए इन विद्यालयों की खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी एवं एआरपी साप्ताहिक समीक्षा करेंगे। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत जो भी भवन नवनिर्मित हैं उन्हें बेसिक शिक्षा विभाग को शीघ्र स्थानांतरित कर दिया जाए। जिन विद्यालयों में गंदगी झाड़ियां नाली चौक जैसी समस्या हो वह प्रत्येक सप्ताह अवगत कराएं। बीएसए सुनिश्चित करें कि बिना मान्यता के कोई भी विद्यालय जनपद में संचालित ना हो अन्यथा की स्थिति में व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय कर दी जाएगी।

मान्यता प्राप्त विद्यालयों के भी सभी मानक जांच लिए जाएं। बीआरसी में स्थापित आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लास का सदुपयोग करते हुए आसपास के विद्यालयों का रोस्टर बनाकर बच्चों को कंप्यूटर ज्ञान में दक्ष बनाया जाए। बीआरसी या विद्यालय में किसी भी प्रकार की निशुल्क पुस्तकों या निशुल्क दवाइयों का संग्रहण ना दिखाई दे अन्यथा पूरे विद्यालय स्टाफ पर कार्यवाही की जाएगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा खंड शिक्षा अधिकारी मनोज सिंह पटेल चंद्रजीत सिंह अजब सिंह संजय कुमार गुप्ता श्रीकृष्ण प्रेमी सपना सिंह अजीत प्रताप सिंह जिला समन्वयक सौरभ श्रीवास्तव अरुणेश सचान देशवीर सिंह अजय कुमार अश्वनी आनंद अमित दीक्षित विनय विश्वकर्मा राजीव कुमार एसआरजी अनंत त्रिवेदी संत कुमार दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

कौशल सुधार हेतु माटीकला शिल्पकारी में 15 दिवसीय, आवासीय प्रशिक्षण का अवसर

कानपुर देहात। उप्र माटीकला बोर्डए द्वारा इस वित्तीय वर्ष 2024-25 मे माटीकला से जुड़े परम्परागत कामगारों के कौशल सुधार हेतु माटीकला शिल्पकारी 15 दिवसीय, आवासीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन मण्डलीय प्रशिक्षण केन्द्र कालपी, जालौन में होगा, कानपुर देहात के 20 लाभार्थियों को माटीकला के विषय विशेषज्ञ का व्याख्यान एवं मास्टर ट्रेनर द्वारा कियात्मक प्रशिक्षण दिया जायेगा। डीएम के निर्देशन में उपरोक्त जानकारी देते हुए जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अखिलेश कुमार अग्निहोत्री ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यकम में माटीकला की कलात्मक, सौन्दर्यपरक, सजावटी, गृह उपयोगी वस्तुयें जैसे मूर्ति, मृदभाण्डों, मृण्मय सजावट/कसीदाकारी, सिरेमिक ध् चीनी मिट्टी की वस्तुओं के उत्पादन के साथ.साथ व्यवसाय स्थापित एवं संचालित करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

जिला कारागार का डीएम व एएसपी ने किया निरीक्षण

जिला कारागार में निरीक्षण करते डीएम व एएसपी।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। जिलाधिकारी सुभ्रांत कुमार शुक्ला व अपर पुलिस अधीक्षक डा. संसार सिंह द्वारा सम्पूर्ण कारागार का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कारागार के सभी अहातों की बैरकों में निरूद्ध बंदियो से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में पूछताॅछ की गयी, बैरकों की तलाशी करायी गयी, तलाशी के दौरान कोई निषिद्व वस्तु नहीं पायी गयी।

जनपदीय अधिकारियों द्वारा बंदियों से उनकी समस्याओं के सम्बन्ध में पूंछतांछ की गयी परन्तु किसी भी बंदी द्वारा कारागार से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की कोई समस्या नही बतायी गयी। कारागार में पर्याप्त सफाई पायी गयी। निरीक्षण के दौरान जेल की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े उपकरणों की क्रियाशीलता को देखा गया। अक्रियाशील कैमरों को तत्काल ठीक कराये जाने तथा कैमरों को प्रत्येक समय क्रियाशील रखे जाने व उनकी प्रत्येक समय मानीटरिंग करने के निर्देश दिये गये। अस्पताल में निरीक्षण के दौरान चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि वह बीमार बंदियों के उपचार में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही न बरती जाये।

कारागार में निरूद्ध वृद्ध व अशक्त बंदियों पर विशेष निगरानी रखे तथा उनका नियमित रूप से परीक्षण कर समुचित उपचार करना सुनिश्चित करे। निरीक्षण के दौरान जनपदीय अधिकारियों द्वारा कारागार को सुगमतापूर्वक संचालन हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान प्रभारी अधीक्षक/ कारापाल विजय कुमार शुक्ला, उपकारापाल रामबहाल दुवे, उपकारापाल उर्मिला सिंह, उपकारापाल आशादेवी पाण्डेय, चिकित्साधिकारी डा0 सुरेन्द्र चौधरी, प्रभारी मुख्य कार्यालय पंकज कुमार, जेल वार्डर भूपेन्द्र कुमार वर्मा के साथ सभी प्रशासनिक कर्मचारी उपस्थित थे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी को खारिज करने का राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

इंडिया गठबंधन आम आदमी पार्टी (घटक) ने आज राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन के माध्यम से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अवैध गिरफ्तारी को खारिज करके इलाज करने की मुकम्मल व्यवस्था की जाए तथा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग भी बंद करने की मांग की गई। सूत्रों के अनुसार इंडिया गठबंधन आम आदमी पार्टी (घटक) जिला अध्यक्ष इंजीनियर नीरज प्रताप शाक्य के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन आम आदमीपार्टी के करीब दर्जन से अधिक पदा धिकारियों ने जिला मुख्यालय फतेहगढ़ पहुंचकर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अवैध गिरफ्तारी एवं जेल में प्रताड़ित किए जाने के मामले से संबंधित जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन आज एक मजिस्ट्रेट को सौपा गया।

इस दौरान इंडिया गठबंधन आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष इंजी नियर नीरज प्रताप शाक्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरी वाल को शराब घोटाले के नाम पर राज नैतिक षड्यंत्र के तहत अवैध ढंग से जेल भेजा गया। उन्होंने दावा किया कि आज तक केजरीवाल के खिलाफ कोई भी सबूत ई डी, सीबीआई ,कोर्ट के समक्ष नहीं रख पाई। भाजपा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा, आम आदमी पार्टी की बढ़ती हुई लोकप्रियता से परेशान होकर पार्टी को ही खत्म करना चाहती है। उन्होंने केजरीवाल की अवैध गिरफ्तारी को तुरंत खारिज करके उन्हें ससम्मान रिहा किए जाने की मांग की। इस अवसर पर सपा अधिवक्ता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव, कांग्रेस के कौशलेंद्र सिंह यादव, अवनीश सिंह, लालाराम वर्मा जिला सचिव साहब सिंह साहब शाकय आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

सूखे के अंदेशे से अन्नदाताओं का कांप रहा कलेजा

- बारिश न होने से सूख रही धान की फसल
- जरौली पम्प केनाल से भी किसानों का नहीं हो पा रहा भला

असोथर, फतेहपुर। आसमान की ओर निहारते निहारते जुलाई माह भी समाप्त हो गया लेकिन बरखारानी की मेहरबानी नहीं हो सकी। खासकर सदर तहसील क्षेत्र में पर्याप्त बरसात न होने से धान की फसल सूखने की कगार पर है। मजबूर किसान इंजनों में डीजल फूंक कर फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। इससे लागत अधिक आने से किसान परेशान हैं। वहीं बिजली भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रही है। इससे सबमर्सिबल भी नहीं चल पा रहे हैं।

सदर तहसील क्षेत्र में 70 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई हो चुकी है लेकिन बारिश न होने से ज्यादातर फसल सूख रही है। पानी न मिल पाने से धान का उत्पादन प्रभावित होने की संभावना है। मानसून की बेरुखी के चलते बहुत से किसान तो रोपाई तक नहीं कर पाएं हैं। असोथर क्षेत्र में स्थापित जरौली पम्प केनाल से भी किसानों का भला नहीं हो पा रहा है। धान लगे खेतों की सिंचाई किसान नलकूप, नहर और अन्य संसाधनों से कर रहे हैं लेकिन अत्यधिक गर्मी पड़ने के कारण हर सप्ताह में खेत पानी मांग रहे हैं। ऐसे में सिंचाई के आभाव में खेतों में जगह जगह दरारें आ रही हैं।

पानी के आभाव में पैदावार होगी प्रभावित: किसानों की मानें तो यदि इस समय पानी न मिला तो पौधे की वृद्धि प्रभावित हो सकती है। इससे उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। महंगे डीजल और बिजली से सिंचाई करने में किसानों को बहुत अधिक राशि लगानी पड़ रही है। बिजली भी समय से नहीं मिल पा रही है तथा कटौती के साथ क्षेत्र में आपूर्ति सुचारू रूप से नहीं की जा रही है। इसकी वजह से फसल की सिंचाई करना किसानों के लिए नामुमकिन सा है। सस्ता डीजल और नहरों में पानी छोड़ने की मांग: किसान रविदेव सिंह, दिनेश सिंह, धर्मप्रकाश मौर्य, जयसिंह मौर्य, दुर्गेश मौर्य आदि ने बताया कि इस समय धान की फसल में कल्ले बनने की अवस्था में है। ऐसी परिस्थिति में खेत में नमी बनाए रखना अति आवश्यक है। डीजल महंगा होने के कारण सिंचाई करना मुश्किल हो रहा है। किसानों ने सरकार से सस्ता डीजल, पर्याप्त मात्रा में बिजली के साथ साथ सभी नहरों में हेड से लेकर टेल तक पानी पहुंचाए जाने की मांग की है।

सारे संसाधन दे रहे दगा: इस समय नहर में पानी भी नहीं आ रहा है। जरौली पंप कैनाल आए दिन बंद कर दिया जाता है। सुजानपुर रजबहे की हेड प्रत्येक दिन चार पांच बार कर्मचारियों द्वारा बंद कर देने से कुलाबे में पानी नहीं पहुंच पाता। इसके कारण किसानों की अधिकतर फसल सूखने की कगार पर है। यदि दो चार दिन और बारिश न हुई तो धान की फसल पूरी तरह सूख जाएगी।

एक्सप्रेस वे पर हुये हादसे में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के बेटा-बहू घायल

कन्नौज। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कार एक्सीडेंट में यूपी सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता उर्फ नंदी के बेटा और बहू घायल हो गए। सूचना मिलते ही जिले के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। यूपी सरकार के मंत्री नंद गोपाल नंदी के बेटे अभिषेक और बहू डॉ. कनिष्का कार पर सवार होकर आगरा से लखनऊ की ओर जा रहे थे। कार में पति-पत्नी ही मौजूद थे। जैसे ही उनकी कार तिर्वा थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या-194 पर पहुंची। तभी उनकी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर पलट गई। कार एक्सीडेंट में एक्सप्रेस-वे के डिवाइडर पर लगे बिजली के 3 खम्बे भी क्षतिग्रस्त हो गए। एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही डीएम सुभ्रान्त कुमार शुक्ला घटनास्थल पर पहुंच गए। जहां से दोनों को तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। यहां दोनों का इलाज करने के बाद उन्हें लखनऊ के पीजीआई रेफर कर दिया गया है।

क्विक न्यूज

भीषण गर्मी में बिजली कटौती पर लगी रोक, फिर भी घंटों कटौती

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में दिन हो या रात कटौती हो कर रहेगी नहीं मान रहे लाईन मेन घंटो के हिसाब से कर रहे हैं कटौती जसमई फीडर पर मोबाईल लोगों का सम्पर्क नहीं होते जबकि मुख्यमंत्री जी ने अपने विधायकों को निर्देश दिया की शहर की बिजली व्यवस्था को देखें पर ऐसा नहीं हो रहा है घंटे के हिसाब से कटौती हो रही है जिसमें लोगों को दिक्कत परेशानी हो रही है अगर कहीं पर फाल्ट हो रहा है तो पूरे फीडर की लाइट बंद कर देते हैं। मुख्यमंत्री ने कटौती रोकने के निर्देश दिए थे। ऐसे में बिजली की कटौती नहीं होनी चाहिए। भीषण गर्मी में शट डाउन लेकर (घोषित बिजली कटौती) कार्य कराने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नाराजगी जताने के बाद पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज ने 22 जून तक सभी प्रकार की घोषित बिजली कटौती पर रोक लगा दी है। घंटों तक बिजली कटौती रहती हैं इसी गर्मी यह हाल है। रात में सबसे ज्यादा बिजली व्यवस्था ख़राब है जसमई फीडर पर आती-जाती रहती है रात को 12 बजे से 1 बजे के बाद थोड़ी सी लाइट मिल पाती है। उसमें कई मोहल्ले आते हैं हैबतपुर गढ़िया कॉलोनी छोटा बंगशपूरा, बीबीगंज दाऊद खा, गढ़ी हाफिजउल्लाह बरहां बरखा दीवान मुबारक खंडिया कई गांव उसमें शामिल हैं।

काली नदी में कूदे अधेड़ का नहीं लगा सुराग

गुरसहायगंज (कन्नौज)। किसी बात से आहत होकर अधेड़ ने रामाश्रम में स्थित काली नदी में कूद गया। नदी किनारे अधेड़ की साइकिल व कपड़े मिलने पर नदी में डूबने की आशंका से पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीण गोताखोरों ने खोजबीन शुरू कर दी है। बीते सोमवार की शाम 06 बजे क्षेत्र के ग्राम संगुरा स्थित रिश्तेदारी में रह रहे 45 वर्षीय वीरेंद्र पुत्र राधेलाल किसी बात से आहत होकर साइकिल पर सवार होकर रामाश्रम में स्थित काली नदी के निकट पहुंचा और साइकिल करियर पर चप्पल व कपड़े रखकर कही गायब हो गया। ग्रामीणों ने काली नदी में कूदने की आशंका के चलते ग्रामीण गोताखोरों ने काली नदी में खोजबीन शुरू कर दी है।

प्रेमनगर में हुई लाखों की चोरी मे पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

कायमगंज फर्रुखाबाद। प्रेमनगर में एक घर में लाखों की चोरी मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। रविवार को नगर से सटे गांव प्रेमनगर निवासी अरविंद अपने परिवार समेत जनपद शाहजहांपुर के बारेकला स्थित अपनी ससुराल में बीमार ससुर को देखने गया था और घर में ताला लगा गए थे। जहां रविवार की रात शातिर चोरो ने घर व दुकान का ताला तोड़ दिया और वहां से बक्सों का ताला तोड़कर लाखों रुपए कीमत का पुस्तैनी सोना चांदी ले गए और दस हजार नकद भी चुरा ले गए। घटना को लेकर पुलिस ने जांच की थी। गृहस्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रक से सर्राफा दुकानदार की मौत, मुकदमा दर्ज

कायमगंज फर्रुखाबाद। कोतवाली में सर्राफा दुकानदार की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। सोमवार को नगर के मोहल्ला बजरिया निवासी रोहित वर्मा (35) पुत्र रमेश चन्द्र वर्मा बाइक से ब्राहिमपुर स्थित अपनी सराफा की दुकान पर जा रहा था। अलीगंज कायमगंज मार्ग स्थित रुटौल के पास ट्रक संख्या यूपी 81ईटी 5190 के चालक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगते ही वह गंभीर रूप से घायल हो गया और कुछ देर में ही मौत हो गई। पुलिस ने पिता की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफमुकद्मा दर्ज कर लिया है।

ट्रेन से गिरे अज्ञात युवक की हुई शिनाख्त

फतेहपुर। खागा व कनवार रेलवे स्टेशन के बीच तीन दिन पूर्व ट्रेन से गिरे 18 वर्षीय अज्ञात युवक की शिनाख्त मृतक के परिजनों ने पुलिस की सूचना के आधार पर पोस्टमार्टम हाउस में की। बिहार प्रांत के जिला नेवादा थाना बारसलीगंज गांव बागी बगिया जोगना निवासी गोरेलाल चौहान का पुत्र पवन 27 जुलाई को ट्रेन में बैठकर राजस्थान प्रांत के जयपुर जा रहा था। बताते हैं कि तभी खागा व कनवार रेलवे स्टेशन के बीच गिर गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया था। मृतक की जेब से मिली आईडी के आधार पर पुलिस ने घर वालो को सूचना दे दी।

ई-रिक्शा पलट जाने से युवक की मौत

फतेहपुर। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पहरवापुर के समीप ई-रिक्शा पलट जाने से कचेहरी आ रहे 38 वर्षीय युवक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उसे कानपुर के लिए रेफर कर दिया। जिसकी रास्ते में मौत हो गई। पहरवापुर गांव निवासी स्व. छत्रपाल का पुत्र संतोष सोमवार को दस बजे ई-रिक्शा में बैठकर तारीख में कचेहरी आ रहा था। जैसे ही ई-रिक्शा गांव से बाहर पहुंचा तभी ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। तभी संतोष गंभीर रूप से घायल हो गया। घर वाले उसे उपचार के लिए सदर अस्पताल लाए। चिकित्सक ने कानपुर के लिए रेफर कर दिया। कानपुर ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई।

ठोस और तरल कचरा प्रबंधन की नगरवासियों को दी जानकारी

संडीला (हरदोई)। नगर पालिका परिषद एवं दो अन्य संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से नगर में किए जा रहे ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन की जानकारी नगरवासियों को दी गयी। जूनियर हाई स्कूल में आयोजित इस मेगा ईवेंट में नगर के आईआर इंटर कॉलेजए मीरा बाई सरस्वती इंटर कॉलेजए गायित्री इंटर कॉलेजए पार्वती एवं रामप्यारी स्मारक विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा इस अवसर पर लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक तथा अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन मो0 रईस अंसारी ने बताया कि नगर में सफ़ाई और कचरा प्रबंधन के लिए डोर टू डोर कचरा एकत्रीकरण की योजना चल रही है। इसमें सूखा तथा गीला कचरा अलग अलग निर्धारित पॉट्स में ही डालने के साथ साथ कूड़ा सड़क अथवा खाली पड़े हुए प्लॉटों पर न डाला जाए क्योंकि कचरे के उचित प्रबंधन से ही नगर को स्वच्छ और निर्बल बनाया जा सकता है।

बाढ़ प्रभावित थारू क्षेत्र कीरतनगर पहुंची डीएम व एसपी लगाई चौपाल

- डीएम.एसपी ने अफसरों संग बाटी प्रभावित परिवारों को स्पेशल किट, खिले चेहरे

लखीमपुर खीरी। मंगलवार को अपने निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसपी गणेश प्रसाद साहा और सीडीओ अभिषेक कुमार संग तहसील पलिया की सूदूरवर्ती बाढ़ से प्रभावित थारू क्षेत्र कीरतनगर पहुंचीए जहा उन्होंने प्राथमिक विद्यालय में ग्राम चौपाल लगाई। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा में थारू जनजाति की युवतियों ने उनका पुष्पवर्षा कर स्वागतए अभिनंदन किया। ग्राम चौपाल का शुभारंभ डीएम.एसपी, सीडीओ ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलित कर की। विद्यालय की छात्रा सोनावती, खुशबू, अनुष्का, जयाकुमारी ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। संगम ग्रुप की थारू जनजाति की महिलाएं ने भी अपनी मनमोहक और शानदार प्रस्तुति दी। चौपाल का संयोजन एवं संचालन एसडीएम पलिया कार्तिकेय सिंह ने किया।

ग्राम चौपाल को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि उन्हें थारू समाज से मिलकर बेहद खुशी की अनुभूति हो रही है। आपके बीच आकर संवाद करना हमारा सौभाग्य है। थारु क्षेत्र की बालिकाओं व महिलाओं में भी अपार कौशल व कुशलता है। सरकार की ओर से जनजातियों को आर्थिक रूप से संपन्न बनाने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रस्तुत किए जाने वाली कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना की। कहा कि आज प्रदान की जाने वाली किट का सदुपयोग करें। इसमें शामिल पांचो वस्तुएं आपके लिए काफी उपयोगी है। एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अनिल कुमार ने भी इस सूदूरवर्ती गांव में आने और सभी से मिलकर खुशी जाहिर की। सीडीओ ने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को मदद पहुंचाने के लिए सरकारी किट के अलावा डीएम ने अभिनव पहल के तहत स्पेशल किट तैयार कराई है।

ठोस और तरल कचरा प्रबंधन की नगरवासियों को दी जानकारी

संवाददाता। संडीला (हरदोई)

पुरस्कृत करते चेयरमैन

नगर पालिका परिषद एवं दो अन्य संस्थाओं के संयुक्त प्रयास से नगर में किए जा रहे ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन की जानकारी नगरवासियों को दी गयी। जूनियर हाई स्कूल में आयोजित इस मेगा ईवेंट में नगर के आईआर इंटर कॉलेज, मीरा बाई सरस्वती इंटर कॉलेज, गायित्री इंटर कॉलेज, पार्वती एवं रामप्यारी स्मारक विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा इस अवसर पर लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक तथा अन्य प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

चेयरमैन मोहम्मद रईस अंसारी ने बताया कि नगर में सफ़ाई और कचरा प्रबंधन के लिए डोर टू डोर कचरा एकत्रीकरण की योजना चल रही है। इसमें सूखा तथा गीला कचरा अलग अलग निर्धारित पॉट्स में ही डालने के साथ साथ कूड़ा सड़क अथवा खाली पड़े हुए प्लॉटों पर न डाला जाए क्योंकि कचरे के उचित प्रबंधन से ही नगर को स्वच्छ और निर्बल बनाया जा सकता है।

इस कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी विजेता गुप्ता, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक राज गंमल सिंह, नपा के कई सभासद एवं सीडीसी और एचसीएल के पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रतिभाग करने वाली छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया।

स्वप्नदोष बीमारी नहीं, यह एक प्राकृतिक एवं सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है: डा. गिरिराज

शिक्षकों को जानकारी देते एमआरपी दिनेश

पुखरायां, कानपुर देहात। राष्टीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अमरौधा में स्कूल हेल्थ वेलनेस प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें परिषदीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को किशोरावस्था में होने बदलावों एवं समाज में फैले मिथकों की जानकारी दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमरौधा के चिकित्सक डा0 गिरिराज ने बताया कि स्वप्नदोष कोई बीमारी नहीं है। यह एक प्राकृतिक और सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है जिसमें सोते समय शुक्राणु का स्राव होता है। किशोरावस्था में ऐसा होना आम बात है। वहीं एमआरपी दिनेश यादव ने बताया कि महिलाओं में मासिक धर्म भी एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। लेकिन सांस्कृतिक रूप से भारत के कई हिस्सों में, मासिक धर्म को अभी भी गंदा और अशुद्ध माना जाता है।

खासकर हिंदू धर्म में, मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को सामान्य जीवन में भाग लेने से प्रतिबंधित किया जाता है। जबकि उसे अपने परिवार और जीवन के दिन-प्रतिदिन के कामों में लौटने से पहले शुद्ध होना चाहिए। इसलिए, इस धारणा के बने रहने का कोई कारण नहीं लगता कि मासिक धर्म वाली महिलाएं अशुद्ध होती हैं। कई लड़कियों और महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है, सिर्फ इसलिए कि वे मासिक धर्म से गुजर रही हैं। जिसमें शहरी लड़कियों के बीच पूजा कक्ष में प्रवेश न करना प्रमुख प्रतिबंध है। जबकि ग्रामीण लड़कियों के बीच रसोई में प्रवेश नहीं करना मुख्य प्रतिबंध है। मासिक धर्म वाली लड़कियों और महिलाओं को प्रार्थना करने और पवित्र पुस्तकों को छूने से भी प्रतिबंधित किया जाता है। इस मिथक का अंतर्निहित आधार मासिक धर्म से जुड़ी अशुद्धता की सांस्कृतिक मान्यताएं भी हैं।

डीएम-एसपी ने 207 प्रशिक्षणर्थियों को बाटे नि:शुल्क टूल किट, प्रमाण पत्र, खिले चेहरे

- डीएम बोली, जनजातीय क्षेत्र की इस पावनधरा पर मेरा कोटि कोटि प्रणाम

लखीमपुर खीरी। एकीकृत जनजाति विकास परियोजना प्रांगण चंदन चौकी के वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में मंगलवार को कौशल विकास के प्रशिक्षणर्थियों को नि:शुल्क टूल किट, प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसपी गणेश प्रसाद साहा सीडीओ अभिषेक कुमार के साथ दीप जलाकर कर किया। कार्यक्रम का संयोजन परियोजना अधिकारी यूके सिंह ने किया। आयोजित कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अभिषेक कुमार संग कंप्यूटर ट्रेड के 37, ब्यूटीशियन ट्रेड के 30, टेलरिंग ट्रेड के 50ए हैंडीक्राफ्ट ट्रेड के 50 एंब्रॉयडरी ट्रेड की 40 प्रशिक्षार्थियों को टूल किट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान शिक्षार्थियों के समक्ष उनको दी जाने वाली टूल किट सामग्री का अवलोकन कर गुणवत्ता भी देखी।

जनजाति क्षेत्र में महिलाए निभा रही सशक्त भूमिका, किट का इस्तेमाल कर बने आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी: डीएम

कार्यक्रम को संबोधित करतेहुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र की इस पावन धरा पर आपको मेरा कोटि कोटि प्रणाम! आप सबसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई। आज कीरतपुर गांव के पुरुषए महिलाओए बच्चोए बुजुर्गो से मिली हूं। आपको प्रमाणपत्र मिलना इस बात को प्रमाणित कर रहा कि ट्रेड कोर्स को मेहनत लगन से अर्जित किया। महिलाएं बालिकाएं काफी सजग, संघर्षशील और मेहनती है। जनजाति क्षेत्र में महिलाए सशक्त भूमिका निभा रही है। आज मिली किट का भरपूर इस्तेमाल करे। परंपरागत ज्ञान और संस्कृति को न छोड़े। इस ट्रेनिंग सेंटर पर कंप्यूटर, ब्यूटीशियन, टेलयरिंग, हैण्डीक्राफ्ट, इंब्राड्रेयरी ट्रेड के 207 प्रशिक्षणर्थियों ने ट्रेनिंग प्राप्त की, जिन्हे आज किट बाटी जा रही है। सभी प्रशिक्षणर्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्राप्त किट, ज्ञान का करे सदुप्रयोग: एसपी

एसपी गणेश प्रसाद साहा ने कहा कि आपका उत्साहए उमंग यह दर्शाता है कि नई डीएम के प्रति काफी आशान्वित है। आपमें प्रतिभाएं कूट.कूट कर भरी है। इस क्षेत्र में महिलाए कला और प्रतिभा से संपन्न है। आज का कार्यक्रम उसी उत्साह को बनाए रखने का एक माध्यम है। प्राप्त किट व प्राप्त ज्ञान का सदुप्रयोग करे।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि यह कोर्स आत्मनिर्भरता की ओर लेकर जाएगा। पैसों का महिलाएं सदुपयोग कर बच्चों को पढ़ानेए न्यूट्रिशन दे और भावी पीढ़ी को मजबूत करें। टूल किट आय के नए स्रोत विकसित करेगी। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाएं अन्य महिलाओं को जोड़कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाएं। शुरुआत में परियोजना अधिकारी यूके सिंह ने परियोजना क्षेत्र में आने वाले थारू जनजाति ग्रामों में किए जाने वाले विकास कार्यक्रमों को रेखांकित किया। आज आयोजित कार्यक्रम की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता भी बताई।

एकीकृत जनजाति विकास परियोजना प्रांगण चंदन चौकी में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसपी गणेश प्रसाद साहाए सीडीओ अभिषेक कुमार के साथ फलदार छायादार औषधि पोध का रोपण किया। इस दौरान एसडीएम कार्तिकेय सिंहए बीडीओ संगीता यादवए पीओ यूके सिंह ने भी पौधरोपण किया।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अभिषेक कुमार संग एकीकृत जनजाति विकास परियोजना में पहुंचकर परियोजना अधिकारी यूके सिंह से थारू क्षेत्र में संचालित योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, निर्माण कार्यों सहित क्षेत्र के शैक्षिक, आर्थिक व सामाजिक उन्नयन के लिए प्रशासनिक स्तर पर हुए प्रयासों की जानकारी ली।

भ्रामक विज्ञापन संबंधी शिकायतों को सार्वजनिक करने की व्यवस्था करे आयुष मंत्रालय: न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि आयुष मंत्रालय को एक डैशबोर्ड स्थापित करना चाहिए ताकि भ्रामक विज्ञापनों पर दर्ज शिकायतों और उन पर हुई प्रगति का विवरण उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा सके। न्यायालय ने इससे पहले मीडिया में प्रकाशित या प्रदर्शित किए जा रहे भ्रामक विज्ञापनों के पहलू पर प्रकाश डाला था, जो औषधि एवं चमत्कारिक उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के विपरीत हैं।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा कोविड टीकाकरण अभियान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति की छवि खराब करने का आरोप लगाया गया है। पीठ ने कहा कि प्राप्त शिकायतों पर की गई कार्रवाई के संबंध में उचित आंकड़ों के अभाव के कारण उपभोक्ता असहाय और अंधेरे में रह जाते हैं। इसने कहा, आयुष मंत्रालय को प्राप्त शिकायतों का उल्लेख करते हुए एक डैशबोर्ड स्थापित करना चाहिए... ताकि विवरण सार्वजनिक रूप से सामने आ सके।

शीर्ष अदालत को बताया गया कि कई राज्यों में भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित कई शिकायतें दूसरे राज्यों को भेज दी गई थीं, क्योंकि उन उत्पादों का निर्माण करने वाली कंपनियां वहीं स्थित थीं। पीठ ने कहा कि उपभोक्ताओं द्वारा की गई शिकायतों की संख्या, जो पहले 2,500 से अधिक थी, घटकर केवल 130 के आसपास रह गई है और इसका मुख्य कारण यह प्रतीत होता है कि ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए शिकायत निवारण तंत्र का उचित प्रचार नहीं किया गया है। संबंधित मंत्रालय को इस मुद्दे पर गौर करने और दो सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कहा।

शीर्ष अदालत की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस से संबंधित पहलू पर भी विचार किया। उत्तराखंड राज्य लाइसेंस प्राधिकरण (एसएलए) ने 15 अप्रैल को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित करने का आदेश जारी किया था। हालांकि, प्राधिकरण ने बाद में शीर्ष अदालत में एक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल किया, जिसमें कहा गया कि विवाद के मद्देनजर पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की शिकायतों की जांच करने वाली एक उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट के बाद निलंबन आदेश रद्द कर दिया गया है। 17 मई को, इसने कहा कि 15 अप्रैल के आदेश को रोक दिया गया और एक जुलाई को निलंबन आदेश रद्द कर दिया गया था। मंगलवार को सुनवाई के दौरान, आईएमए की ओर से पेश वकील ने निलंबन आदेश को रद्द करने के बारे में पीठ को बताया। पीठ ने पूछा, मौजूदा स्थिति क्या है? उत्तराखंड की ओर से पेश वकील ने कहा कि एक जुलाई के आदेश के बाद, पतंजलि को एक नया नोटिस जारी किया गया था और एसएलए को 19 जुलाई को पतंजलि से जवाब मिला। जब राज्य के वकील ने कहा कि उन्होंने मामले में कानूनी राय मांगी है, तो पीठ ने पूछा, उन्हें सुनने के बाद मामले को खत्म करने के लिए, आपको कितना समय चाहिए? इसने राज्य को अगली सुनवाई की तारीख से पहले कारण बताओ नोटिस के अनुसरण में आदेश पारित करने और इसकी सूचना पतंजलि को देने को कहा।

राष्ट्रपति मुर्मू 2-3 अगस्त को राज्यपालों के सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो और तीन अगस्त को राज्यपालों के सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें तीन आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन, उच्च शिक्षा में सुधार और आदिवासी क्षेत्रों में विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह राज्यपालों का पहला सम्मेलन होगा जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति करेंगी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्रियों के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कैबिनेट सचिवालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन के एजेंडे में तीन आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन, उच्च शिक्षा में सुधार एवं विश्वविद्यालयों की मान्यता तथा आदिवासी क्षेत्रों, आकांक्षी जिलों और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

जम्मू में आतंकवाद निरोधक अभियान के दौरान हिजबुल मुजाहिदीन का एक आतंकवादी गिरफ्तार

भाषा। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पुंछ, राजौरी, किश्तवाड़ और डोडा जिलों के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार को सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए तलाश अभियान के दौरान हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा निवासी अब्दुल खलील को आतंकवाद निरोधक अभियान के दौरान पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि खलील के पास से एक पिस्तौल और कुछ गोला-बारूद बरामद किए गए। खलील, प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों की सीमा पार से घुसपैठ कराने के दौरान मार्गदर्शक के तौर पर काम करता था। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आतंकवादी के पास से एक मोबाइल फोन और कई पाकिस्तानी सिम कार्ड जब्त किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पुंछ के देहरा की गली इलाके में दो संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने करीब छह गांवों में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि सोमवार देर रात देहरा की गली के पास सलामपुरा गांव में काले कपड़े पहने दो हथियारबंद संदिग्ध घूमते देखे गए थे।

सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की मदद से संयुक्त अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध आतंकवादियों को निचले पंगाई इलाके की ओर बढ़ते देखा गया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान जारी है, लेकिन संदिग्धों का पता फिलहाल नहीं लगा है।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने मंगलवार की सुबह पुंछ के सुरनकोट इलाके के सनाई, जंगल, पट्टन और आसपास के गांवों तथा किश्तवाड़ जिले के द्राबशल्ला इलाके के बांगर-सरूर जंगल में तलाश अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि डोडा के देसा और आसपास के जंगलों तथा राजौरी जिले के लाम और नौशेरा सेक्टर के सीमावर्ती इलाकों में भी तलाश अभियान शुरू किया गया।

ईडी ने आभूषण कंपनी के प्रवर्तकों व पूर्व सांसद के खिलाफ की शिकायत

नागपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी के मामले के संबंध में यहां एक अदालत में पूर्व सांसद ईश्वरलाल जैन और उनके बेटे व पूर्व विधान पार्षद मनीष जैन सहित आभूषण की तीन कंपनियों तथा उनके प्रवर्तकों के खिलाफ अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) दाखिल की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) से संबंधित मामलों की सुनवाई करने वाली नागपुर की एक विशेष अदालत में केंद्रीय जांच एजेंसी ने 26 जुलाई को अभियोजन शिकायत दाखिल की थी।

ईडी ने अदालत ने अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लिया है। ईडी ने तीन आभूषण फर्मों राजमल लखीचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लि., आर एल गोल्ड प्राइवेट लि., मनराज ज्वैलर्स प्राइवेट लि. और उनके प्रवर्तकों/ निदेशकोंजमानतदारों, ईश्वरलाल जैन, मनीष जैन और अन्य के खिलाफ अभियोजन शिकायत दी है। अविभाजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष और राकांपा-शरदचंद्र पवार के प्रमुख शरद पवार के करीबी सहयोगी ईश्वरलाल जैन राज्यसभा के पूर्व सदस्य रहे हैं जबकि उनके बेटे मनीष जैन महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य रहे हैं। ईडी ने सीबीआई द्वारा दर्ज तीन प्राथमिकियों के आधार पर जांच शुरू की। आभूषण कंपनियां और उनके निदेशकाप्रवर्तक आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक कदाचार जैसे अपराधों में शामिल थे और उन्होंने जानबूझकर भारतीय स्टेट बैंक से लिए ऋण का भुगतान नहीं किया, जिससे बैंक को 352.49 करोड़ रुपए (इस राशि पर ब्याज सहित) का नुकसान हुआ। ईडी ने कहा कि जांच के अनुसार, प्रवर्तकों ने ऋण प्राप्त करने के लिए फर्जी वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए और वित्तीय विवरण को बढ़ाने के लिए लेन-देन में हेरफेर भी की। साथ ही कंपनियों के लेखा परीक्षकों के साथ मिलीभगत कर रियल एस्टेट संपत्तियों में निवेश के लिए ऋण की आय को निकालने के लिए फर्मों के खातों की पुस्तकों में फर्जी बिक्री खरीद लेनदेन दर्ज कराए। पिछले वर्ष ईडी ने राजमल लखीचंद समूह के महाराष्ट्र में जलगांव, नासिक और ठाणे समेत 13 आधिकारिक और आवासीय परिसरों पर छापे मारे थे। इस दौरान 24.36 करोड़ के सोना, चांदी, हीरे के आभूषणासोना-चांदी व 1.21 करोड़ की नकदी जब्त की व अन्य अभियोजन योग्य कागजात बरामद किए थे।

नाजुक हिमालई पारिस्थितिकी के लिए सुरंग पार्किंग नुकसानदेह: पर्यावरणविद

उत्तरकाशी। गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में एक-एक सुरंग पार्किंग के निर्माण की उत्तराखंड सरकार की घोषणा पर चिंता व्यक्त करते हुए एक पर्यावरणविद ने मंगलवार को कहा कि हिमालय की संवेदनशील पारिस्थितिकी के लिए यह ठीक संकेत नहीं है। चारधाम यात्रा और पर्यटक सीजन में यातायात की समस्या के समाधान के लिए राज्य में टिहरी, पौड़ी, नैनीताल और उत्तरकाशी जिलों में कुल 12 सुरंग पार्किंगों के निर्माण का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि साल दर साल उत्तराखंड आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बढ़ रही संख्या और उसके लिए आधारभूत संरचनाओं के विकास के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है।

उत्तरकाशी के डीएम मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि जिले में बनने वाली दो सुरंग पार्किंग गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में प्रस्तावित हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लि. (एनएचआईडीसीएल) ने गंगोत्री में मंदिर से करीब चार किलोमीटर दूर सुरंग पार्किंग के निर्माण के लिए जमीन का चयन कर लिया है जबकि यमुनोत्री में स्थान चयन के लिए दो जगहों पर सर्वेक्षण किया जा रहा है। बिष्ट ने बताया कि जिला प्रशासन ने चारधाम यात्रा और भारत-चीन सीमा से नजदीकी के कारण उस स्थान के रणनीतिक महत्त्व को देखते हुए गंगोत्री में सुरंग पार्किंग परियोजना का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा था। गंगोत्री में सुरंग पार्किंग के निर्माण के लिए एनएचआईडीसीएल को 77 लाख रुपए की शुरूआती राशि उपलब्ध करा दी गई है। जल विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता विनीत रस्तोगी ने कहा कि प्रत्एक सुरंग पार्किंग में एक समय में 400 वाहनों को खड़ा करने की व्यवस्था होगी। रस्तोगी ने कहा कि देश में अपनी तरह की पहली इस प्रकार की सुरंग पार्किंग के निर्माण से चारधाम यात्रा मार्ग पर यातायात का दवाब कम होगा। उत्तरकाशी में रहने वाले पर्यावरणविद सुरेश भाई ने कहा कि पहाड़ों में सुरंग पार्किंगों का प्रस्तावित निर्माण उपभोक्तावादी विकास है जो क्षेत्र की नाजुक हिमालई पारिस्थितिकी के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा, यह उपभोक्तावादी विकास है। उत्तरकाशी में पिछले 30 सालों में 33 भूकंप आ चुके हैं जिनकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर पांच से ज्यादा थी। भूकंप और आपदाओं की दृष्टि से यह क्षेत्र बहुत संवेदनशील है। इसलिए पहाड़ों को सुरंग खोदकर कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। सुझाव दिया कि बहुमंजिला ओवरब्रिज पार्किंग एक अधिक सुरक्षित विकल्प हो सकता है। सुरेश भाई ने कहा, इसकी बजाय दो, तीन या चार मंजलों की ओवरब्रिज पार्किंग बनाई जानी चाहिए। इन सुरंग पार्किंगों को बनाने के लिए खोदी जाने वाली मिट्टी भी गंगा और यमुना में डाली जाएगी जो इन नदियों को प्रदूषित करेगी। सुरेश भाई ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग हादसा, जिसमें 41 जिंदगियां 17 दिन फंसी रही थीं, उसे अधिकारियों को एक सबक की तरह देखना चाहिए। आपदाओं के प्रति क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए इस प्रकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए स्थान का चयन बहुत सतर्कता से करने की जरूरत है। जोखिम की संभावनाओं को न्यूनतम करने के लिए सभी प्रकार की एहतियात बरती जानी चाहिए।

राज्यों की बार काउंसिल वकीलों के पंजीकरण के लिए अत्यधिक शुल्क नहीं ले सकती : न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि राज्य बार काउंसिल विधि स्नातकों का वकील के रूप में पंजीकरण करने के लिए अत्यधिक शुल्क नहीं ले सकतीं, क्योंकि यह हाशिए पर पड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के खिलाफ व्यवस्थागत भेदभाव को बढ़ावा देता है। पीठ ने कहा कि समानता के लिए गरिमा अत्यंत महत्वपूर्ण है और राज्य बार काउंसिल (एसबीसी) और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) संसद द्वारा निर्धारित राजकोषीय नीति में परिवर्तन या संशोधन नहीं कर सकतीं।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि बार काउंसिल अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करती हैं और वे सामान्य एवं अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) श्रेणी के विधि स्नातकों का वकीलों के रूप में पंजीकरण करने के लिए क्रमशः 650 रुपए और 125 रुपए से अधिक शुल्क नहीं ले सकतीं। शीर्ष अदालत ने राज्य बार काउंसिल द्वारा लिए जा रहे अत्यधिक शुल्क को चुनौती देने वाली 10 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। न्यायालय ने 22 मई को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाओं में यह आरोप लगाया गया था कि ओडिशा में पंजीकरण शुल्क 42,100 रुपए, गुजरात में 25,000 रुपए, उत्तराखंड में 23,650 रुपए, झारखंड में 21,460 रुपए और केरल में 20,050 रुपए है, जबकि अधिवक्ता अधिनियम की धारा 24 के तहत 650 रुपए और 125 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। पीठ ने कहा, एसबीसी और बीसीआई निर्धारित पंजीकरण शुल्क और स्टाम्प शुल्क (यदि कोई हो) के अलावा किसी अन्य शुल्क के भुगतान की मांग नहीं कर सकतीं।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, किसी व्यक्ति की गरिमा में उसकी अपनी क्षमता का पूर्ण विकास करने का अधिकार, अपनी पसंद का पेशा अपनाने और आजीविका कमाने का अधिकार शामिल है। ए सभी चीजें व्यक्ति की गरिमा के अभिन्न अंग हैं। न्यायालय ने कहा कि पंजीकरण के लिए पूर्व शर्त के रूप में अत्यधिक पंजीकरण शुल्क एवं अन्य विविध शुल्क वसूलना कानूनी पेशे में प्रवेश में बाधा उत्पन्न करता है।

उसने कहा, पंजीकरण की पूर्व शर्त के रूप में अत्यधिक शुल्क लगाना उन लोगों की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, जो कानून के क्षेत्र में अपने करियर को आगे बढ़ाने में सामाजिक और आर्थिक बाधाओं का सामना करते हैं और यह हाशिए पर पड़े एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों के खिलाफ प्रणालीगत भेदभाव को कानूनी पेशे में समान भागीदारी को कमजोर करके प्रभावी तरीके से बरकरार रखता है।

पीठ ने मौजूदा पंजीकरण शुल्क संरचना को मौलिक समानता के सिद्धांत के विपरीत मानते हुए एसबीसी और बीसीआई से यह सुनिश्चित करने को कहा कि शुल्क विभिन्न मदों की आड़ में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कानून का उल्लंघन नहीं करे। उसने हालांकि, कहा कि यह फैसला भावी रूप से लागू होगा और एसबीसी को अब तक लिया गया अतिरिक्त शुल्क वापस करने की आवश्यकता नहीं है। उसने कहा कि बार निकाय विधि स्नातकों का वकील के रूप में पंजीकरण के बाद उन्हें प्रदान की जाने वाली अन्य सेवाओं के लिए शुल्क ले सकते हैं।

पीठ ने कहा, एसबीसी द्वारा पंजीकरण के समय धारा 24 (1) (एफ) के तहत कानूनी प्रावधान से अधिक शुल्क और प्रभार वसूलने का निर्णय संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और 19, । (जी) (पेशा अपनाने का अधिकार) का उल्लंघन है। शीर्ष अदालत ने 10 अप्रैल को याचिकाओं पर केंद्र, बीसीआई और अन्य राज्य बार निकायों को नोटिस जारी किया था और कहा था कि उन्होंने एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया है।

स्कूल में प्रार्थना के बाद कसरत के दौरान 12 बच्चे बेहोश, अस्पताल में भर्ती

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में मंगलवार सुबह एक स्कूल में प्रार्थना के बाद कथित रूप से दो बार कसरत और योगासन के लिए मजबूर किए जाने के कारण 12 बच्चे बेहोश हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एटा जिले के मलावन थाना क्षेत्र के हरचंदपुर में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में हुई। डीएम प्रेम रंजन सिंह के अनुसार, स्कूल में सुबह प्रार्थना के बाद कसरत करने के दौरान कुछ बच्चे बेहोश हो गए। प्रधानाचार्या संध्या शरण ने उन्हें मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। सिंह ने बताया कि ऐसा आरोप है कि बच्चों से उमस भरी गर्मी में जबरन दो बार कसरत और योगासन कराया गया, जिससे यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि आरोप की पड़ताल की जा रही है और बच्चों की जांच के लिए एक मेडिकल टीम स्कूल भेजी गई है। सिंह ने बताया कि फिलहाल 12 छात्र अस्पताल में भर्ती हैं।

न्यायालय ने राकांपा नेता नवाब मलिक को चिकित्सा आधार पर जमानत दी

धनशोधन मामला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन के एक मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को मंगलवार को चिकित्सा आधार पर जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने मलिक की ओर से पेश वकील की दलीलों पर गौर किया कि वह विभिन्न बीमारियों से जूझ रहे हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि मलिक को चिकित्सा आधार पर दी गई जमानत बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष नियमित जमानत याचिका के निपटारे तक वैध होगी।

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जमानत का विरोध नहीं किया और कहा कि अंतरिम चिकित्सा जमानत को स्थाई किया जा सकता है। मलिक को अगस्त 2023 में प्रदान की गई चिकित्सा जमानत को समय समय पर बढ़ाया जाता रहा है। मलिक ने बंबई उच्च न्यायालय के 13 जुलाई 2023 के आदेश के खिलाफ शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। उन्हें ईडी की जांच वाले इस मामले में चिकित्सा आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया था। उच्चतम न्यायालय ने पहले कहा था कि मलिक किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं और 11 अगस्त 2023 के बाद से उनकी स्थिति में सुधार नहीं आया है। मलिक को तब दो महीने के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी। ईडी ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके साथियों की गतिविधियों से कथित तौर पर जुड़े मामले में फरवरी 2022 को मलिक को गिरफ्तार किया था। मलिक ने राहत मांगते हुए दावा किया था कि वह किडनी की बीमारी के अलावा कई अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। मलिक के खिलाफ वैश्विक आतंकवादी और 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के मुख्य आरोपी दाऊद इब्राहिम तथा उसके साथियों के खिलाफ एनआईए द्वारा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के तहत दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है।

पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे बंगाल विधानसभा अध्यक्ष को हटाया जाना चाहिए: शुभेंदु अधिकारी

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को सदन के अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय पर कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की। भाजपा नेता ने प्रधान सचिव को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के इशारे पर विपक्षी दल द्वारा पेश किए गए सभी स्थगन प्रस्तावों को मनमाने ढंग से अस्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा रखे गए प्रस्तावों का उद्देश्य लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना है।

अधिकारी ने कहा कि बंद्योपाध्याय अध्यक्ष की भूमिका की आलोचना होने पर विपक्ष के सदस्यों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बंद्योपाध्याय सरकार की अक्षमता को छिपाने के लिए अपनी विवेकाधीन शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं। अधिकारी ने विपक्ष के सदस्यों के भाषणों के अंशों को बिना किसी वैध कारण के हटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अध्यक्ष सदन के नियमों और प्रक्रियाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं और उनकी गलत व्याख्या कर रहे हैं। इस बीच, अध्यक्ष ने कहा, अगर विपक्ष मेरे खिलाफ कोई अविश्वास प्रस्ताव पेश करता है तो वह इस पर टिप्पणी करेंगे।

नंदीग्राम से विधायक अधिकारी ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नीति आयोग जैसे संगठनों की आलोचना करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अनुरोध पर विधानसभा अध्यक्ष ने अंतिम समय में असूचीबद्ध मामलों पर चर्चा की अनुमति दी लेकिन वे विपक्ष को राज्य में युवाओं और महिलाओं पर अत्याचार जैसे मुद्दों पर प्रस्ताव लाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं।

अधिकारी ने दावा किया, यह सरकार शिक्षक भर्ती घोटाले, चावल घोटाले, मवेशी घोटाले और रेत घोटाले में फंसी हुई है। तृणमूल कांग्रेस के कई नेता और मंत्री वर्तमान में जेल में हैं। लेकिन, विपक्ष को सदन में ऐसे मुद्दे उठाने की अनुमति नहीं है। अधिकारी ने बंद्योपाध्याय पर छह तृणमूल विधायकों के शपथग्रहण में राज्यपाल की भूमिका को नजरअंदाज करने और मीडिया की आवाज को दबाकर संविधान का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बंगाल को विभाजित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ प्रस्ताव की बात पर कहा, हम राज्य के किसी भी विभाजन के खिलाफ हैं, लेकिन सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिति चिंताजनक है।

पेज 1 का शेष

वायनाड...

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और संबंधित कार्यों के लिए वायनाड पहुंच गया है। भूस्खलन में डूबने वाले या मारे गए अधिकांश लोग जिले के चाय और कॉफी बागानों के लायम्स में रहने वाले मजदूर और श्रमिक थे। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और पूर्व रबर बोर्ड पी के रामचंद्रन ने द पायनियर को बताया कि प्राकृतिक आपदा एक और सबूत है कि राज्य प्रशासन ने पिछली गलतियों से कुछ नहीं सीखा है। वायनाड का संसद में कोई प्रतिनिधि नहीं है क्योंकि विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जो इस निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे, ने 2024 के लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद रायबरेली को बरकरार रखने के लिए इसे छोड़ दिया था। शवों के अलावा, बचाव दल को मानव शरीर के क्षत-विक्षत हिस्से भी मिले, जो भूस्खलन के कारण तेजी से निकले विशाल चट्टानों और पत्थरों से कुचल गए थे। समाचार लिखे जाने तक आधे से भी कम शवों की पहचान हो पाई थी। जिले और कोझिकोड के अस्पतालों में हृदय-विदारक दृश्यों की तस्वीरें थीं, क्योंकि जीवित बचे लोग दुर्घटना में गायब हुए अपने प्रियजनों और प्रियजनों की तलाश में शवों को स्कैन कर रहे थे। मुख्यमंत्री विजयन ने वित्तीय सहायता के लिए देशों के वैश्विक समुदाय से सहायता मांगी है। टेलीविजन चैनलों ने कई लोगों की फोन पर बातचीत प्रसारित की जिसमें वे रो रहे थे तथा किसी से आकर उन्हें बचाने का अनुरोध कर रहे थे क्योंकि वे या तो अपने घरों में फंस गए या पुलों के बह जाने तथा सड़कों के जलमग्न होने के कारण उनके पास वहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है। ऐसी ही एक बातचीत में चूरलमाला शहर निवासी एक महिला को जोर-जोर से रोते हुए यह कहते सुना गया कि उसके घर में कोई व्यक्ति मलबे में फंस गया है और उसे बाहर नहीं निकाला जा सका। महिला को यह कहते हुए सुना गया, कृपया कोई आओ और हमारी मदद करो। हमने अपना घर खो दिया है। हमें नहीं पता कि नौशीन (स्पष्ट रूप से परिवार का कोई सदस्य) जीवित है या नहीं। वह दलदल में फंस गई है। हमारा घर शहर में ही है...। राज्य के राजस्व मंत्री के. राजन ने बताया कि भूस्खलन में घायल हुए 70 से अधिक लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

वैश्विक निवेशक...

यह अंतिम समाधानों से जुड़ा हुआ है। इसका उद्देश्य भारत की जनशक्ति और उत्पादों को गुणवत्ता और मूल्य के मामले में वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना है। पीएम मोदी ने युवाओं के कौशल और अनुभव को बढ़ाने के लिए शुरू की गई इंटर्नशिप योजना का भी जिक्र किया, जिससे उनके रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी, साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने वालों को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 10 वर्षों में विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में आए बदलाव को देखते हुए ईपीएफओ अंशदान में प्रोत्साहन की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया और विभिन्न क्षेत्रों में एफडीआई नियमों का सरलीकरण, साथ ही बहुउद्देश्यीय लॉजिस्टिक्स पार्क, 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई अतीत में किए गए कुछ उपाय हैं। उन्होंने कहा कि बजट में देश के 100 जिलों के लिए तैयार निवेश पार्कों प्लग-एंड-प्ले निवेश की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ये 100 शहर विकसित भारत के नए केंद्र बनेंगे। प्रधानमंत्री ने बजट में कुछ बिंदुओं को रेखांकित किया गया है, जैसे परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए आवंटन में वृद्धि, कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, किसानों की भूमि के टुकड़ों को नंबर प्रदान करने के लिए भू-आधार कार्ड, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए 1,000 करोड़ रुपये का उद्यम पूंजी कोष, महत्वपूर्ण खनिज मिशन और खनन के लिए अपतटीय ब्लॉकों की आगामी नीलामी। उन्होंने कहा कि ये नई घोषणाएं प्रगति के नए रास्ते खोलेंगी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से उभरते क्षेत्रों में अवसर पैदा किए जा रहे हैं।

राउज...

अनापत्ति प्रमाण पत्र में बेसमेंट का इस्तेमाल सिर्फ गोदाम के लिए इस्तेमाल किया जाना था, लेकिन बेसमेंट के अन्य उपयोगों के इस्तेमाल करने के चलते जानमाल का नुकसान हुआ। स्थानीय निवासियों ने कहा कि कोचिंग के बेसमेंट में प्रवेश द्वार बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल लॉक सिस्टम के साथ था और घटना के समय छात्र समय पर बाहर नहीं आ सके।

यूपी सरकार...

इस बिल में एक से 10 साल तक की सजा का प्रावधान था। संशोधन के जरिए पिछले बिल को सजा और जुर्माने के मामले में और मजबूत किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कथित जबरन धर्म परिवर्तन के लिए कुछ हिंदू संगठनों द्वारा गढ़े गए शब्द लव जिहाद पर अंकुश लगाने के इरादे से यह पहल की थी। नवंबर 2020 में जबरन धर्म परिवर्तन पर अंकुश लगाने के लिए एक अध्यादेश जारी किया गया था और बाद में, उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा विधेयक पारित होने के बाद, उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम -2021 लागू हो गया। संसद के बाहर बिल पर टिप्पणी करते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, उनके पास और क्या है, वे कुछ नया नहीं कर रहे हैं। वे सांप्रदायिक राजनीति के जरिए लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मई में मौखिक रूप से टिप्पणी की थी कि उत्तर प्रदेश का धर्मांतरण विरोधी कानून कुछ हिस्सों में संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत प्रदत्त धर्म के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता प्रतीत हो सकता है।

बेहतर नीतियों...

8.2 प्रतिशत रही है और भारत ने दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करने वाले प्रमुख देश का दर्जा बरकरार रखा है। उन्होंने कहा, हम राजकोषीय मजबूती के तहत 2025-26 में राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत पर लाने के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रहे हैं। चालू वित्त वर्ष में इसके 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसका श्रेय बेहतर अर्थव्यवस्था प्रबंधन को जाता है। वित्त मंत्री ने विपक्षी दलों के सामाजिक क्षेत्रों के लिए आवंटन कम करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बजट दस्तावेज इसके उलट बयां करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। यह पिछले वित्त वर्ष से ज्यादा है। बीच-बीच में हिंदी में चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा, विपक्षी सदस्यों ने कहा कि बजट में केवल दो राज्यों को पैसा दिया गया है। यह कुछ और नहीं बल्कि लोगों को गुमराह करने का काम है। उन्होंने कहा, 2004-05 के बजट में 17 राज्यों का नाम नहीं था...2010-11 के बजट में 19 राज्यों का जिक्र नहीं था, 2014-15 में 10 राज्यों का जिक्र नहीं है। सीतारमण ने कहा, यह सबको पता है कि तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार की गलत नीतियों से महंगाई दहाई अंक के करीब चली गई थी लेकिन आज यह काफी हद तक नियंत्रण में है। यह सरकार की बेहतर नीतियों का नतीजा है।

ओआरओपी : पेंशन विसंगतियों के समाधान में देरी पर न्यायालय ने केंद्र की खिंचाई की

नई दिल्ली(भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने वन रैंक, वन पेंशन (ओआरओपी) योजना के तहत सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों (कैप्टन) को देय पेंशन पर वर्षों तक कोई निर्णय न लेने के लिए मंगलवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई और उस पर दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने योजना के तहत ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन के संबंध में विसंगतियों को हल करने के लिए केंद्र को 14 नवंबर तक अंतिम अवसर प्रदान किया। पीठ ने कहा कि दो लाख रुपए की जुर्माना राशि सेना के कल्याण कोष में जमा कराई जाएगी। साथ ही कहा कि यदि 14 नवंबर तक निर्णय नहीं लिया गया तो वह सेवानिवृत्त कैप्टन की पेंशन में 10 प्रतिशत वृद्धि का निर्देश देगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 नवंबर की तारीख तय की। केंद्र की ओर से अदालत में हुईं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सशस्त्र बल न्यायाधिकरण (एएफटी) की कोच्चि पीठ ने छह विसंगतियों को रेखांकित किया है, जिनमें सुधार की जरूरत है, लेकिन सरकार को अभी इस मामले में निर्णय लेना है। पीठ ने कहा, यह कितने साल तक चलेगा? या तो आप 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ पेंशन का भुगतान करें या हम आप पर जुर्माना लगा रहे हैं। हम चाहते थे कि निर्णय लिया जाए, लेकिन आपने (निर्णय) नहीं लिया। यह मामला 2021 में आया था।

मुझे गर्व है मेरी जाति ओबीसी में आती है : धनखड़

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को बताया कि उन्हें गर्व है कि वह जाट हैं और उनकी जाति को राजस्थान के साथ ही केंद्रीय सूची में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा मिला हुआ है। सभापति को अपनी जाति के बारे में यह सफाई राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान उस वक्त देनी पड़ी जब सत्ता पक्ष के एक सदस्य ने बजट चर्चा में हिस्सा लेते हुए धनखड़ को ओबीसी बताया और उस पर कांग्रेस की एक सदस्य ने सवाल खड़े किए।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के धनश्याम तिवाड़ी ने कांग्रेस और विपक्षी सदस्यों द्वारा जाति आधारित जनगणना की मांग उठाए जाने पर एक उदाहरण देते हुए बताना चाहा कि इस सरकार में कैसे विभिन्न जातियों को प्रमुखता दी गई है।उन्होंने कहा कि संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आईं थी तो वह सबसे आगे थीं और वह आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखती हैं।उन्होंने कहा, उनके पीछे उपराष्ट्रपति धनखड़ साहब थे जो ओबीसी हैं। और मैं ब्राहण इन सबकी आरती उतार रहा हूं। इसी समय कांग्रेस की रजनी पाटिल ने सवाल किया कि धनखड़ साहब कब से ओबीसी हो गए वह तो जाट हैं।इस पर सभापति ने कहा कि उन्हें कभी अपनी जाति बताने की आवश्यकता नहीं पड़ी लेकिन आज वह बता रहे हैं।उन्होंने कहा, मैं जाट जाति से हूं और मुझे गर्व है। यह जाति राजस्थान में ओबीसी में है और केंद्रीय सूची में भी ओबीसी में है। उन्होंने सवाल उठाने वाली पाटिल से कहा कि वह भी जाटों से वाकिफ हैं इसलिए अपनी रिश्तेदारी भी जाटों में की है।धनखड़ ने आगे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जमाने में पहली बार राजस्थान के जाटों को ओबीसी सूची में डाला गया था।भाजपा के सदस्य के लक्ष्मण ने कहा कि कांग्रेस वालों को पता ही नहीं है कि कौन ओबीसी है और कौन अनुसूचित जाति है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इनके नेता जाति जनगणना की मांग करते हैं और उन्हें ओबीसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।धनखड़ ने कहा कि उन दिनों वह जाट आरक्षण समिति के प्रमुख प्रवक्ता थे और इसकी एक छह सदस्य समिति ने वाजपेई से मुलाकात कर जाटों को ओबीसी श्रेणी में डालने की मांग की थी।उन्होंने यह भी कहा कि जाटों को पहले केंद्रीय सूची में ओबीसी में डाला गया और फिर बाद में आनन फानन में राजस्थान की तत्कालीन सरकार ने उन्हें ओबीसी का दर्जा दिया।उन्होंने कहा कि उस समय राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी और उसने जाटों को ओबीसी का दर्जा भी दे दिया लेकिन कई ऐसी कमियां छोड़ दी जिसकी वजह से मुकदमे तक लड़ने पड़े।धनखड़ ने कहा, किसान कभी चक्रव्यूह में नहीं फंसेगा, चाहे कितनी भी कमी कर लो। ऊपर वाले की कृपा है।

बाद में बजट के बारे में अपना पक्ष रखते हुए तिवाड़ी ने कहा कि आम बजट 2024-2025 वर्तमान का भी है, भूत का भी हैं और भविष्य का भी है। चर्चा के दौरान कई सदस्यों ने दावा किया कि बजट में राजस्थान को नजरअंदाज किया गया है लेकिन सच्चाई है कि राजस्थान को इस बजट में पिछली बजट के मुकाबले 8,000 करोड़ रुपए ज्यादा मिले हैं।

सरकार एक्यूपंक्चर पर नियामक तंत्र स्थापित करने की सिफारिश पर विचार कर रही : नड्डा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि सरकार एक्यूपंक्चर पर एक नियामक तंत्र स्थापित करने की एक शीर्ष समिति की सिफारिशों पर विचार कर रही है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि इस संबंध में आयुष मंत्रालय सहित कई विभागों को शामिल करते हुए एक व्यापक परामर्श पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों की स्थाई समिति की सिफारिशों के आधार पर एक्यूपंक्चर को चिकित्सा की एक विधा के रूप में योग्य ठहराया गया था। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित एक अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) ने 2018 में सिफारिश की थी कि एक्यूपंक्चर को उन लक्षणों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की एक स्वतंत्र प्रणाली के रूप में स्वीकार किया जा सकता है जिनके लिए इसके उपयोगी होने के प्रमाण हैं। नड्डा ने बताया कि आईडीसी रिपोर्ट पर विचार करने के बाद एक्यूपंक्चर (एसीए) पर एक शीर्ष समिति का गठन स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा की प्रणाली के रूप में एक्यूपंक्चर के प्रचार और विनियमन के लिए किया गया था।एसीए की सिफारिशों और दिशा-निर्देशों में एक्यूपंक्चर में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम, प्रणाली को विनियमित करने के लिए नियमों और विनियमों के लिए प्रस्तावित सुझाव और एक्यूपंक्चर उपचार के लिए प्रतिपूर्ति के सुझाव शामिल हैं। नड्डा के अनुसार, समिति ने आगे सिफारिश की है कि दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए, सरकार एक उपयुक्त नियामक तंत्र स्थापित करने के बारे में उचित निर्णय ले सकती है ताकि देश में स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा की प्रणाली के रूप में एक्यूपंक्चर के अभ्यास को बढ़ावा देने और विनियमन के लिए अनुकूल वातावरण और प्रणाली सुनिश्चित की जा सके।

25 लाख रुपए से अधिक के एनपीए खातों में इरादतन चूक की जांच करें बैंक : आरबीआई

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को इरादतन चूककर्ताओं और बड़े चूककर्ताओं से निपटने पर एक निर्देश जारी किया है। इसके तहत बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को 25 लाख रुपए और उससे अधिक की बकाया राशि वाले सभी गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) खातों में इरादतन चूक की जांच करनी होगी। बैंक एक विशेष प्रक्रिया का पालन करके किसी व्यक्ति की पहचान करेंगे और उसे इरादतन चूककर्ता के रूप में वर्गीकृत करेंगे। निर्देश के अनुसार, इरादतन चूक के सबूतों की जांच एक पहचान समिति करेगी। इरादतन चूककर्ता का अर्थ है एक ऐसा कर्जदार या गारंटर जिसने जानबूझकर कर्ज नही चुकाया है और उसकी बकाया राशि 25 लाख रुपए से अधिक है। आरबीआई ने कहा, बैंक 25 लाख रुपए और उससे अधिक की बकाया राशि वाले सभी एनपीए खातों में इरादतन चूक की समय-समय पर जांच करेंगे। यदि आंतरिक शुरुआती जांच में कोई जानबूझकर चूक की बात सामने आती है, तो ऋणदाता खाते को एनपीए के रूप में वर्गीकृत किए जाने के छह महीने के भीतर कर्जदार को इरादतन चूककर्ता के रूप में वर्गीकृत करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आरबीआई के निर्देश में आगे कहा गया है कि ऋणदाताओं को इस संबंध में एक गैर-भेदभावपूर्ण बोर्ड से मंजूरी प्राप्त नीति तैयार करनी चाहिए।

फाइनेन्शियल एवं पेमेंट सेवायें फ्लिपकार्ट पे पर

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों को बड़ी सहूलियत देते हुए भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फाइनेन्शियल एवं पेमेंट ऑफ रिंग्स से जुड़ी अपनी सभी सेवाओं को अपने एप पर फ्लिपकार्ट पे के अंतर्गत एक साथ लाने की घोषणा की है। नए फिनटेक प्लेटफॉर्म को ग्राहकों का जुड़ाव बेहतर करने और उन्हें पेमेंट का सुगम अनुभव प्रदान करने के लक्ष्य के साथ डिजाइन किया गया है। 'फ्लिपकार्ट पे - पे, सेव एंड अर्न' की टैगलाइन के साथ फ्लिपकार्ट पे से ग्राहकों का अनुभव बेहतर होगा और यह ग्राहकों के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन बनकर सामने आएगा, जिससे वे सहूलियत के साथ फ्लिपकार्ट की सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। 2013 में गिट कार्ड की लॉन्चिंग के साथ फिनटेक सर्विस में कदम रखने के बाद से फ्लिपकार्ट लगातार अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स को विस्तार दे रहा है जिससे भुगतान के आसान विकल्पों तक पहुंच को सहज बनाया जा सके। फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड की लॉन्चिंग के साथ इस सफर को आगे बढ़ाया गया, जिसे आज 40 लाख से ज्यादा लोग प्रयोग कर रहे हैं।

शीर्ष प्रतिभाओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली। नई दिल्ली के एयरफोर्स ऑडिटोरियम में आयोजित एचपी हॉस्पिटैलिटी एक्सीलेंस अवार्ड्स 2024 के सातवें संस्करण ने देश के प्रमुख होटलियरए शेफ और हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स को एकत्रित किया। एसोसिएशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स द्वारा आयोजित इस भव्य समारोह में इस वर्ष सस्टेनेबिलिटी और समावेशिता को केंद्र में रखते हुए इंडस्ट्री के शीर्ष टैलेंट्स को मान्यता दी गई। इन पुरस्कारों का उद्देश्य उन हॉस्पिटैलिटी पेशेवरों को मान्यता देना था जिन्होंने इंडस्ट्री के भविष्य को नया आकार दिया है। समारोह के दौरान एएचपी हॉस्पिटैलिटी चैलेंज के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिसमें 350 पेशेवरों ने 20 विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की थी। इस चैलेंज की शुरुआत रेडिसन होटल पश्चिम विहार नई दिल्ली में फ्रंट ऑफिस मास्टर प्रतियोगिता से हुई, इसके बाद बनारसीदास चांदीवाला आईएचएम, नई दिल्ली में तीन दिनों की कुलिनरी कम्पटीशन का आयोजन किया गया। चैलेंज का समापन चार विशिष्ट प्रतियोगिताओं के साथ हुआरू सूर्या होटल नई दिल्ली में दा वॉर ऑफस्पिरिट्स और आर्ट ऑफटेबल सेटिंग और द पार्क होटल नई दिल्ली में आर्ट ऑफ बेड मेकिंग् और १आर्ट ऑफ टॉवल फोल्डिंग१।

अर्जुन की तरह केवल मछली की आंख देख रहे है, जाति जनगणना करवाकर रहेंगे : राहुल गांधी

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन में कहा कि उन्हें अर्जुन की तरह सिर्फ मछली की आंख ही दिखाई दे रही है और वह देश में जाति आधारित जनगणना करवाकर रहेंगे। उन्होंने सदन में बजट 2024-25 पर चर्चा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर की एक टिप्पणी के बाद यह कहा। ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कुछ टिप्पणी की जिस पर कांग्रेस और सहयोगी दलों के सदस्य हंगामा करने लगे। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कहा कि अगर कुछ आपत्तिजनक है तो उसे रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा , आप लोग मेरा जितना अपमान करना चाहते है , आप खुशी से करिए आप रोज़ करिए। मगर एक बात मत भूलिए, कि जाति जनगणना हम करवाकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी इस देश में दलितों , आदिवासियों और पिछड़ों की बात उठाता है , उनके लिए लड़ता है उसको गाली खानी पड़ती है। राहुल गांधी ने कहा , मैं ए सब गालियां खुशी से खाऊँगा क्योंकि जैसे महाभारत में अर्जुन को सिर्फ़ मछली की आंख ही दिखाई दे रही थी उसी तरह मुझे भी सिर्फ़ मछली की आँख ही दिखाई दे रही है।

चीन और पाकिस्तान संबंधी सुरक्षा चुनौतियों पर संसद को विश्वास में ले सरकार: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीन और पाकिस्तान से संबंधित सुरक्षा चुनौतियों का हवाला देते हुए मंगलवार को केंद्र से संसद को विश्वास में लेने का आग्रह किया और आरोप लगाया कि अपने झूठे अहंकार और खोखले प्रचार के कारण वह यह भी भूल गई है कि भारत के सामरिक हितों की रक्षा करना उसकी जिम्मेदारी है। खरगे ने यह भी कहा कि भारत की सीमा के दो मोर्चे के घटनाक्रम ने नरेन्द्र मोदी सरकार की उदासीनता को फिर से उजागर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, क्या यह सच नहीं है

कि चीन ने पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तटों को जोड़ने वाले एक पुल का निर्माण और संचालन किया है, जो उसे हमारे एलएसी के करीब इस क्षेत्र में सामरिक प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति देता है? कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, क्या यह सच नहीं है कि चीन ने डेमचोक सेक्टर में एलएसी के पास एक नया गांव बसाना शुरू कर दिया है।

भारत में चीनी निवेश को समर्थन देने पर पुनर्विचार नहीं : गोयल

भाषा। नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि सरकार चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को समर्थन देने पर पुनर्विचार नहीं कर रही है, जैसा कि हाल में आर्थिक समीक्षा में कहा गया था। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी रिपोर्ट है जो नए विचारों के बारे में बात करती है। गोयल ने कहा कि यह समीक्षा सरकार के लिए बिल्कुल भी बाध्यकारी नहीं है। देश में चीनी निवेश को समर्थन देने पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है। मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, देश में चीनी निवेश को समर्थन देने पर फिलहाल कोई पुनर्विचार नहीं किया जा रहा है। सरकार ने 2020 में भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों से एफडीआई के लिए उसकी मंजूरी अनिवार्य कर दी। भारत के साथ स्थलीय सीमा साझा करने वाले देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमा और अफगानिस्तान हैं। चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच संसद में 22 जुलाई को पेश बजट-पूर्व आर्थिक समीक्षा 2023-24 में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और निर्यात बाजार का दोहन करने के लिए पड़ोसी देश चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने की वकालत की गई थी।

बजट से नौकरियों का सृजन हो सकेगा, जो आज के समय सबसे ज्यादा जरूरी है : अरुंधति भट्टाचार्य

नई दिल्ली। बजट से नौकरियों का सृजन हो सकेगा, जो आज के समय सबसे ज्यादा जरूरी है। ये बाते अरुंधति भट्टाचार्य चेयरपर्सन एवं सीईओ, सेल्सफोर्स इंडिया ने 2024-25 के बजट पर कही। उन्होंने कहा कि एक संतुलित बजट है। इसमें महिलाओं, युवाओं और नौकरी के सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया है, तथा सभी के लिए पर्याप्त अवसरों के निर्माण के लिए सतत प्रयासों पर बल दिया गया है। जैसा कि वित्त मंत्री जी ने कहा कि विश्व में अस्थिरता होने के बाद भी भारत की आर्थिक वृद्धि निरंतर होती रही, और आने वाले सालों में भी यह ऐसे ही चलती रहेगी। इस बजट में कौशल विकास, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, कृषि में टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देने और सबसे बड़े रोजगार निर्माता, एसएमईज़ को सहयोग देने की पहल सराहनीय हैं। इन उपायों से भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने में मदद मिलेगी।इस साल शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है, जो एक सराहनीय कदम है। साथ ही, रोजगार से जुड़े कौशल से 2.1 लाख युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिनमें विशेषकर पहली बार नौकरी तलाशने वाले युवा शामिल होंगे। मॉडल स्किल ऋण योजना में प्रस्तावित संशोधन से भी हर साल 25,000 विद्यार्थियों को मदद मिलेगी। मुद्रा ऋण राशि को बढ़ाकर 20 लाख रुपये किया जाना एक सही कदम है। अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट के स्कोरिंग के आधार पर अर्थव्यवस्था में एमएसएमई के डिजिटल फुटप्रिंट के स्कोर पर आधारित एक नया क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल विकसित करने से क्रेडिट की पात्रता के पारंपरिक मूल्यांकन में काफी सुधार होने की उम्मीद है, जो केवल एसेट या टर्नओवर के मानकों पर आधारित है।

इंडिया रिसर्जेंस आर्क प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में पिरामल एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)
CIN: U67190MH2016PTC272471
तीसरी मंजिल, यूनिट 304, पिरामल टॉवर, पेनिनसुला कॉर्पोरेट पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400013.
IndiaRF

पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट/कूरियर/बिना किसी पूर्वाग्रह के ईमेल — दिनांक: 29.07.2024

सेवा में,
1. **श्री सतपाल नंदराजोग** निवासी प्लॉट नं. डी–3 और डी–4, सेक्टर 10, नोएडा, उत्तर प्रदेश – 201301 ईमेलः nandsatpal9@gmail.com
2. **श्री सतपाल नंदराजोग इंडस्ट्रीज,** निवासी प्लॉट नं. डी–3 और डी–4, सेक्टर 10, नोएडा, उत्तर प्रदेश – 201301 ईमेलः nandsatpal9@gmail.com
3. **सुश्री निधि नंदराजोग,** निवासी बी–93, प्रथम तल, विवेक विहार, दिल्ली – 110092, और: प्लॉट नं. डी–3 और डी–4, सेक्टर 10, नोएडा, उत्तर प्रदेश – 201301
4. **श्री कुलदीप नंदराजोग,** निवासी बी–93, प्रथम तल, विवेक विहार, दिल्ली–110092, और: प्लॉट नं. डी–3 और डी–4, सेक्टर 10, नोएडा, उत्तर प्रदेश – 201301

विषयः वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ("सरफेसी अधिनियम, 2002") की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग की सूचना, संशोधित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के साथ पठित

मैं, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत मैसर्स इंडिया रिसर्जेंस आर्क प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय 304, तीसरी मंजिल, पीरामल टावर, पेनिनसुला कॉरपोरेट पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई – 400013 (महाराष्ट्र) में है, (जिसे आगे "इंडिया आरएफ" कहा जाएगा) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, आप सभी को एसएआरएफएईएसी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के अंतर्गत वर्तमान मांग नोटिस प्रेषित करता हूं, जिसकी विषय–वस्तु नीचे दी गई है:–

कि आपके अनुरोध एवं अभ्यावेदन के आधार पर, आपने रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (जिसे आगे "आरएफएल" कहा जाएगा) से निम्नलिखित संपत्ति ऋण (लैप) प्राप्त किया है:

दिनांक	ऋण अनुबंध संख्या	स्वीकृत सुविधा राशि	उधारकर्ता	सह उधारकर्ता
25.08.2010	XMORPNG00013740	रु. 4,50,00,000/–	सतपाल नंदराजोग	निधि नंदराजोग, कुलदीप नंदराजोग, सतपाल नंदराजोग इंडस्ट्रीज
05.07.2012	XMORPNG00043605	रु. 73,50,000/–	सतपाल नंदराजोग	निधि नन्द्राजोग, कुलदीप नन्द्राजोग,
28.02.2015	XMORPNG00058675	रु. 3,00,00,000/–	सतपाल नंदराजोग इंडस्ट्रीज	निधि नन्द्राजोग, कुलदीप नन्द्राजोग, सतपाल नन्द्राजोग

जिसे आप सभी उधारकर्ताओं/सह उधारकर्ताओं और आरएफएल के एक सुरक्षित लेनदार होने के बीच निष्पादित किया गया था और विभिन्न ऋण दस्तावेजों को भी निष्पादित किया गया था, जिसके तहत आप प्राप्तकर्ता उक्त ऋण खातों को नियंत्रित करने वाले नियमों और शर्तों का पालन करने के लिए सहमत हुए थे, जिन्हें विशेष रूप से "सुविधा समझौते" में वर्णित किया गया था।

2. कि "सुविधा समझौते" के अनुसार आपने, ऊपर नामित अभिभाषक ने अनुसूची ।। (इसके साथ संलग्न) में वर्णित संपत्ति के संबंध में शीर्षक विलेख जमा करके साम्यिक बंधक बनाया था, इसके साथ ही, अन्य बातों के साथ–साथ, उक्त संपत्ति के संबंध में शीर्षक विलेखों सहित कुछ दस्तावेज जमा किए थे, जिससे उक्त सुविधाएं सुरक्षित हो गई थीं।

3. आरएफएल द्वारा रखे गए विवरण और रिकॉर्ड के अनुसार, आप ने उक्त ऋणों के ब्याज और मूल ऋण/किस्तों के पुनर्भुगतान में चूक करना शुरू कर दिया और 90 दिनों से अधिक समय के लिए अतिदेय राशि को चुकाने में उपेक्षा की, जिसके परिणामस्वरूप आपके ऋणों को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा समय–समय पर जारी परिसंपत्ति वर्गीकरण के लिए मास्टर परिपत्र/दिशानिर्देशों के अनुसार 31.08.2016 से सुरक्षित लेनदार के खातों की पुस्तकों में गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

4. आपके द्वारा की गई चूक के कारण, आरएफएल ने आप पतेदारों को सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत दिनांक 19.09.2016 को एक डिमांड नोटिस जारी किया। यहां यह उजागर करना उचित है कि उक्त डिमांड नोटिस को आपके द्वारा 2017 के एसए नं. 151 (2022 का टीएसए नं. 558) के तहत "सतपाल नंदराजोग बनाम रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड" से ऋण वसूली न्यायाधिकरण, दिल्ली के समक्ष चुनौती दी गई थी और इसे माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण–।।, दिल्ली द्वारा दिनांक 26.07.2024 के आदेश के तहत कानून के अनुसार नहीं होने के कारण रद्द कर दिया गया था।

5. आरएफएल ने दिनांक 05.11.2019 को असाइनमेंट डीड के माध्यम से, उपरोक्त ऋण खातों (ऋण अनुबंध सं. XMORPNG00013740 (एप्लिकेशन आईडी 535609), XMORPNG00043605 (एप्लिकेशन आईडी 585672) और XMORPNG00058675 (एप्लिकेशन आईडी 624353), के संबंध में अपने सभी अधिकारों, टाईटल और हित को इंडिया आरएफ के पक्ष में अंतर्निहित सुरक्षा हित के साथ स्थानांतरित/असाइन किया है, जो सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 5 के प्रावधानों के अनुसार परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी है। तदनुसार, सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत वर्तमान डिमांड नोटिस इंडिया आरएफ द्वारा आपको नए सिरे से दिया जा रहा है।

6. कारोबार की सामान्य प्रक्रिया में रखे गए खातों के विवरण के अनुसार तीनों ऋण खातों में कुल बकाया राशि रुपये 18,30,63,259/– (रु. अठारह करोड़ तीस लाख तिरेसठ हजार दो सौ उनसठ) दिनांक 31.07.2024 तक बकाया देय राशि के अलावा, आप 31.07.2024 के बाद लोन अकाउंट में ब्याज और शुल्क का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी हैं. जिसका विवरण अनुसूची–। में दिया गया है।

7. उपरोक्त के मद्देनजर, मैं प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, इंडिया आरएफ की ओर से, एतद्वारा आपसे 60 दिनों की अवधि के भीतर रुपये 18,30,63,259/– (रु. अठारह करोड़ तीस लाख तिरेसठ हजार दो सौ उनसठ) ऋण खातों की उपरोक्त कुल बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करता हूं, ऐसा न करने पर भारतीय आरएफ सरफेसी अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) में उल्लिखित सभी या किसी भी अधिकार का प्रयोग करने के लिए विवश होगा, जिसमें सुरक्षित संपत्ति का कब्जा लेना और बकाया राशि की वसूली के लिए उसे बेचना शामिल है।

8. कि आप, अभिभाषकों को यह भी ध्यान में रखा जाता है कि सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप–धारा (13) के संदर्भ में, आप, अभिभाषकियों को उपरोक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों के निपटान या व्यवहार करने या बिक्री, पट्टे के माध्यम से स्थानांतरित करने या अन्यथा इंडिया आरएफ की पूर्व लिखित सहमति के बिना उपर्युक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों में कोई तृतीय–पक्ष हित बनाने से प्रतिबंधित/निषिद्ध किया गया है। कृपया ध्यान दें कि धारा 1 उक्त अधिनियम की धारा 13(13) उक्त अधिनियम की धारा 29 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

9. कृपया नोट करें कि वर्तमान मांग नोटिस आपको मैसर्स इंडिया रिसर्जेंस आर्क (इंडिया आरएफ) के अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा संबोधित किया गया है, जो सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (12) के तहत विधिवत नियुक्त है और उक्त मांग नोटिस इंडिया आरएफ के पास उपलब्ध किसी अन्य अधिकार अथवा उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जारी किया जाता है जिसमें उपर्युक्त बकाया राशि की वसूली के लिए उपयुक्त न्यायालयों और/अथवा अधिकरण के समक्ष उपयुक्त कानूनी कार्यवाही शुरू करना शामिल है।

10. आपका ध्यान सरफासी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है, जिसके अंतर्गत आप सार्वजनिक नीलामी द्वारा सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए प्रथम नोटिस के प्रकाशन की तिथि तक इंडिया आरएफ द्वारा वहन की गई सभी लागतों, प्रभारों और व्ययों के साथ बकाया राशि की पूरी राशि का भुगतान कर सकते हैं, कोटेशन आमंत्रित करके, सार्वजनिक या निजी संधि द्वारा निविदा द्वारा। कृपया ध्यान दें कि यदि इंडिया आरएफ द्वारा वहन की गई लागतों, प्रभारों और व्ययों के साथ बकाया राशि की पूरी राशि सार्वजनिक नीलामी द्वारा सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए नोटिस के प्रकाशन से पहले कोटेशन आमंत्रित करके, सार्वजनिक या निजी संधि द्वारा निविदा द्वारा नहीं चुकाई जाती है, तो आप उसके बाद सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के हकदार नहीं हो सकते हैं।

11. इस संबंध में कोई भी पत्राचार मुंबई में उपर्युक्त कार्यालय पते पर प्राधिकृत अधिकारी को संबोधित किया जा सकता है।

इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि आप इस नोटिस में ऊपर बताई गई मांग का अनुपालन करें और वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (4) के तहत आगे की कार्रवाई से बचने के लिए इस नोटिस के 60 (साठ) दिनों के भीतर बकाया कुल राशि का भुगतान करें, जो आपकी लागत और परिणामों पर होगा, जिस पर कृपया ध्यान दें।

इंडिया रिसर्जेन्स आर्क प्राइवेट लि.,
प्राधिकृत अधिकारी, श्री शक्ति श्रीवास्तव मैसर्स इंडिया रिसर्जेन्स आर्क प्रा. लि.
पंजीकृत कार्यालयः 304, तीसरी मंजिल, पीरामल टॉवर, पेननसुला कॉर्पोरेट पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई– 400013 (महाराष्ट्र)

अनुसूची – । (31.07.2024 तक बकाया राशि का विवरण)

ऋण खाता सं.	XMORPNG00013740 (एप्लिकेशन आईडी – 535609)	XMORPNG00043605 (एप्लिकेशन आईडी – 585672)	XMORPNG00058675 (एप्लिकेशन आईडी – 624353)
बकाया मूलधन	3,29,23,137	43,92,952	2,25,21,632
ब्याज अतिदेय	3,55,94,449	39,91,596	1,70,74,983
बाउंस चेक शुल्क	34,810	30,090	32,450
एलपीपी शुल्क	4,43,91,925	45,42,197	1,75,33,039
ब्याज दर	17%	17%	15%
कुल	11,29,44,321	1,29,56,834	5,71,62,104

कुल देय राशि रु. 18,30,63,259/– (रु. अठारह करोड़ तीस लाख तिरेसठ हजार दो सौ उनसठ मात्र)
कृते इंडिया रिसर्जेन्स आर्क प्राइवेट लि., प्राधिकृत अधिकारी, श्री शक्ति श्रीवास्तव मैसर्स इंडिया रिसर्जेन्स आर्क प्रा. लि.
पंजीकृत कार्यालयः 304, तीसरी मंजिल, पीरामल टॉवर, पेननसुला कॉर्पोरेट पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई– 400013 (महाराष्ट्र)

अनुसूची – ।। (प्रतिभूति/बंधक संपत्ति का विवरण)

संपत्ति विवरण – सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट सं. 3 और 4, ब्लॉक डी, सेक्टर 10, नोएडा, उत्तर प्रदेश 201301 पर पूर्ण निर्मित भवन और संरचना, कुल क्षेत्रफल 1640 वर्ग मीटर

कृते इंडिया रिसर्जेन्स आर्क प्राइवेट लि., प्राधिकृत अधिकारी, श्री शक्ति श्रीवास्तव मैसर्स इंडिया रिसर्जेन्स आर्क प्रा. लि.
पंजीकृत कार्यालयः 304, तीसरी मंजिल, पीरामल टॉवर, पेननसुला कॉर्पोरेट पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई– 400013 (महाराष्ट्र)

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लि., कार्यालय नं. 201–बी, दूसरी मंजिल, रोड नं. 1 प्लॉट नं. बी3, वाईफाई आईटी पार्क, वागले इंडस्ट्रियल एस्टेट, ठाणे, (पश्चिमी)–400604

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्जदार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।

कर्जदार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्जदार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्जा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्जदार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार का नाम/ऋण खाता नं.	सम्पत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1	अब्दुल रहमान और रुख्शाना बेगम LBJHN00006150574 और LBJHN00005673350	मकान नं. 220, अवधी राजगढ़, वार्ड नं. 15, बाके मौजा बियोली, वीरू नगर, नगर निगम, बड़ी मस्जिद के पास, झाँसी, उत्तर प्रदेश–284001/ जुलाई 25, 2024	दिसम्बर 28, 2023 रु. 16,51,761.00	झाँसी

उपरोक्त कर्जदार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : जुलाई 31, 2024
स्थानः ओखला
भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि. के लिए

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ने आईसीआईसीआई बैंक से प्राप्त ऋण सुविधा(ओं) के लिए मूलधन और ब्याज के पुनर्भुगतान में चूक की है। ऋण(ओं) को गैर–निष्पादित आस्ति(यों) (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत उन्हें उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, इसे तामील नहीं किया गया है और इसलिए इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/सह–उधारकर्ता/ गारंटर का नाम और पता (ऋण खाता सं.)	सुरक्षित आस्तियों का विवरण	नोटिस भेजने की तिथि/नोटिस की तिथि तक बकाया	एनपीए की तिथि
1.	आदित्य सिंह, संतोष देवी, फ्लैट नं. 1004 टॉवर ई, 10वीं मंजिल बेस्टेक पार्क व्यू सनाकृतु सेक्टर 12, गुड़गांव– 122005 खाता LBDEL00005177400	फ्लैट नं. एल–14ए04, 14वीं मंजिल ब्लॉक/टॉवर एल, द रोजेलिया विलेज वजीरपुर, सेक्टर 95ए गुड़गांव–122005 (2 व्हीलर ओपन पार्किंग साइट के साथ)	03/07/2024 रु. 16,84,849/-	04/04/2024
2.	अमन गुप्ता, आरती गुप्ता, अंकुर गुप्ता, फ्लैट नं. 1219, पी–4 आशियाना पाम, कोर्ट राज नगर एक्सटेंशन, उत्तर प्रदेश गाजियाबाद – 201017 खाता LBNOD00005566926	अपार्टमेंट नं. डी–905 और खसरा नं. 1083, 9वीं मंजिल, टॉवर–डी, बिना छत के अधिकार के, ब्रेव हार्ट्स, राज नगर एक्सटेंशन एनएच–58, गांव नूर नगर, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश–201001	16/04/2024 रु. 27,79,200/-	21/02/2024
3.	बजरंग सिंह, मनोज, रिंकू बाई, मकान नं. 419/19, गली नं. 6, शांति नगर, राजनगर फुट ब्रिज के पास, हरियाणा गुड़गांव–122001 खाता LBNOD00004952338	फ्लैट नं. टी8–307, तीसरी मंजिल, टॉवर–008 अरावली होम्स, दमदमा लेक रोड, गांव खाइका, सेक्टर–4, सोहना, जिला गुड़गांव हरियाणा– 122001 में स्थित	03/07/2024 रु. 15,18,131/-	07/01/2024
4.	दलीप कुमार, पूजा, मकान नं. 457/4 रतन गार्डन, उरगांव–122001 खाता LBDEL00005527709	यूनिट नं. जीजीएन– 02–1202 12वीं मंजिल, बिल्डिंग नं. 2, सेक्टर–102, गुड़गांव ग्रीन्स गुड़गांव–122001	03/07/2024 रु. 57,36,419/-	28/03/2024
5.	जगदेश नायक, श्वेता नायक, बी–91, पहली मंजिल, छतरपुर एक्सटेंशन, नंदा अस्पताल, दक्षिण दिल्ली–110074 खाता LBDEL00005237722	फ्लैट नं. ए–1502, 14वीं मंजिल, (अलनविक–ए), टेरा कैसल, अलवर एक्सप्रेस हाईवे नं. 25, भिवाड़ी राजस्थान– 301019 में स्थित	06/07/2024 रु. 27,45,736/-	04/04/2024
6.	ज्योति प्रकाश, आशा देवी, फ्लैट नं. ई–303, टुडे होम्स रिज रेजीडेंसी, सेक्टर–135, उत्तर प्रदेश नोएडा– 201304 खाता LBDEL00005144770	फ्लैट नं. 1208, 12वीं मंजिल, टॉवर–एच, फ्यूजन होम्स, प्लॉट नं. जीएच–05ए, सेक्टर–टेकजोन–4, गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश– 201307 में स्थित	18/06/2024 रु. 42,26,130/-	04/03/2024
7.	कुमार प्रसन्ना, फ्लैट नं. सी 308 वकील, व्हिनेमडिंग इनोड्स आर 1 मरसूर पोस्ट कसाबा होबली, अनेकल बैंगलोर, मंदिर के पास कर्नाटक, बैंगलोर– 562106 खाता LBNOD00005043843	फ्लैट नं. पी–053, ब्लॉक जी, जीसी–14, भूतल, गौर सिटी 2, 14वें एवेन्यू टॉवर, प्लॉट नं. जीएच–03, सेक्टर–16सी, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम), गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित	06/03/2024 रु. 1,33,332/-	25/12/2023
8.	कुमार प्रसन्ना, योगेंद्र प्रसाद, फ्लैट नं. सी–308 वकील, व्हिनेमडिंग वुड्स आर1 मार्सूर पोस्ट कसाबा होबली, अनेकल बेंगलुरु, मंदिर के पास कर्नाटक, बेंगलुरु–562106 खाता LBNOD00004641720	फ्लैट नं. पी–053, ब्लॉक जी, जीसी–14, भूतल, गौर सिटी 2, 14वें एवेन्यू टॉवर, प्लॉट नं. जीएच–03, सेक्टर–16सी, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम), गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित	06/03/2024 रु. 36,08,215/-	25/12/2023
9.	मोहम्मद मोही उद्दीन, दिव्या कात्याल, फ्लैट नं. 409 वी हाइट्स अपार्टमेंट गौतम बुद्ध नगर, नोएडा–201301, खाता LBDEL00006746614 /TBDEL00006742008	फ्लैट नं. 13133, 13वीं मंजिल ब्लॉक ए, टॉवर–9 क्रॉसिंग रिपब्लिक, प्लॉट नं. 7 डूंडाहेड़ा गाजियाबाद–201016 (बिना छत के अधिकार के और कार पार्किंग के साथ)	04/07/2024 रु. 1,47,340/- रु. 51,19,938/-	08/05/2024
10.	प्रदीप दहिया, अनामिका, मकान नं. 108, गली नं. 5, बहादुरगढ़ झज्जर, हरियाणा, झज्जर–124507 खाता LBDEL00002777921	फ्लैट नं. बी 2303, 23वीं मंजिल टॉवर बी, राइज, रामप्रस्थ सिटी, सेक्टर 37 डी, गुड़गांव हरियाणा–122001	03/07/2024 रु. 63,69,297/-	04/04/2024
11.	राहुल गुप्ता, उमा गुप्ता, एल 1/125ए एलआईजी फ्लैट्स जीएफ अलकनंदा कालकाजी, अरावली अपार्टमेंट के पास, दिल्ली–110019 खाता LBNOD00002222349	फ्लैट नं. 1302, 13वीं मंजिल ब्लॉक–एफ गायत्री ऑरा, प्लॉट नं. जीएच–11 सेक्टर– 1, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) 201307 में स्थित	06/03/2024 रु. 37,08,554/-	04/12/2023
12.	साहिल सोम, मीनू, प्रवीण कुमार, मकान नं. 175373176 सीटी/जीडी साहिल सोम, ए/54 बीएन सीआरपीएफ शमास–उल–हक, हुमहामा (जम्मू–कश्मीर) सी/ओ 56 ए.पी.ओ आरटीसी–IV, जम्मू और कश्मीर श्रीनगर–190021 खाता LBGHZ00005131501	फ्लैट नं. 1ए–0402, चौथी मंजिल (बिना छत के अधिकार के), टॉवर–1ए, खसरा नं. 1015, 1023/1, 1023/2 और 1023 मिनजुमला, निलय ग्रीन्स, ब्लॉक–01, मोरटा, एनएच–58, राजनगर एक्सटेंशन, परगना जलालाबाद, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201017	02/02/2024 रु. 21,72,106/-	03/10/2023
13.	शाल्वी वर्मा, सुबोध कुमार वर्मा, आरजेड–63, मानस कुंज, उत्तम नगर, दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली– 110059 खाता LBDEL00003300055	फ्लैट नं. ई–1902, 19वीं मंजिल, ब्लॉक–ई, ग्रीन आर्क, टॉवर–ड्यूबेरी, प्लॉट नं. जीएच–10ए, सेक्टर – टेकजोन–IV, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम), गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201307	06/07/2024 रु. 23,89,446/-	04/04/2024
14.	शरद मोहन चौबे, मोहिनी, डी 1102 नील पदम । सेक्टर 5, वैशाली, गाजियाबाद – 201010 खाताः LBDEL00002069400/LBDEL00002069401	यूनिट नं. डी–1102, 10वीं मंजिल, प्लॉट नं. 4 नील पद्म 1, सेक्टर 04 वैशाली गाजियाबाद– 201010	06/06/2024 रु. 10,44,670/- रु. 12,00,875/-	09/07/2024
15.	विजय कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, निवासी जी–230, सेक्टर अल्फा–।।, ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश गौतमबुद्ध नगर–201306, खाता LBDEL00001995912	आवासीय मकान नं. 129, ब्लॉक–जी, सेक्टर– अल्फा–।।, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश–201307	06/07/2024 रु. 11,68,606/-	07/04/2024
16.	योगेश मलिक, रेखा, 141 रोजवुड अपार्टमेंट, पॉकेट–ए, फेज–2, सेक्टर–13, द्वारका, दिल्ली–110075, खाता LBGHZ00004664228	फ्री–होल्ड डीडीए बिल्ट अप एमआईजी, फ्लैट नं. 141, प्रथम तल, पॉकेट–ए, सेक्टर–13, द्वारका आवासीय स्कीम, फेज–2, नई दिल्ली– 110075	19/01/2024 रु. 50,05,152/-	03/10/2023

ये कदम नोटिस की प्रतिस्थापित तामील के लिए उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त उधारकर्ता/ओं और/या गारंटरों/ओं (जैसा लागू हो) को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया भुगतान करने की सलाह दी जाती है। अन्यथा, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

दिनांक : जुलाई 31, 2024
स्थानः दिल्ली/एनसीआर
भवदीय, प्राधिकृत अधिकारी
कृते आई सी आई सी आई बैंक लि.

ताइवान के राष्ट्रपति ने विदेशी नेताओं का स्वागत किया

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने विदेशी सांसदों के अब तक के सबसे बड़े प्रतिनिधिमंडल का यहां स्वागत किया और मंगलवार को कहा कि यह लोकतंत्रों के एकजुट होने के महत्व को दर्शाता है जबकि चीन ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों पर यह यात्रा न करने का दबाव डाला था। लाई ने कहा, यह ताइवान को अन्य देशों के समर्थन और महत्व को दर्शाता है। यह दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों को एक महत्वपूर्ण संदेश भी देता है। लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए एकजुटता की आवश्यकता है और हमें मिलकर लोकतंत्र की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने ताइपे में चीन पर अंतर-संसदीय गठबंधन द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह गठबंधन जो 35 देशों के सैकड़ों सांसदों का एक समूह है। यह समूह इस बात को लेकर चिंतित है कि लोकतांत्रिक देश बीजिंग के प्रति कैसा रुख रखते हैं। चीन, ताइवान को अपना हिस्सा बताता है और उसने जरूरत पड़ने पर सैन्य शक्ति के जरिए इस पर अधिपत्य करने की धमकी दी है। लाई ने सम्मेलन में भाग ले रहे नेताओं से कहा, चीन का किसी भी देश के लिए खतरा पूरी दुनिया के लिए खतरा है। चीन मामलों को लगातार उलझाने और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता को कमजोर करने के लिए राजनयिक अपहरण, आर्थिक दबाव, साइबर हमलों और झूठी सूचना व नकली चीजों का प्रसार करने का सहारा लेता है।

तालिबान ने कई अफगान राजनयिक मिशन और उनकी वाणिज्य दूतावास सेवाओं को खारिज किया

इस्लामाबाद। तालिबान ने विदेश में स्थित कई अफगान राजनयिक मिशन को मंगलवार को अस्वीकृत करते हुए कहा कि वह अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित पूर्व प्रशासन से जुड़े राजनयिकों की ओर से जारी पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को मान्यता नहीं देगा। इस कदम को तालिबान की राजनयिक मिशन पर नियंत्रण हासिल करने की नई कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए एक बयान में कहा कि लंदन, बर्लिन, बेल्जियम, बॉन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, यूनान, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, कनाडा और नॉर्वे स्थित मिशन द्वारा जारी किए गए दस्तावेज अब मान्य नहीं हैं और मंत्रालय उन दस्तावेजों की कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है इस घोषणा से प्रभावित होने वाले दस्तावेजों में पासपोर्ट, वीजा स्टिकर, विलेख और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। मंत्रालय ने लिखा है कि इन देशों के लोगों को तालिबान की इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान (आईईए) सरकार द्वारा नियंत्रित दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों से संपर्क करना होगा। उसने कहा, विदेश में रहने वाले सभी अफगान नागरिक और विदेशी, वाणिज्य दूतावास सेवाओं का लाभ उठाने के लिए उपर्युक्त मिशन के अलावा अन्य देशों में आईईए राजनीतिक और वाणिज्य दूतावास मिशन जा सकते हैं।

पाकिस्तानः इमरान खान ने सेना से बातचीत करने की इच्छा जताई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को सेना के साथ बातचीत करने की इच्छा जताई। खान अपने साथ ही पत्नी और वरिष्ठ पार्टी नेताओं पर लगाए गए कई आरोपों के कारण मुश्किलों से घिरे हुए हैं। रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने खिलाफ एक मामले की सुनवाई के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए, 71 वर्षीय खान ने सेना के साथ बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की और स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी प्रतिष्ठान (सेना) पर आरोप नहीं लगाया, बल्कि रचनात्मक आलोचना की। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के मुताबिक क्रिकेट से राजनीति में आए खान ने सेना की तुलना घर के बिगड़ैल बच्चे से करते हुए कहा कि जिस तरह एक बिगड़ैल बच्चे की आलोचना की जाती है, उसी तरह सेना की भी आलोचना की जाती है और आलोचना लोकतंत्र का सार है। खान ने यह बात ऐसे समय में कही है जब उनकी पत्नी बुशरा बीबी को मंगलवार को 11 मामलों में संदिग्ध के तौर पर नामजद किया गय। इन मामलों में पिछले साल नौ मई को सेना मुख्यालय पर हुए हमले का एक मामला भी शामिल है।

इमरान खान ने 12 मामलों में जमानत के लिए आतंकवाद रोधी अदालत का रुख किया

लाहौर। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को हुए दंगों से जुड़े 12 मामलों में जमानत के लिए यहां एक आतंकवाद रोधी अदालत का रुख किया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने मंगलवार को आई एक खबर के अनुसार, खान के वकील सलमान सफदर के नेतृत्व में कानूनी टीम ने याचिकाएं दायर की हैं। इस समय सभी मामलों में न्यायिक हिरासत में बंद खान ने दावा किया कि उनसे कोई बरामदगी नहीं हुई है। उन्होंने दलील दी कि ए मामले दुर्भावना से प्रेरित है और राजनीतिक प्रतिशोध में ऐसा किया गया है। याचिकाओं में अदालत से इन मामलों में जमानत देने का अनुरोध किया गया है।

कंबोडिया में लापता सैन्य हेलीकॉप्टर का मलबा और दो पायलटों के शव मिले

नोम पेन्ह (कंबोडिया)। करीब 17 दिन से लापता कंबोडियाई सैन्य हेलीकॉप्टर का मलबा सोमवार को एक पर्वत की चोटी पर देखा गया। हेलीकॉप्टर में दो पायलट थे। सरकार तथा आधिकारिक समाचार एजेंसी की खबरों में यह जानकारी दी गई है। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में बताया गया है कि एक खोजी विमान ने दक्षिण-पश्चिमी प्रांत पुरसैट के घने जंगलों वाले कार्डमम पर्वत में चीन निर्मित 'जेड-9 हेलीकॉप्टर के मलबे को देखा था। हेलीकॉप्टर 12 जुलाई को एक प्रशिक्षण उड़ान पर था। इस पर दो पायलट सवार थे। मौसम खराब होने कारण उड़ान के कुछ समय बाद ही हेलीकॉप्टर का वायु सेना मुख्यालय से संपर्क टूट गया था। अगले दिन से लापता हेलीकॉप्टर की गहन तलाश शुरू कर दी गई थी। सरकारी समाचार एजेंसी एकेपी की खबर में कहा गया है कि दुर्घटनास्थल पर भेजे गए सैन्य कर्मियों को क्षतिग्रस्त हेलीकॉप्टर के अंदर एक पायलट का शव मिला है।

संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों को ले जा रहे वाहन पर हमला, कोई हताहत नहीं

डेरा इस्माइल खान। अफगानिस्तान की सीमा से सटे उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसी के लिए काम करने वाले स्थानीय कर्मचारियों को ले जा रहे एक बुलेटप्रूफ वाहन पर अज्ञात बंदूकधारियों ने मंगलवार को गोलीबारी की, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस प्रमुख अब्दुल सलाम ने बताया कि खैबर के डेरा इस्माइल खान जिले में संयुक्त राष्ट्र परियोजना सेवा कार्यालय के वाहन पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि वाहन में सवार सभी लोग सुरक्षित है।सलाम ने बताया कि पुलिस ने हमले में शामिल लोगों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए खोज अभियान शुरू कर दिया है।उन्होंने कहा कि तत्काल किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वहीं, पाकिस्तानी तालिबान ने एक बयान में कहा कि वह इस हमले में शामिल नहीं है।

इमरान की पत्नी बुशरा बीबी सेना मुख्यालय पर हमले समेत 11 मामलों में संदिग्ध

इस्लामाबाद। रावलपिंडी जिला पुलिस ने मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय को बताया कि जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को पिछले साल नौ मई को सेना मुख्यालय पर हुए हमले सहित 11 मामलों में संदिग्ध के रूप में नामित किया गया है। उच्च न्यायालय में रावलपिंडी पुलिस द्वारा पेश की गई एक रिपोर्ट में 49 वर्षीय बुशरा के खिलाफ दर्ज मामलों का विवरण दिया गया है, वह और उनके पति खान रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद है। न्यायालय ने अधिकारियों को उनके (बुशरा) खिलाफ दर्ज मामलों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने का आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के अभियोजक ने भी अदालत के आदेशानुसार जवाब प्रस्तुत किया। इसमें खुलासा किया गया कि उनके खिलाफ एनएबी में चार मामले दर्ज किए गए है, जिनमें रावलपिंडी में तीन और लाहौर में एक मामला शामिल है।

अमेरिका के बारस्टो में 4.9 तीव्रता का भूकंप

बारस्टो। अमेरिका में लॉस एंजिलिस के पूर्व में स्थित रेगिस्तानी इलाके में सोमवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, इससे जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने कहा कि दोपहर करीब एक बजे आए भूकंप का केंद्र बारस्टो से 13.7 मील (22 किलोमीटर) उत्तर-पूर्व में था। पुलिस लेफ्टिनेंट गुस्तावो अराइजा ने कहा कि भूकंप के झटके लगभग 80 मील (129 किलोमीटर) दूर रेगिस्तानी रिजॉर्ट शहर पाम स्प्रिंग्स में भी महसूस किए गए, लेकिन इससे नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। काउंटी शेरिफ विभाग की प्रवक्ता मारा रोड्रिगेज ने बताया किसैन बर्नार्डिनो काउंटी में किसी नुकसान या चोट की तत्काल कोई खबर नहीं है।

हैरिस से राष्ट्रपति चुने जाने के बाद ननिहाल चेन्नई जाने का आग्रह

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार कमला हैरिस के प्रचार अभियान के लिए चंदा एकत्र करने वाले एक भारतीय अमेरिकी ने देश की उपराष्ट्रपति से आग्रह किया है कि यदि वह आम चुनाव में राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो वह अपने ननिहाल चेन्नई की यात्रा करें। हैरिस (59) अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार हैं। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के इस दौड़ से हटने के बाद पिछले सप्ताह राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की आधिकारिक घोषणा की थी। हालांकि, अभी डेमोक्रेटिक पार्टी ने उन्हें अपना आधिकारिक प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। एशियन अमेरिकन पैसिफिक आइलैंडर्स (एएपीआई) विक्ट्री फंड के अध्यक्ष एवं संस्थापक शेखर नरसिम्हन ने पीटीआई से एक साक्षात्कार में कहा, अगर वह चुनी जाती हैं, तो मैं दबाव डालते हुए कहूंगा, चलिए, भारत चलते हैं। आपको चेन्नई जाना होगा। आप दिल्ली जा सकती हैं। दिल्ली जाना अच्छा है, लेकिन हमें चेन्नई भी जाना होगा। चेन्नई हैरिस की मां श्यामला गोपालन का गृहनगर था। गोपालन 16 साल की उम्र में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गई थीं।हैरिस बचपन में अक्सर चेन्नई जाया करती थीं और वहां से उनकी बहुत अच्छी यादें जुड़ी हैं। हैरिस 2009 में अपनी मां की अस्थियों को लेकर शहर गई थीं और उन्होंने हिंद महासागर में उनका विसर्जन किया था। नरसिम्हन ने कहा, मैंने अपने एक लेख में लिखा था कि मेरी मां चेन्नई से हैं और उनकी मां भी चेन्नई से हैं, इसलिए मैंने कहा कि मेरा सपना है कि वह राष्ट्रपति बनें और हम चेन्नई जाएं। उनका वहां शानदार स्वागत होगा और होना भी चाहिए।

नॉर्थ कैरोलाइना के गवर्नर कूपर ने हैरिस का उपराष्ट्रपति प्रत्याशी बनने की दौड़ से खुद को बाहर किया

वाशिंगटन,। नॉर्थ कैरोलाइना के गवर्नर रॉय कूपर ने डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की संभावित उम्मीदवार कमला हैरिस का उपराष्ट्रपति प्रत्याशी बनने की संभावना से इनकार कर दिया है। इस मामले से परिचित दो लोगों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कूपर ने आशंका जताई है कि अगर वह उपराष्ट्रपति प्रत्याशी चुने जाते है तो राज्य से बाहर जाने पर रिपब्लिकन पार्टी के उनके लेफ्टिनेंट गवर्नर राज्य की कमान अपने हाथ में ले लेंगे। दोनों लोगों ने नाम ने उजागर करने की शर्त पर बताया कि 67 वर्षीय कूपर ने हैरिस के संभावित उपराष्ट्रपति प्रत्याशी तलाशने से पहले ही अपना नाम वापस ले लिया है। डेमोक्रेटिक गवर्नर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रहे कूपर तब से ही हैरिस के करीबी है जब वे दोनों राज्य के अटॉर्नी जनरल थे। नॉर्थ कैरोलाइना के संविधान के तहत, राज्य के लेफ्टिनेंट गवर्नर मार्क रॉबिन्सन, कूपर के राज्य से बाहर जाने पर कार्यवाहक गवर्नर बन सकते है और डेमोक्रेट की शक्तियां हासिल कर सकते है। कूपर ने आशंका जताई है कि अगर वह प्रचार अभियान के लिए राज्य से बाहर यात्रा करते है तो रॉबिन्सन राज्य की कमान अपने हाथ में ले सकते है।

व्हाइट हाउस फतह के लिए कमला हैरिस को सबसे पहले कैलिफ़ोर्निया अभिशाप से उबरना होगा

गिल्डफोर्ड (यूके)। अगले एक पखवाड़े के भीतर, "डेमोक्रेटिक पार्टी प्रतिनिधियों के वर्चुअल रोल-कॉलै के अधीन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए संभावित डेमोक्रेट उम्मीदवार के रूप में पुष्टि की जाएगी और वह रिपब्लिकन उम्मीदवार, डोनाल्ड ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस के लिए एक पूर्ण लड़ाई में शामिल होंगी।।अगर हैरिस 1600 पेनसिल्वेनिया एवेन्यू नॉर्थ वेस्ट - या, जैसा कि इसे बेहतर रूप से जाना जाता है, व्हाइट हाउस में पहुंचती हैं, तो वह कई चीजों में पहली होंगी। वह पहली महिला राष्ट्रपति होंगी और साथ ही भारतीय और जमैका विरासत वाली पहली अश्वेत महिला भी होंगी। लेकिन वह कैलिफ़ोर्निया में राजनीतिक पावरबेस से चुनाव जीतने वाली पहली डेमोक्रेट भी होंगी।अमेरिका के असाधारण गणतंत्र में, कैलिफ़ोर्निया वास्तव में असाधारण है। यह, और इसमें रहने वाले लोग बहुत बड़े हैं, बहुत अमीर हैं, बहुत आविष्कारशील हैं, बहुत उदार हैं - और कुल मिलाकर बहुत ज़ूयादा हैं।यदि कैलिफ़ोर्निया एक राष्ट्र होता, तो इसकी अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होती।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मूसलाधार बारिश, एक ही परिवार के 11 सदस्यों की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को मूसलाधार बारिश के दौरान पानी घर के बेसमेंट में घुस जाने के कारण छह बच्चों समेत एक ही परिवार के कम से कम 11 सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना पेशावर के दक्षिण में 35 किलोमीटर दूर कोहाट जिले में खेल तहसील के दर्रा आदम में हुई। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने बताया कि बारिश का पानी घर के बेसमेंट में प्रवेश कर गया जिससे परिवार वहां फंस गया। परिणामस्वरूप छह बच्चों, तीन महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने बेसमेंट से शव निकाले। बाद में शवों को कोहाट के अस्पताल में ले जाया गया। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इन मौतों पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस बीच, डॉन न्यूज की खबर के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने सोमवार को चेतावनी दी कि बंगाल की खाड़ी से मानसून पाकिस्तान के मध्य और दक्षिणी भागों में प्रवेश कर सकती है, जिससे नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा हो सकती है।

वेनेजुएला : विपक्ष ने मादुरो के खिलाफ अपने प्रत्याशी की जीत का सबूत होने का दावा किया

काराकस। वेनेजुएला में हजारों लोगों के प्रदर्शन के बीच विपक्ष के उम्मीदवार एडमुंडो गोंजालेज ने सोमवार को घोषणा की कि उनके प्रचार अभियान दल के पास जरूरत पड़ने पर यह दिखाने के लिए सबूत है कि उन्होंने देश का राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है लेकिन चुनावी प्राधिकारियों ने उनके हिस्से की जीत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को दे दी है। गोंजालेज और विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने रविवार को हुए चुनाव में 70 प्रतिशत से अधिक टैली शीट प्राप्त की हैं जो दिखाती हैं कि गोंजालेज को मादुरो से दोगुने से भी अधिक वोट मिले हैं। दोनों नेताओं ने मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों से शांत रहने की अपील की है। इससे पहले, मादुरो की सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला की वफादार माने जाने वाली राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने मादुरो को आधिकारिक रूप से विजेता घोषित किया था। देश की राजधानी में ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे लेकिन जब राष्ट्रीय पुलिस अधिकारियों ने लोगों को आगे बढ़ने से रोका तो बवाल शुरू हो गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया।

ब्रिटेन में चाकूबाजी की घटना में एक और बच्ची की मौत, मृतकों की संख्या तीन हुई

भाषा। लंदन

ब्रिटेन पुलिस ने मंगलवार को कहा कि उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के साउथपोर्ट में बच्चों की डांस क्लास में हुई चाकूबाजी की घटना में नौ साल की एक बच्ची की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। इससे पहले, छह और सात साल की दो बच्चियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। पांच अन्य जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। उधर, मर्सीसाइड पुलिस के जासूसों ने मामले में 17 वर्षीय संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की। मर्सीसाइड पुलिस ने बताया कि आज तड़के चाकू से किए गए हमले में जख्मी हुई एक और बच्ची की मौत हो गई। मर्सीसाइड पुलिस ने कहा कि हार्ट स्ट्रीट में एक सामुदायिक केंद्र में हुई इस घटना में आठ अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। घटना में घायल हुए दो वयस्कों की भी हालत गंभीर है।बताया जा रहा है कि घटना के वक्त छह से 11 साल की आयु के ए बच्चे प्रख्यात गायिका टेलर स्विफ्ट के संगीत पर आधारित एक ग्रीष्मकालीन अवकाश कार्यशाला में भाग ले रहे थे।

नेज़ल स्प्रे अल्जाइमर से जुड़े प्रोटीन को साफ़ करता है

भाषा। शेफील्ड (यूके)

अमेरिका में वैज्ञानिकों ने एक नेज़ल स्प्रे विकसित किया है जो कम से कम चूहों में मस्तिष्क में मौजूद अल्जाइमर रोग से जुड़े प्रोटीन को हटा सकता है। अल्जाइमर में दो प्रोटीन शामिल होते हैं: अमाइलॉइड और तौ। अधिकांश दवाएं - जिनमें हाल ही में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा अनुमोदित दवाएं भी शामिल हैं - अमाइलॉइड को हटाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। हालाँकि, आज तक, तौ से जुड़ी "उलझनों" को हटाने पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। हालाँकि, टेक्सास विश्वविद्यालय की मेडिकल शाखा के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित नया नेज़ल स्प्रे, इस प्रोटीन पर केंद्रित है। एक स्वस्थ मस्तिष्क में, तौ, अन्य चीजों के अलावा, न्यूरॉन्स (मस्तिष्क कोशिकाओं) की सहायक संरचना को बनाए रखने में मदद करता है। अल्जाइमर और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव रोग में, ए प्रोटीन कोशिकाओं के अंदर जमा हो जाते हैं, असामान्य रूप से मुड़ जाते हैं और धागे जैसी संरचना बनाते हैं जिन्हें न्यूरोफाइब्रिलरी टेंगल्स के रूप में जाना जाता है। मस्तिष्क की सामान्य अपशिष्ट निष्कासन प्रक्रियाओं द्वारा इन उलझनों को कुशलतापूर्वक साफ़ नहीं किया जाता है, जो कोशिका क्षति और मृत्यु का कारण बनता है। इससे स्मृति हानि होती है।इसलिए तौ को लक्षित करना अल्जाइमर, फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया, लेवी बॉडी डिमेंशिया और प्रोग्रेसिव सुपरान्यूक्लियर पाल्सी सहित कई न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के लिए एक प्रभावी उपचार हो सकता है।जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, अल्जाइमर न केवल न्यूरॉन्स के भीतर तौ के संचय से जुड़ा है, बल्कि न्यूरॉन्स के बीच अमाइलॉइड प्लाक के निर्माण से भी जुड़ा है, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। अब तक, अल्जाइमर रोग के अधिकांश उपचारों में मस्तिष्क से अमाइलॉइड को हटाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें एफडीए-अनुमोदित दवाएं लेकानेमैब और डोनानेमैब शामिल हैं (ए दवाएं अभी तक यूके में स्वीकृत नहीं हैं)।क्लिनिकल परीक्षणों में संज्ञानात्मक गिरावट की प्रगति को धीमा करने में लेकानेमैब और डोनानेमैब प्रभावी रहे हैंअ हालाँकि, कई सीमाएँ हैं, जिनमें पहुँच, कीमत और यह तथ्य शामिल है कि वे केवल प्रारंभिक निदान चरण में ही प्रभावी हैं।कुछ लोगों का तर्क है कि रोग की धीमी प्रगति इतनी मामूली है कि प्रारंभिक चरण के अल्जाइमर वाले किसी व्यक्ति द्वारा उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। और कोई नहीं जानता कि बीमारी की धीमी गति लंबे समय तक बनी रहती है या नहीं।दुर्भाग्य से, तौ को लक्षित करने वाले उपचार मानव परीक्षणों में कम प्रभावी साबित हुए हैं। हाल तक, तौ को लक्षित करने वाले उपचारों को न्यूरॉन के उन हिस्सों में प्रवेश करने की सीमित क्षमता के कारण संघर्ष करना पड़ा है जहां तौ का निर्माण हो रहा है। याद रखें, अमाइलॉइड न्यूरॉन्स के बाहर जमा होता है, जबकि तौ उनके अंदर जमा होता है।

PUBLIC NOTICE

Reg: Entire Third Floor with roof rights alongwith 1/4" undivided share of Stilt Parking referred to as "said floor" of Built-up Freehold Property bearing No. 91, land area measuring 84 sq. mtrs., in Block-MP, Maurya Enclave, Pitampura, Delhi-110034.; Hereinafter referred to as "said property".

Be it known to all that our clients, Mr. Aayush Jain and Mr. Mukesh Jain (hereinafter called the "Purchaser") intend to purchase the said floor from (1) Mr. Kamal Chhabra ((2) Mr. Gaurav Chhabra (3) Mr. Rahul (4) Mr. Naresh Kumar Madan(hereinafter called the "Seller"). In this connection, the seller has informed the purchaser that they are the joint owners of the said property vide Sale deed executed by Mr. Jagdish Arora and Mr. Mukesh Arora in their favour. The said sale deed is registered as Document No.299 on 07.01.2023 (SRO VI-A). The seller has further informed the purchaser that the said property was owned by Ms. Yasoda Rani vide Conveyance Deed registered as document No. 9870 on 09.07.2009 (SRO-VII) executed by POI thru DDA. After her death and death of her husband, the property devolved on their legal heirs viz, Mr. Jagdish Arora, Mr. Mukesh Arora, Mrs. Madhu Johar and Mrs. Meenu Bhalla. Later on, Mrs. Madhu Johar and Mrs. Meenu Bhalla executed a Relinquishment Deed in favour of Mr. Jagdish Arora and Mr. Mukesh arora in respect of their undivided share in the said property. Subsequently, Mr. Jagdish Arora and Mr Mukesh Arora sold the said property in favour of Mr. Kamal Chhabra, Mr. Gaurav Chhabra, Mr. Rahul and Mr. Naresh Kumar Madan (the present seller) as aforesaid. Thus, the seller became the joint owners of the said property. The seller has further informed the purchaser that the said floor is not mortgaged anywhere and there is no charge or dispute or any litigation pending regarding the said floor.

Any person including Bank/s, Financial Institution/s. relative/s having any claim, right, title or any interest of any nature whatsoever into or upon the aforesaid floor is hereby called upon to make the same known, in writing, with documentary evidence, by Registered AD Post, to the undersigned at the address mentioned herein below within 07 days of publication of this notice and in the event of no response having been received to the notice, the title of the seller to the said floor shall be deemed to be clear of any charge or encumbrance of any nature whatsoever and any subsequent claim shall not bind our clients/ Purchaser, in any manner whatsoever.

Shivkant Arora, Advocate
M/s Intellective Law Offices
A-74, LGF, Defence Colony,
New Delhi-110024

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
अमर कॉलोनी शाखाः स्वामी शिवानंद विद्या भवन, अमर कॉलोनी, लाजपत नगर-IV, नई दिल्ली-110024
मो.: 95600 72941 ई: amarcolony.newdelhi@indianbank.co.in

परिशिष्ट-IV (नियम-8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, श्री वरूण कुमार ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो का प्रयोग करते हुए हमारी अमर कॉलोनी शाखा के उधारकर्ता सुश्री सुरभि चौधरी को एक मांग सूचना दिनांक **03.01.2020** को जारी की गई थी जिसमें 13(2) सूचना मे उल्लेखित राशि रु. **48,79,384/- (रु. अडतालीस लाख उनासी हजार तीन सौ चौरासी मात्र) और ब्याज इत्यादि सहित** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा कर्जदार तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्तिय का कब्जा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) के नियम 8 और 9 साथ के पठित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर दिनांक **26.07.2024** को कब्जा ले लिया है।
विशेष रूप से कर्जदार तथा सामान्य रुप से जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्तियो के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन बैंक, के प्रभार वास्ते बकाया राशि **रु. 70,14,531/-** (रु. सत्तर लाख चौदह हजार पाँच सौ इकतीस मात्र) **और दिनांक 25.07.2024 से ब्याज/लागत इत्यादि सहित के अधीन होगा।**
हम कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13(8) के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फ्लैट नं. ई-2101, ब्लॉक ई, 20वीं मंजिल, प्रोजेक्ट "आर जी लग्जरी होम्स", प्लॉट नं. जीएच-07 ए, सेक्टर 16बी, ग्रेटर नोएडा (नोएडा एक्सटेंशन), गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित, यह सम्पत्ति सुश्री सुरभि चौधरी पुत्री श्री मधु सूदन चौधरी के नाम पर है।

दिनांकः 26.07.2024 | स्थानः दिल्ली
हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) इंडियन बैंक

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
अमर कॉलोनी शाखाः स्वामी शिवानंद विद्या भवन, अमर कॉलोनी, लाजपत नगर-IV, नई दिल्ली-110024
मो.: 95600 72941 ई: amarcolony.newdelhi@indianbank.co.in

परिशिष्ट-IV (नियम-8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, श्री वरूण कुमार ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो का प्रयोग करते हुए हमारी अमर कॉलोनी शाखा के उधारकर्ता सुश्री स्वाती चौधरी को एक मांग सूचना दिनांक **31.08.2019** को जारी की गई थी जिसमें 13(2) सूचना मे उल्लेखित राशि रु. **48,46,067/- (रु. अडतालीस लाख छियालीस हजार सडसठ मात्र) और ब्याज इत्यादि सहित** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा कर्जदार तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्तिय का कब्जा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) के नियम 8 और 9 साथ के पठित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर दिनांक **26.07.2024** को कब्जा ले लिया है।
विशेष रूप से कर्जदार तथा सामान्य रुप से जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्तियो के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन बैंक, के प्रभार वास्ते बकाया राशि **रु. 71,60,144/-** (रु. इकहत्तर लाख साठ हजार एक सौ चौवालीस मात्र) **और दिनांक 25.07.2024 से ब्याज/लागत इत्यादि सहित के अधीन होगा।**
हम कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13(8) के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फ्लैट नं. ई-2002, ब्लॉक ई, 19वीं मंजिल, "आर जी लग्जरी होम्स", प्लॉट नं. जीएच-07 ए, सेक्टर 16बी, ग्रेटर नोएडा (नोएडा एक्सटेंशन), उत्तर प्रदेश में स्थित, यह सम्पत्ति सुश्री स्वाती चौधरी पुत्री श्री मधु सूदन चौधरी के नाम पर है।

दिनांकः 26.07.2024 | स्थानः दिल्ली
हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) इंडियन बैंक

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
शाखाः डिफेंस कॉलोनी, ए-263, डिफेंस कॉलोनी नई दिल्ली-110024 फोनः 24334969, 24334977
फैक्सः 24334977, ईमेलः defencecolony@indianbank.co.in
Ref. IB/DC/SARFAESI/loans/2024-25/01 दिनांकः 26.07.2024

परिशिष्ट-IV (नियम-8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, श्री वरूण कुमार ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन इंडियन बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो का प्रयोग करते हुए हमारी डिफेंस कॉलोनी शाखा के उधारकर्ता/प्रोपराईटर/बंधककर्ता/गारंटर श्री विनय कुमार पुत्र सुभाष चंदर (उधारकर्ता) और श्रीमती सिमरनजीत कौर पत्नी श्री विनय कुमार (सह-उधारकर्ता) को एक मांग सूचना दिनांक **08.02.2024** को जारी की गई थी जिसमें सूचना मे उल्लेखित राशि रु. **31,06,789.52 (रु. इकतीस लाख छह हजार सात सौ नवासी और पैसे बावन मात्र) दिनांक** 08.02.2024 तक और दिनांक 08.02.2024 से भुगतान की तिथि तक ब्याज/लागत इत्यादि सहित उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा कर्जदार तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने संपत्तियों/आस्तियों का कब्जा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) के नियम 8 और 9 साथ के पठित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित संपत्ति पर दिनांक **26.07.2024** को कब्जा ले लिया है।
विशेष रूप से कर्जदार तथा सामान्य रुप से जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्तियो के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन बैंक, डिफेंस कॉलोनी शाखा के प्रभार वास्ते बकाया राशि **रु. 25,36,995/-** (रु. पच्चीस लाख छत्तीस हजार नौ सौ पिचान्वे मात्र) **और दिनांक 25.07.2024 से ब्याज/लागत इत्यादि सहित के अधीन होगा।**
हम कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13(8) के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि "अमातरा होम", टॉवर एच, 9वीं मंजिल, फ्लैट नं. एच-904, सेक्टर 10, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर 201301 में स्थित (क्षेत्रफल 995 वर्ग फीट) यह सम्पत्ति श्री विनय कुमार पुत्र सुभाष चंद्र और श्रीमती सिमरनजीत कौर पत्नी श्री विनय कुमार के नाम पर है। चौहद्दीः उत्तर में - साइट मैप के अनुसार, दक्षिण में - साइट मैप के अनुसार, पूरब में - साइट मैप के अनुसार, पश्चिम में - साइट मैप के अनुसार

दिनांकः 26.07.2024 | स्थानः दिल्ली
हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी) इंडियन बैंक

पशु आहार निर्माण शाला, रूद्रपुर
किच्छा बाईपास रोड, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) फोन नं: 05944-242552 ई-मेलः aanchalcattlefeed@gmail.com

पत्रांक : 1230-34/निविदा सूचना/2024-25 दिनांकः 30 जुलाई, 2024

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

पुनः निविदा सूचना संख्या-03(1-11)/Raw Material/MM Salts/Bhusa/CFP/2024-25, Date - 30/07/2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा के द्वारा Two Bid System के अन्तर्गत पशु आहार निर्माणशाला रूद्रपुर (उधमसिंहनगर) में मिनरल मिक्सचर उत्पादन के लिये प्रयुक्त होने वाले अवयवो, मेज कॉब्स, व भूसा (गेंहू का भूसा) के आपूर्तिकर्ताओं/ निर्माताओं/फर्मो से दिनांक **07-08-2024** के सांय **05.00** बजे तक पुनः निविदा आमन्त्रित की जाती है, जो दिनांक **08-08-2024** की प्रातः **11.00** बजे यू0सी0डी0एफ0 कार्यालय मंगल पड़ाव हल्द्वानी में खोली जायेगी।

तालिका क्र. 01

क्र0 सं0	कच्चा माल विवरण	कुल मात्रा	धरोहर धनराशि ₹	निविदा शुल्क GST सहित ₹	आपूर्ति शैड्यूल
01	कॉपर सल्फेट	1100 कि०ग्रा०	5400	590	निविदा प्रपत्र के अनुसार
02	कोबाल्ट सल्फेट	150 कि0ग्रा0	2350	590	
03	डी०सी०पी० (रॉक बेस)	173000 कि० ग्रा०	155000	4720	
04	फेरस सल्फेट	2850 कि0ग्रा0	2050	590	
05	मैगनीशियम ऑक्साईड	12250 कि०ग्रा०	6000	590	
06	मैग्नीज सल्फेट	1100 कि०ग्रा०	1300	590	
07	पोटेशियम आयोडाइड	55 कि०ग्रा०	5000	590	
08	सोडियम थायो सल्फेट	11950 कि०ग्रा०	16800	1180	
09	जिंक सल्फेट	6400 कि0ग्रा0	11900	1180	
10	मेज कॉब्स्	2500 कु०	58500	2360	
11	भूसा (गेंहू का भूसा)	10000 कु०	140000	4720	

नोट- निविदा की शर्ते तथा उपलब्धता एंव प्रस्तुतीकरण का तरीका-
निविदा प्रपत्रों का मूल्य उपरोक्त तालिका के अनुसार जी.एस.टी. सहित, प्रति आइटम, निविदा प्रपत्र Online E-tender की वेबसाइट https://uktenders.gov.in पर उपलब्ध है, तथा यही से Download एवं Upload किये जा सकते हैं। ई-निविदा से सम्बन्धित अन्य जानकारी (निविदा संशोधन सूचना/निविदा से संबंधित अन्य सूचना) उक्त वेबसाइट के समय-समय पर अद्यतन से प्राप्त की जा सकती हैं। ई-निविदा वेबसाइट पर दिनांक 31/07/2024 से उपलब्ध रहेगी। **सामान्य प्रबन्धक**

मनु ने रचा इतिहास, भारतीय हॉकी टीम ने जगाई उम्मीद

सरबजोत के साथ दूसरा पदक जीता

भाषा। शेटराउ

युवा निशानेबाज मनु भाकर ने मंगलवार को यहां स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर भारत को पेरिस खेलों में दूसरा कांस्य पदक दिलाया। भारतीय हॉकी टीम ने भी अजेय अभियान जारी रखा तथा बैडमिंटन में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी अपने ग्रुप में शीर्ष पर रही। पर मुक्केबाजी में देश को निराशा हाथ लगी जबकि तीरंदाजों का दिन मिला जुला रहा।मनु और सरबजोत ने जीता कांस्य पदक: भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में कोरिया के ली वोन्हो और ओ ए जिन को 16 . 10 से हराकर देश को दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। तोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया। ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे लेकिन वह उपलब्धि आजादी से पहले की थी। मनु अब दो अगस्त को 25 मीटर महिला पिस्टल क्वालीफिकेशन के लिए उतरेंगी और उनके पास तीसरा पदक जीतने का भी मौका है। सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे। मनु और सरबजोत ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 स्कोर करके कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। वहीं भारतीय ट्रैप निशानेबाजी में प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसमें पृथ्वीराज तोंडइमन क्वालीफिकेशन में 21वें स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में राजेश्वरी कुमारी और श्रेयसी सिंह पहले दिन क्वालीफिकेशन के तीन राउंड के बाद 21वें स्थान पर रहीं जबकि श्रेयसी 22वें स्थान पर रहीं। दोनों बुधवार को क्वालीफिकेशन के दो और राउंड खेलेंगी। हरमनप्रीत के दो गोल से भारतीय हॉकी टीम जीती : कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और गोलकीपर पी आर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर 2–0 से जीत हासिल की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर पहला और 19वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दूसरा गोल किया। पहले मैच में न्यूजीलैंड पर 3 . 2 से मिली जीत में हरमनप्रीत ने 59वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर विजई गोल दागा था। वहीं रियो ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना के खिलाफ सोमवार को 59वें मिनट में ही उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत को हार से बचाते हुए मैच 1–1 से ड्रॉ कराया था। भारत अब दो अगस्त को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

पंघाल और जैस्मीन का ओलंपिक अभियान खत्म

पेरिस। भारत के अनुभवी मुक्केबाज अमित पंघाल मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक की मुक्केबाजी स्पर्धा में पुरुष 51 किग्रा वर्ग में और पदार्पण करने वाली महिला मुक्केबाज जैस्मीन लम्बोरिया 57 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गए। पंघाल का पेरिस ओलंपिक अभियान राउंड 16 में अफ्रीकी खेलों के चैंपियन और तीसरे वरीय जाम्बिया के पैट्रिक चिनएम्बा से1-4 से हारकर समाप्त हुआ जबकि जैस्मीन फिलीपींस की तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन नेस्टी पेटेसियो से 0-5 से हारकर बाहर हो गईं। विश्व चैंपियनशिप 2019 के रजत पदक विजेता पंघाल को पहले दौर में बाई मिली थी। वह तोक्यो ओलंपिक में भी इसी तरह बाहर हुए थे जिसमें भी उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी। तोक्यो के प्रदर्शन के बाद वह राष्ट्रीय टीम से बाहर ही थे और दीपक भोरिया के दो क्वालीफायर में कोटा नहीं हासिल करने के बाद उन्हें अंतिम ओलंपिक क्वालीफाइंग के लिए चुना गया था। जाम्बिया के पैट्रिक ने शुरू से ही आक्रामक रूख अख्तियार करते हुए दबदबा बनाया और पंघाल को वापसी का मौका नहीं दिया।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	6	6	2	14
जापान	6	2	4	12
फ्रांस	5	8	3	16
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	9
कोरिया	5	3	2	10
अमेरिका	3	8	9	20
ग्रेट ब्रिटेन	3	5	3	11
इटली	2	3	3	8
कनाडा	2	1	2	5
हांगकांग	2	0	1	3
भारत	0	0	2	2

जैस्मीन

पेरिस ओलंपिक: भारत का पांचवें दिन का कार्यक्रम

पेरिस। भारत का पेरिस ओलंपिक में बुधवार को यहां पांचवें दिन का कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार) इस प्रकार है। निशानेबाजी: 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन पुरुष क्वालीफिकेशन: ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर और स्वप्निल कुसाले - दोपहर 12:30 बजे ,ट्रैप महिला क्वालीफिकेशन: श्रेयसी सिंह और राजेश्वरी कुमारी - दोपहर 12:30 बजे , बैडमिंटन: महिला एकल (ग्रुप चरण): पीवी सिंधू बनाम क्रिस्टिन कुउबा (एस्टोनिया) - दोपहर 12:50 बजे , पुरुष एकल (ग्रुप चरण): लक्ष्य सेन बनाम जोनाटन क्रिस्टी (इंडोनेशिया) - दोपहर1:40 बजे, पुरुष एकल (ग्रुप चरण): एचएस प्रणय बनाम डुक फाट ले (वियतनाम) - रात 11 बजे, टेबल टेनिस: महिला एकल (अंतिम 32 दौर): श्रीजा अकुला बनाम जियान जेंग (सिंगापुर) - दोपहर 2:20 बजे मुक्केबाजी: महिला 75 किग्रा (अंतिम 16 दौर): लवलीना बोरगोहेन बनाम सुन्निवा हॉफस्टेड (नॉर्वे) - दोपहर 3:50 बजे , पुरुषों 71 किग्रा (अंतिम 16 दौर): निशांत देव बनाम जोस गेब्रियल रोड्रिग्ज टेनोरियो (इक्वाडोर) - रात 12:18 बजे। तीरंदाजी: महिला एकल: अंतिम 64 चरण: दीपिका कुमारी - दोपहर 3:56 बजे, पुरुष एकल: अंतिम 64 चरण: तरुणदीप राय - रात 9:15 बजे, घुड़सवारी: व्यक्तिगत ड्रेसेज ग्रां प्री दूसरा दिन: अनुश अग्रवाला - दोपहर1:30 बज

पेरिस ओलंपिक पर बारिश के बाद अब लू का खतरा

पेरिस। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत उद्घाटन समारोह में बारिश के साथ हुई थी जिसने दर्शकों के साथ खिलाड़ियों को भी तर कर दिया था, लेकिन अब यहां लू का खतरा मंडराने लगा है। मंगलवार को यहां तेज गर्मी महसूस की गई और राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि फ्रांस के अधिकांश हिस्से में लू की चेतावनी जारी की गई है तथा पेरिस और आसपास के इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक तक पहुंचने की संभावना है। फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में गर्मी अधिक कहर बरपा सकती है। इसमें भूमध्य सागर का तटीय शहर मार्सिले भी शामिल है, जो फुटबॉल और नौकायन जैसी ओलंपिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है।

रूस के खिलाड़ियों की सीमित संख्या से यूक्रेन को है खुशी

पेरिस। यूक्रेन के ओलंपिक प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ने इस बात पर खुशी जताई है कि पेरिस ओलंपिक में रूस के खिलाड़ियों की संख्या बेहद कम है और जो खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे है वे भी तटस्थ के रूप खेल रहे है। रूस और यूक्रेन के बीच लगभग ढाई साल से युद्ध चल रहा है। यूक्रेन ओलंपिक प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख वादिम गुटसैट ने एक साक्षात्कार में एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि क्रेमलिन (रूस) की सेना द्वारा 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद यूक्रेन ने दुनिया भर के खेल आयोजनों में रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों की संख्या को कम करने का प्रयास शुरू किया और पेरिस में इसका सकारात्मक असर दिख रहा है।

डीजे ने ऑनलाइन दुर्व्यवहार के लिए कानूनी शिकायत दर्ज कराई

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह को लेकर उठे विवाद ने मंगलवार को कानूनी मोड़ ले लिया, जब इस समारोह में प्रस्तुति देने वाली एक डीजे ने कहा कि ऑनलाइन धमकियां मिलने के कारण उनका वकील इसकी शिकायत दर्ज करा रहा है।बारबरा बुच के वकील ने डीजे के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक पत्र में कहा कि बुच को जान से मारने, यातना देने और बलात्कार की धमकियां मिल रही हैं। आलोचक उद्घाटन समारोह के उस दृश्य के लिए आलोचना कर रहे है जिसके बारे में उनका मानना है कि इसमें लियोनार्डो दा विंची की मशहूर पेंटिंग द लास्ट सपर का मजाक उड़ाया गया है।

सात्विक-चिराग ग्रुप में शीर्ष पर, अश्विनी और तनीषा का अभियान खत्म

भाषा। पेरिस

एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक की दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा में मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान की इंडोनेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो का महिला युगल में अभियान लगातार तीसरी हार के साथ खत्म हुआ। दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी ने अर्दियांतो और अल्फियान की दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21–13, 21–13 से हराया। ए दोनों जोड़ियां पहले ही अंतिम आठ में जगह बना चुकीं थी और इस मुकाबले से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला हुआ। भारतीय जोड़ी ने ग्रुप में अपने सभी मैच जीते। अर्दियांतो और अल्फियान के खिलाफ छह मैचों में सात्विक और चिराग की यह चौथी जीत है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी है। खेल की वैश्विक संचालन संस्थान बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा है कि पुरुष युगल के नॉकआउट दौर के लिए ड्रॉ बुधवार को होगा। अश्विनी और तनीषा को महिला युगल के ग्रुप सी में अपने से खराब रैंकिंग वाली सेतियाना मोपासा और एंजेला यू की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। अश्विनी और तनीषा की दुनिया की 18वें नंबर की जोड़ी को मापुसा और यू की दुनिया की 26वें नंबर की जोड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 15–21, 10–21 से हार झेलनी पड़ी ।ग्रुप सी से किम सो यिओंग और कोंग ही योंग की दक्षिण कोरियाई जोड़ी तथा नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जापान की चौथी वरीय जोड़ी ने शीर्ष दो स्थान पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इन दोनों जोड़ियों ने अश्विनी और तनीषा की जोड़ी को हराया था। पुरुष युगल में भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही प्रत्एक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन सात्विक और चिराग की जोड़ी पूरे मुकाबले के दौरान एक बार भी नहीं पिछड़ी। दोनों जोड़ियों ने तेज खेल दिखाया।

नौकायन खिलाड़ी बलराज फाइनल में पांचवें स्थान पर, 13वें से 24वें स्थान के लिए खेलेंगे

पेरिस। पेरिस ओलंपिक मे नौकायन मे भारत के एकमात्र प्रतिनिधि बलराज पंवार पुरुषों की एकल स्कल मे अपनी हीट रेस मे पांचवे स्थान पर रहे और अब 13वे से 24वें स्थान के लिए खेलेंगे। 25 वर्ष के पंवार ने क्वार्टर फाइनल में चौथी हीट में सात मिनट और 5 . 10 सेकंड का समय निकाला। वह सेमीफाइनल सी . डी मे खिसक गए जिसके मायने है कि ए खिलाड़ी 13वें से 24वें स्थान के लिए उतरेंगे। पंवार रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वह शनिवार को पहले दौर की हीट रेस मे चौथे स्थान पर रहकर रेपेचेज मे पहुंचे थे। चार क्वार्टर फाइनल हीट में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल ए . बी में पहुंचे जो पदक के लिए मुकाबला करेंगे।

ट्रैप निशानेबाज तोंडइमन क्वालीफिकेशन में 21वें स्थान पर रहे, महिलाएं पिछड़ी

शेटराउ (फ्रांस)। भारतीय निशानेबाज पृथ्वीराज तोंडइमन ने यहां पुरुष ट्रैप स्पर्धा के क्वालीफिकेशन दौर के अंतिम दो राउंड में परफेक्ट 25 का निशाना लगाया लेकिन इसके बावजूद 21वें स्थान पर रहे। तोंडइमन पांच राउंड में 125 शॉट में से कुल 118 का स्कोर ही बना सके जिससे वह 30 निशानेबाजों में 21वें स्थान पर रहे। शीर्ष छह निशानेबाज फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करते हैं। सैंतीस साल के तोंडइमन ने पांच राउंड में 22, 25, 21, 25 और 25 अंक बनाए जिनमें से दो राउंड शेटराउ शूटिंग सेंटर में क्वालीफिकेशन के दूसरे दिन हुए। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में एकमात्र भारतीय निशानेबाज तोंडइमन ने क्वालीफिकेशन दौर के पहले दिन 22, 25 और 21 का स्कोर बनाया जिससे वह तब 30वें स्थान पर थे। महिला ट्रैप निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी और श्रेयसी सिंह पूरी तरह से निशाने से चूक गईं। राजेश्वरी ने पहले दिन क्वालीफिकेशन के तीन राउंड में 75 में से 68 शॉट लगाए और 30 प्रतियोगियों में 21वें स्थान पर रहीं जबकि श्रेयसी 22वें स्थान पर रहीं। फाइनल के लिए शीर्ष छह निशानेबाज तय होने से पहले दोनों बुधवार को क्वालीफिकेशन के दो और राउंड खेलेंगी।

भजन अंतिम 16 में पहुंची, अंकिता का महिला एकल में सफर खत्म

भाषा। पेरिस

भारतीय तीरंदाज भजन कौर ओलंपिक के महिला एकल वर्ग में मंगलवार को यहां पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर पर 6–0 की शानदार जीत के साथ अंतिम 16 चरण में पहुंचने में सफल रही। भजन ने अंतिम 32 दौर में मैसजोर को हराने के साथ अंकिता भकत की हार का बदला चुकता किया। पोलैंड की इस तीरंदाज ने इससे पहले अंतिम 64 चरण के मैच में अंकित को 6–4 से हराया था। भजन ने दिन के अपने शुरुआती मैच में इंडोनेशिया की साइफा नूरफीफा कमाल को 7–3 से शिकस्त देने के बाद वियोलेटा के खिलाफ अपनी लय जारी रखते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। भजन ने वियोलेट के खिलाफ पहले सेट और तीसरे सेट में 10 अंक वाले एक–एक और दूसरे सेट में दो निशाने लगाकर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने 28–23, 29–26, 28–22 से आसान जीत दर्ज की।

गिल-पराग के खेल से संभला भारत

श्रीलंका को 138 रन का लक्ष्य दिया

पाल्लेकल। महीश तीक्षणा (28 रन पर तीन विकेट) और वानिंदु हसरंगा (29 रन पर दो विकेट) की फिरकी के जादू से श्रीलंका ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां भारत को नौ विकेट पर 137 रन के स्कोर पर रोक दिया। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज और उप कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। उन्होंने रियान पराग (26) के साथ छठे विकेट के लिए 54 रन जोड़कर भारत को खराब शुरुआत से उबारा। अंतिम ओवरों में वाशिंगटन सुंदर (25) और रवि बिश्नोई (नाबाद 08) ने आठवें विकेट के लिए 32 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया ।तीक्षणा और हसरंगा के अलावा श्रीलंका के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर रहे चामिंदु विक्रमसिंघे (17 रन देकर एक विकेट), असिथा फर्नांडो (11 रन पर एक विकेट) और रमेश मेंडिस (26 रन पर एक विकेट) ने भी एक-एक विकेट चटकाया ।श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित करते हुए चौथे ओवर में ही भारत का स्कोर 14 रन पर तीन विकेट कर दिया ।सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (10) ने दूसरे ओवर में महीश तीक्षणा पर दो चौके मारे लेकिन इस ऑफ स्पिनर के इसी ओवर में सीधी गेंद को चूककर पगबाधा हो गए। जायसवाल ने डीआरएस का सहारा लिया लेकिन फैसला श्रीलंका के पक्ष में गया ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर रहे चामिंदु विक्रमसिंघे ने अगले ओवर में संजू सैमसन को लेग स्पिनर हसरंगा के हाथों कैच कराया। सैमसन लगातार दूसरे मैच में खाता खोलने में नाकाम रहे। रिंकू सिंह को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया लेकिन वह भी एक रन बनाने के बाद तीक्षणा की गेंद पर मथीशा पथिराना को कैच दे बैठे ।कप्तान सूर्यकुमार यादव (08) ने आते ही तीक्षणा पर चौका मारा लेकिन असिथा फर्नांडो की गेंद पर फाइन लेग पर हसरंगा के हाथों लपके गए ।भारतीय टीम पावर प्ले में चार विकेट पर 30 रन ही बना सकी। ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस ने शिवम दुबे (13) को विकेटकीपर कुसाल मेंडिस के हाथों कैच कराके भारत का स्कोर 48 रन पर पांच विकेट किया। सलामी बल्लेबाज गिल ने एक छोर संभाले रखा और पराग के साथ मिलकर पारी को संवारा। पराग ने रमेश मेंडिस जबकि गिल ने स्पिनर कामिंदु मेंडिस पर चौका मारा ।पराग ने 14वें ओवर में हसरंगा पर दो छक्कों के साथ रन गति में इजाफा किया ।गिल ने 15वें ओवर में कामिंदु मेंडिस पर चौके के साथ भारत के रनों का शतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में हसरंगा की गेंद पर स्टंप हो गए ।हसरंगा ने दो गेंद बाद पराग को भी रमेश मेंडिस के हाथों कैच कराके भारत को सातवां झटका दिया।

मंधाना, रेणुका ठाकुर रैंकिंग चौथे और पांचवें स्थान पर

दुबई। भारत की स्मृति मंधाना आईसीसी टी20 रैंकिंग मे बल्लेबाजो की सूची मे एक पायदान चढकर चौथे स्थान पर पहुंच गई जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर गेंदबाजो मे पांचवे स्थान पर है। सलामी बल्लेबाज और उपकप्तान मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट मे 60 रन बनाए। उन्हे एक पायदान का फायदा मिला और उनके 743 रेटिग अंक है। गेंदबाजो मे रेणुका 722 अंक लेकर पांचवे स्थान पर है जिन्होंने टूर्नामेंट मे सात विकेट लिए थे। इंग्लैड की सोफी एस्सेलेटोन शीर्ष पर है जबकि दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है। बल्लेबाजों मे आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और ताहलिया मैक्ग्रा पहले दो स्थान पर है।

आडवाणी, सितवाला वेस्टर्न इंडिया बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैम्पियनशिप में भाग लेंगे

मुंबई। कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी तथा मौजूदा एशियाई और राष्ट्रीय बिलियर्ड्स चैंपियन ध्रुव सितवाला तीन अगस्त से यहां शुरू होने वाली वेस्टर्न इंडिया बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैंपियनशिप मे भाग लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन तीन श्रेणियो सीनियर बिलियर्ड्स, सीनियर स्नूकर और जूनियर स्नूकर में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता मे मौजूदा राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियन सौरव कोठारी, आदित्य मेहता, लक्ष्मण रावत, स्पेश शाह, ध्वज हरिया, आलोक कुमार, सिद्धार्थ पारिख और एस श्रीकृष्णा भी हिस्सा लेंगे।सीनियर स्नूकर चैंपियन को दो लाख रुपए और उपविजेता को 1.2 लाख रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी।

डीएसएस क्लब की जीत में शरीफ का आलराउंड खेल

लखनऊ। मैन ऑफद मैच मो.शरीफ 2 विकेट, नाबाद 52 रन के आलराउंड खेल से डीएसएस क्लब ने पांचवीं श्रीपाल सिंह स्मारक टी20 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में मेहता क्लब को 4 विकेट से पराजित किया। पार्थ रिपब्लिक ग्राउंड पर मेहता क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 186 रन का स्कोर बनाया। टीम को सलामी बल्लेबाज अमिताभ 62 रन, व विनीत सिंह ने 58 रन बनाए। अंकुर व शरीफ को 2-2 विकेट मिले। जवाब में डीएसएस क्लब ने लक्ष्य का पीछा करते हुए निर्धारित ओवर में 6 विकेट पर 187 रन बनाकर मैच जीत लिया। अब्दुल्लाह जमाली ने 57 और शरीफ ने 52 रन बनाए।

श्रीलंका क्रिकेट के नए संविधान का मसौदा तैयार करवाएगी सरकार

कोलंबो। श्रीलंकाई कैबिनेट ने अपने कानूनी सलाहकार को सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशो के आधार पर श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के लिए नए संविधान के मसौदे पर काम करने का निर्देश देने का फैसला किया है। इस समिति को चित्रसिरी समिति के नाम से जाना जाता है। उसने सिफारिश की थी कि एसएलसी को 18 सदस्ईय निदेशक मंडल द्वारा संचालित किया जाना चाहिए। क्रिकेट बोर्ड के नए ढांचे के लिए सरकार का हस्तक्षेप तब हुआ जब तत्कालीन खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने वर्तमान एसएलसी प्रशासन को बर्खास्त कर दिया और उसकी जगह एक अंतरिम समिति बना दी।

क्विक न्यूज

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर मनु और सरबजोत सिंह की सराहना की

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पेरिस ओलंपिक खेलो में कांस्य पदक जीतने पर मंगलवार को मनु भाकर और सरबजोत सिंह को बधाई दी और कहा कि उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि ने हर देशवासी को गौरवान्वित किया है। इस बीच, पदक जीतने पर झज्जर में मनु के गांव गोरिया और अंबाला मे सरबजोत के पैतृक गांव में जश्न मनाया गया। मनु स्वतंत्र भारत मे एक ही ओलंपिक मे दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई, जिन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में सरबजोत सिंह के साथ कांस्य पदक जीता। उनकी उपलब्धि पर हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह हरियाणवियों के लिए पुनः गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा, पेरिस ओलंपिक खेलो मे 10 मीटर एयर पिस्टल के मिश्रित टीम इवेंट मे हरियाणा की बेटी मनु भाकर और बेटे सरबजीत सिंह के कांस्य पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

स्पोर्टी बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज की मांग बढ़ेगी

मुंबई। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने देश आल-न्यू बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज लॉंग व्हीलबेस लॉंच किया है। इस कार को संपूर्ण इंडिया में बीएमडब्ल्यू डीलरशिप में और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट बीएमडब्ल्यू डाट इन पर बुक किया जा सकता है। यह स्पोर्टी, खूबसूरत डिजाइन और हॉलमार्क ड्राइविंग प्लेजर के साथ असाधारण टेक्नोलाजिकल विशेषज्ञता और प्रगतिशील प्रवृत्ति के संयोजन का प्रतीक है। भारत दुनिया में पहला राइट-हैंड ड्राइव मार्केट है जिसने अपने लॉन्ग व्हीलबेस अवतार में ऑल-न्यू 5 की पेशकश की है। इसकी डिलिवरी सितंबर 2024 से आरंभ होगी। बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज बीएमडब्ल्यू ब्रांड के केन्द्र में है। यह प्रतिष्ठित एग्जिक्यूटिव सेडान सेगमेंट में वर्षो से विश्व स्तर पर मार्केट लीडर रहा है। वर्ष 1972 में पहली जनरेशन के लॉंच होने के बाद से 5 सीरीज की लगभग 10 मिलियन यूनिट्स बिक चुकी हैं। दुनिया की सबसे सफल बिजनेस सेडान की आठवीं जनरेशन पहले से कहीं ज्यादा डाइनैमिक है, जिसमें ढेरों डिजिटल इनोवेशन्स किए गए हैं। विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, एंड सीईओ बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, ज्यादा आरामदायक, डिजिटल और ज्यादा डायनैमिक- ऑल-न्यू बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज लॉंग व्हीलबेस, शानदार स्पेस और लग्जुरियस कम्फर्ट की खूबियों के साथ आधुनिकता, उपस्थिति और स्पष्टता को एक पूरी तरह से नई अभिव्यक्ति प्रदान करती है।

फुटवियर से लड़कियों में बढ़ेगा आत्मविश्वास

नई दिल्ली। कैंपस एक्टिववियर ने सोनम बाजवा के साथ अपना नवीनतम ब्रांड कैंपेन यू गो गर्ल लॉन्च किया है। इस ब्रांड कैंपेन का उद्देश्य है, महिलाओं को अपने व्यक्तिगत स्टाइल को आत्मविश्वास से अपनाने और अपनी फैशन यात्रा की कमान संभालने के लिए प्रोत्साहित करना। 'लोग तो कहते रहेंगे, लोगों का काम है कहना। दुनिया के लिए रुको मत, डोंट स्टॉप फॉर द वर्ल्ड, डू योर थिंग...यू गो, गर्ल (अपना काम करो...आगे बढ़ो, लड़कियों)!' के जज्बे के साथ आरंभ करते हुए, कैंपस पारंपरिक फुटवियर विकल्पों से जुड़ी पुरानी रूढ़ियों को तोड़कर और उनके अनूठे फैशन स्टेटमेंट को स्वीकार कर महिलाओं के लिए फैशन संस्कृति में क्रांति लाने का संदेश देता है। कैंपस एक्टिववियर लिमिटेड की सीएमओ, प्रेरणा अग्रवाल ने इस ब्रांड कैंपेन के बारे में बात करते हुए कहा, 'कैंपस भारत में महिलाओं के फुटवियर को देखने के ढंग को बदलने के अभियान पर है। सोनम बाजवा के जीवंत व्यक्तित्व को महिलाओं के लिए हमारे कलेक्शन के साथ जोड़ने के पीछे हमारा लक्ष्य है, महिलाओं को सशक्त बनाना, उन्हें अपने व्यक्तित्व को अपनाने और स्टाइलिश तथा आरामदायक फुटवियर में आत्मविश्वास से चलने के लिए प्रोत्साहित करना।

मिनी कूपर एस देगी रफ्तार का रोमांच

नई दिल्ली। नई मिनी फैमिली को मिनी कूपर एस और नई ऑल-इलेक्ट्रिक मिनी कंट्रीमैन के लॉन्च के साथ भारत में एक नया ठिकाना मिल गया है। ये कारें कम्प्लीटली बिल्ट-अप यूनिट सीबीयू के रूप में मिलेंगी और इन्हें देश भर में सभी मिनी ऑथराइज्ड डीलर्स के साथ ही शॉपडाटमिनीडाटइन पर बुक किया जा सकता है। इसकी डिलिवरी सितंबर 2024 से आरंभ होगी। मिनी कूपर एस की फिफ्थ जनरेशन और इलेक्ट्रिफाइड थर्ड जनरेशन मिनी कंट्रीमैन में मिनी बॉडी लैंग्वेज एवं ओरिजिन्स के बुनियादी सिद्धांतों के साथ प्रोग्रेसिव टेक्नोलॉजी का संयोजन किया गया है। विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट एंड सीईओ बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, मिनी को आज के दौर के लिए हमेशा नए सिरे से लिखा एवं खोजा गया है और इसमें इसके खुद के ओरिजन एवं परंपराओं के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। नई मिनी फैमिली अपनी विशुद्ध डिजाइन, शानदार यूजर अनुभव और रिस्पॉन्सिबल एटीट्यूड एवं करिश्माई सादगी के साथ, ड्राइविंग फन को एक नये युग में लेकर जाती है। मिनी के निरंतर विकास और इसकी नए-नए ट्रेंड्स स्थापित करने की क्षमता ने भारत में फैन्स का मजबूत आधार बनाया है। मॉडर्न एवं कलरफुल, नए विकसित किए गए स्टाइलिश ट्रिम्स - 'क्लासिक' और 'फेवर्ड' ऐसी डिजाइनें एवं इक्विपमेंट लेवल्स की पेशकश करते हैं जिसमें पर्यावरण हितैषी सामग्रियों का उपयोग किया गया है।

उम्मीद है कि प्यार बना रहेगा, अगर मैं और पदक नहीं जीत पाई तो कृपया नाराज नहीं हों: मनु भाकर

शेटराउ (फ्रांस)। मनु भाकर महज 22 साल की उम्र मे एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर भारत की सबसे सफल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई है लेकिन उन्होने पेरिस ओलंपिक में अपने तीसरे स्पर्धा से पहले कहा, मुझे उम्मीद है कि प्यार बना रहेगा, अगर मै और पदक नही जीत पाई तो कृपया नाराज नही हो। मनु स्वतंत्र भारत मे एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी है। वह दो अगस्त को 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल क्वालीफिकेशन में प्रतिस्पर्धा करेंगी। उन्होने अब तक महिलाओ की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर मिश्रित एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीते हैं। मनु ने शेटराउ निशानेबाजी परिसर से कहा, मुझे उम्मीद है कि प्यार बना रहेगा। मै निश्चित तौर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी। मुझे उम्मीद है कि लोग निराश नही होगे। अगर मै एक और पदक नही जीत पाई तो कृपया नाराज नही हो। मनु और 22 साल के सरबजोत की जोड़ी ने मंगलवार को 10 मीटर मिश्रित एयर पिस्टल स्पर्धा के कांस्य पदक मुकाबले में कोरियाई की जोड़ी को शिकस्त दी।

जसपाल से जुड़ने के बाद मनु का आत्मविश्वास बढा, : पिता

सूरजकुंड। पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के घर पर एक बार फिर बधाइयों का तांता लगा हुआ ई जिन्होने पेरिस ओलंपिक में दूसरा कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। मनु स्वतंत्र भारत मे एक ही ओलंपिक मे दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई जिन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में सरबजोत सिंह के साथ कांस्य पदक जीता। मनु के पिता राम किशन ने कहा कि पेरिस मे अपनी बेटी के प्रदर्शन को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नही है। उन्होने कहा कि कोच जसपाल राणा से जुड़ने के बाद उसका आत्मविश्वास बढा है। उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा , मेरे पास शब्द नही है। यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।